हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 13.06.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 320 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री ने विभागवार योजनाओं की समीक्षा में अधिकारियों को दिए निर्देश

सभी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में रेगुलर टीचर की नियुक्ति करें : चम्पाई सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने बुधवार को विभागवार योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अलग-अलग विभागों के सचिवों के साथ बैठक की और योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्य रूप से अबुआ आवास योजना, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, भवन निमार्ण विभाग, भू-राजस्व विभाग, म्यूटेशन और सुओ मोटो म्युटेशन मामलों, स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य विभागों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अबुआ आवास योजना के तहत पहले चरण में स्वीकृत किए गए दो लाख आवास और इसकी पहली किस्त की राशि जारी होने के उपरांत आवास निर्माण के प्रगति की जानकारी ली और इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के लाभुक गरीब और जरूरतमंद होते हैं। ऐसे में न्यूनतम दर पर उन्हें आवास निर्माण के लिए बालू जैसी निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की पहल करें। चम्पाई ने कहा कि लाभुकों के चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। साथ ही जिन्हें अबुआ आवास आवंटित हो चुका है और उनका पहला चरण का कार्य संतोषजनक है तो उन्हें दूसरी किस्त की राशि जारी करें। योजना में अनियमिता और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश

- आने वाले समय में सभी प्रखंड में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे।
- सभी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में रेगुलर टीचर की नियुक्ति करें।
- सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालयों में 100 फीसदी रिजल्ट हो। इसके लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जायें।
- शिक्षा में किसी भी प्रकार से कोताही नहीं बरते अधिकारी।
- सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत दर्ज हो, यह सुनिश्चित करें अधिकारी।
- 10वीं और 12वीं वर्ग की परीक्षाओं में विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर हो, इस पर काम करें।
- जिलों के उपायुक्त सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस में मिल रही सभी सुविधाओं का निरंतर मॉनिटरिंग करें। वर्तमान में संचालित 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस को बेहतर निजी विद्यालयों के अनुरूप अपग्रेड करें।

भू राजस्व विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश

- म्यूटेशन तय समय सीमा के अंदर हो, इसे सुनिश्चित करें। म्यूटेशन के मामले बिना किसी वजह से लंबित नहीं रहने चाहिए।
- अंचल ऑफिस में म्यूटेशन के कई मामले बिना किसी ऑब्जेक्शन के काफी समय तक लंबित रहता है। म्यूटेशन केसेज का ना तो निष्पादन होता है और ना ही रिजेक्ट किया जाता है। इसकी जांच हो।
- सभी डीसी अपने जिलों के अंतर्गत आने वाले अंचलों का नियमित निरीक्षण करें और वहां म्यूटेशन के मामलों की समीक्षा करें। जमीन से संबंधित दस्तावेजों का भी वेरिफिकेशन करें।

स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा में दिए निर्देश

- राज्य सरकार के अबुआ आवास योजना से शौचालय निर्माण योजना को जोड़ें। जो अबुआ आवास स्वीकृत हो चुके हैं वहां इस योजना के तहत शौचालय निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू हो।
- राज्य के जिन गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है उन गांवों को और बेहतर तथा अन्य सुविधाएं देने की पहल करें।
- वैसे आंगनबाड़ी केंद्र जो अब तक नल जल से आच्छादित नहीं हैं, वहां जल जीवन मिशन के तहत जल्द से जल्द नल जल की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कल्पना सोरेन से कांग्रेस के झारखंड प्रभारी सहित अन्य ने की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन से बुधवार को कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने रांची के कांके रोड स्थित आवास में शिष्टाचार मुलाकात की। अन्य नेताओं में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रोशन लाल भाटिया, आल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस के कार्यकारी अध्यक्ष मंजूर अहमद अंसारी व राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य शफीक अंसारी, झामुमो विधायक जिग्गा सुसारन होरो, भूषण तिर्की, कांग्रेस नेता अनुपमा सिंह, लोहरदगा के नव निर्वाचित सांसद सुखदेव भगत शामिल है।

राज्य में 15 तक हीट वेव का रेड अलर्ट

रांची : राज्य में हीट वेव के कारण लोग बेहाल हैं। फिलहाल, इससे अभी राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने भी 15 जून तक हीट वेव का रेड अलर्ट जारी किया है। जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज को छोड़ सभी जिलों में तापमान 41 डिग्री से ऊपर है। इन जिलों के लिये 14 जून तक का अलर्ट जारी है। सबसे अधिक तापमान गढ़वा, सरायकेला और डाल्टेनगंज का 45 डिग्री दर्ज किया गया। रामगढ़, गिरिडीह, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम, बोकारो का तापमान 43 डिग्री तक दर्ज किया गया। लातेहार, चतरा, खूंटी, धनबाद का तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग, देवघर, रांची का तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया है। जामताड़ा, साहेबगंज, पाकुड़ का तापमान 39 से 36 डिग्री तक दर्ज किया गया। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार सुबह दस बजे के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि हीट वेव का सबसे अधिक प्रभाव पलामू, चतरा, गढ़वा, सरायकेला, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम जिलों में देखा जायेगा। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में पिछले दिनों लो प्रेशर बना था लेकिन ये काफी कमजोर निकला और बारिश लाने में इसकी भूमिका नहीं रही। ऐसे में 15 जून के पहले राज्यवासियों को गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है।

झारखण्ड सरकार

लू एवं गर्म हवाओं से बचाव

PR-326230 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25

गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव :

- शरीर में पानी की कमी
- उल्टी, तेज बुखार
- कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना
- हृदयाघात, मस्तिष्कघात
- कार्डियोवैस्कुलर जटिलता आदि लक्षण

ओ.आर.एस घोल बनाने की विधि एवं उपयोग

- साफ बर्तन में एक लीटर पानी (साधारण ग्लास से पाँच ग्लास) में ओ.आर.एस. का एक पूरा पैकेट घोल दें
- तैयार किए गए ओ.आर.एस. के घोल को कुछ-कुछ अंतराल पर चम्मच से देते रहें
- बनाए गए ओ.आर.एस. घोल को 24 घंटे के बाद उपयोग न करें

इनका नियमित सेवन करें :-

- नमक-चीनी का घोल
- छाछ
- नींबू-पानी
- आम का शर्बत
- लस्सी
- तरबूज
- खरबूजा
- खीरा
- ककड़ी

ओ.आर.एस. का पैकेट निकटतम सरकारी अस्पताल/ स्वास्थ्य उपकेन्द्र/ सहिया के पास निःशुल्क उपलब्ध है

- गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए ज्यादा पानी पीएं।
- घर से बाहर निकलें, तो खुद को कवर करके ही निकलें।
- लू लगे व्यक्ति को छाँव में लिटा दें, अगर उनके शरीर के कपड़े तंग हों तो उसे ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछें या ठंडे पानी से नहलाएं।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार न हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं।

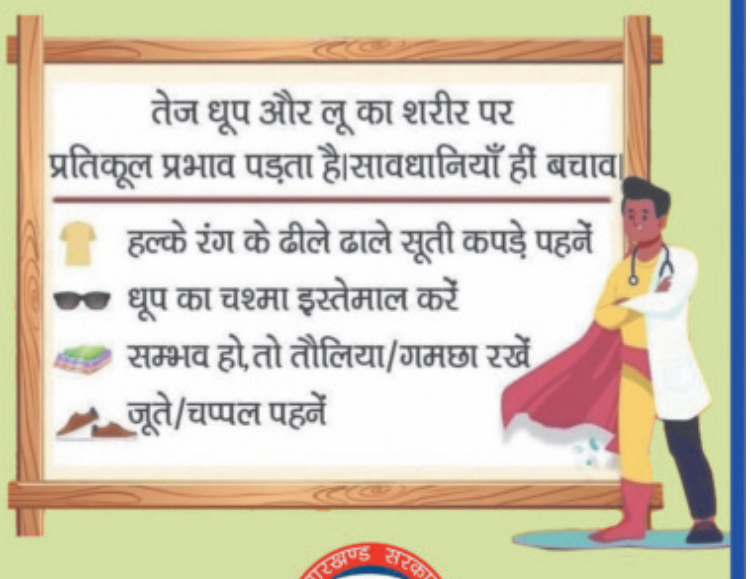

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड सरकार

National Program on Climate Change and Human Health (NPCCHH)

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी\ शिकायत हेतु 24/7 निःशुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 (टॉल फ्री) पर कॉल करें

एक नजर

नगर निगम के पार्किंग व्यवस्था की योजना से फुटपाथ दुकानदारों में दहशत

हजारीबाग: नगर निगम की ओर से हर चौक चौराहे पर पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है।इससे फुटपाथ दुकानदारों में भय का माहौल है। उनका कहना है कि जो पार्किंग का टेंडर लेते हैं वे फुटपाथ दुकानदारों से जबरन एक सौ से दो सौ रुपए प्रतिदिन जबरन वसूलते हैं, जिसके कारण फुटपाथ दुकानदारों को परिवार चलाना मुश्किल हो जाता है। फुटपाथ दुकानदार संघ ने इसकी सूचना सासंद, नगर आयुक्त, उपायुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी को देते हुए समस्या के समाधान की अपील की है।दुकानदार संघ के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि यदि हमारी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो विवश होकर उन्हे उग्र आंदोलन को बाध्य होना पड़ेगा।

ऋण जमा नही करने वालों पर होगी कार्रवाई : प्रबंधक

बरही : बैंक ऑफ इंडिया बरही शाखा ने अपने केसीसी एनपीए खाता धारकों के लिए कोनरा पंचायत भवन में ऋण वसूली सह समझौता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में बरही शाखा के विभिन्न पंचायत से दर्जनों एनपीए खाता धारक पहुंचे। जिन्हे ऋण वसूली से संबंधित जानकारी दी गई। शाखा प्रबंधक आकाश सिंह ने बताया कि शिविर में कुल 22 ग्राहकों के 12 लाख ऋण को मात्र 4 लाख रुपए में समझौता किया गया। समझौता के तहत 1 लाख 80 हजार रुपए की अदायगी हुई। कई ग्राहको को समझौता के बाद बुकिंग राशि जमा लेकर शेष राशि के लिए 30 दिन का समय दिया गया। शाखा प्रबंधक ने बताया कि सभी एनपीए खाता धारक एकमुश्त ऋण अदायगी योजना का लाभ उठाए। इस योजना के तहत अधिकतम छूट मिल रहे है। ऋण जमा नही करने वाले ग्राहकों के खिलाफ नियसंगत कारवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया के और बरही शाखा में 2808 केसीसी खाता एनपीए है। जिसके तहत करीब 19 करोड़ रुपए की राशि बकाया है। ऋण लेना अच्छी बात है पर उसकी अदायगी के लिए लोगो को सचेत और गंभीर होनी चाहिए।

अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर बड़कागांव, केरेडारी में 25 करोड़ की विकास योजनाओं की मिली स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड क्षेत्र में डीएमएफटी मद से लगभग 25 करोड़ की लागत से कई विकास योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। उक्त योजनाओं का स्वीकृति लोकसभा चुनाव से पूर्व ही विधायक अंबा प्रसाद के पहल पर हुई थी परंतु आचार संहिता लगने के कारण टेंडर प्रक्रिया नहीं हो पाई और आचार संहिता खत्म होते ही एजेंसियों के द्वारा निविदा जारी कर दी गई है। विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि अब विकास कार्य रफ्तार पकड़ेगी। ज्ञात हो कि पंचायतों में कोर कमेटी का गठन करके योजनाओं की सूची एकत्रित करने के बाद विधायक अंबा प्रसाद द्वारा गांव से आए प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान कराने का कार्य किया जा रहा है।

इन महत्वपूर्ण सड़कों, पुल व गार्डवाल का होगा निर्माण-

विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के सांढ़ पंचायत अंतर्गत दुफेड़वा आम बैजनाथ महतो के घर से धर्मेंद्र प्रसाद के घर होते हुए शमशान घाट तक एवं चैता महतो के घर से उत्क्रमित मध्य विद्यालय होते हुए मुख्य पथ जोधी महतो के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण लगभग तीन करोड़ की लागत से, गरसुल्ला पंचायत में उत्क्रमित मध्य विद्यालय से ग्राम बिहड़ के आंगनबाड़ी केंद्र तक पीसीसी पथ निर्माण लगभग एक करोड़ की लागत से, केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के बेलतू पंचायत अंतर्गत बाजारटांड़ से उर्दू स्कूल तक पीसीसी पथ लगभग 1 करोड़ 82 लाख की लागत से, वही ग्राम पंचायत केरेडारी में कुंजल साव के घर से कुर्मी बांध तक पीसीसी पथ निर्माण एक करोड़ 17 लाख की लागत से व केरेडारी पीडबलुडी रोड से सीएचसी जाने वाले रास्ते में तालाब तक पीसीसी पथ का निर्माण लगभग 34 लाख की लागत से होना है।इसके अलावा बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के सिरमा पंचायत के ग्राम पड़रिया में अजीमुद्दीन के घर से आंगनबाड़ी केंद्र तक गाडवाल का निर्माण लगभग दो करोड़ 34 लाख की लागत से, गरसुल्ला पंचायत में ग्राम चानों से लुरुंगा के बीच धोबनी नदी में पुल का निर्माण में लगभग एक करोड़ व गरसुल्ला पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ग्राम बिहड़ के आंगनबाड़ी केंद्र तक पथ निर्माण लगभग एक करोड़ की लागत से होगा जिसके लिए जिला परिषद व ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल द्वारा निविदा जारी किए गए हैं, टेंडर की प्रक्रिया 21 एवं 22 जून से शुरू होगी इसके बाद टेंडर प्रक्रिया को निष्पादित करते हुए कार्य को धरातल पर उतारा जाएगा। विधायक अंबा प्रसाद ने विगत दिनों घोषणा किया था कि बड़कागांव में स्थित राम जानकी मंदिर के समीप डीप बोरिंग करवाया जाएगा जिसके लिए स्वीकृति प्रदान हो गई है। इसके अलावा बड़का गांव काली मंदिर के समीप, कुशवाहा धर्मशाला गुरु चट्टी के सामने, बड़कागांव मुस्लिम मोहल्ला में सामुदायिक भवन के सामने, नयाटांड़ पंचायत के पिपराडीह भुईया टोली में व हरली पंचायत के में मटुकधारी महतो के घर के सामने डीप बोरिंग होगा।

स्वास्थ्य शिविर में 125 मरीजों को जांच के उपरांत दी गई दवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन हजारीबाग एनसीडी डॉक्टर एस के राजन ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वास्थ्य शिविर में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों ने अपनी जांच करवाई। 125 मरीज को जांच के उपरांत दवा दी गई जिसमें 25 मधुमेह बीमारी तथा 13 ब्लड प्रेशर से संबंधित मरीज पाए गए तथा दवा का वितरण किया गया। इस दौरान कई लोगों स्वस्थ नजर आ रहे लोगों ने भी अपनी जांच करवाई जिसमें कई लोगों की शुगर और ब्लड प्रेशर काफी हाई या लो देखा गया। डॉ एस के राजन ने कहा की 30 वर्ष से ऊपर के लोग नियमित रूप से हमेशा अपनी स्वास्थ्य की जांच करवाते रहें। तभी रोग बीमारी की पता चल पाएगा। कभी कभार काफी स्वस्थ नजर आ रहे लोग भी जांच के बाद गंभीर से ग्रसित नजर आते हैं। समय रहते रोग का इलाज अति आवश्यक है ताकि रोग जटिल नहीं बने । अबकी बार अगामी आने वाले दिनों में सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो और अपना इलाज कर सके। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से जिला नोडल पदाधिकारी कुमार रंजन ,बड़का गांव प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अविनाश कुमार, नंदलाल, प्रणव कुमार गौतम, राजकुमार, ओमप्रकाश पासवान,आरती कुमारी ,पुष्पा कुमारी,मोहम्मद इरफान, उपेंद्र कुमार के अलावा बड़का गांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कई कर्मी शामिल थे।

हर घर नल जल योजना में अनियमितता पर आक्रोश

- लाखों खर्च कर भी लोगों को नहीं मिल रहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : हर घर नल-जल योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व अनियमितता का मामला प्रकाश में आया है। ताजा मामला पदमा प्रखण्ड के महकोल व बिहारी ग्राम का है। स्थानीय लोगों ने पदमा प्रमुख वीणा देवी को फोन कर नल जल योजना की स्थिति की जानकारी दी, उन्होंने तुरंत उक्त स्थल पर पहुँचकर जायजा लिया तत्पश्चात सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को फोन कर क्लास ली, प्रमुख ने कहा है कि काम में सुधार लायें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें, साथ ही कहा की नल जल योजना केंद्र सरकार की सबसे बड़ी योजना है, योजना पर आम जनता का अधिकार है, काम अच्छा होगा, तो लोगों को सालों शुद्ध पानी मिलेगा, परंतु अगर घटिया काम होगा तो महीने व दो महीने में योजना डेड पड़

जायेगी, इसलिए गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। ग्रामीणों का शिकायत है की पाइप भी सही से नहीं बिछाया गया है। ग्रामीणों ने बोरिंग में मानक से कम गुणवत्ता की केसिंग पाइप लगाने व निर्धारित गहराई तक केसिंग नहीं लगाने का आरोप लगाया। कहीं तीन इंच तो कहीं मात्र छह इंच गड्ढा खोदकर बिछाया गया है और जैसे तैसे घटिया मशाला से लीपापोती कर दिया गया है। सब कुछ आईने में देखने जैसा दिख रहा है। नल-जल योजना के जिस संवेदक को जहां मौका मिला वही लाखों-की लूट कर ली, बढ़ियाँ क्वालिटी की कुछ पाइप को मिट्टी के नीचे दबाया।

पुलिस ने पशु लदा पिकअप और बालू लदे 3 ट्रैक्टर को किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पशु लदा एक पिकअप जब्त किया है। पिकअप नवादा की तरफ से क्रूरतापूर्वक पशु लाद कर तस्करी करने के लिए भगहर भण्डार के रास्ते चौपारण होते हुए बंगाल ले जाया जा रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि जैसे ही कठम्बा मोड़ के पास पहुंचा कि उक्त पिकअप आते हुए दिखाई दिया। जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से रुकने का इशारा किया। चालक अपनी गाडी को कठम्बा मोड़ के पास रोककर गाड़ी से उतरकर जंगल की ओर भाग गया। पिकअप की तलाशी के क्रम में चार गाय एवं तीन गाय का बच्चा, जिसमें से दो गाय का बच्चा मृत पाया गया। इस सम्बंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। वही दूसरा मामला चौपारण पुलिस ने बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त किया है। मालूम हो कि प्रखंड सहित पूरे झारखंड मे एनजीटी हर वर्ष 10 जून से 15 अक्टूबर तक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत बालू का उठाव पर पूर्णतः प्रतिबंध लग जाता है। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने सोमवार को बालू लदे ट्रैक्टर को धर दबोचा। उन्होंने बताया कि बालू लदे तीन ट्रैक्टर पकड़ा गया। जिसे थाना मे खड़ा कर दिया गया है। इस सम्बंध में जिला खनन पदाधिकारी को अवगत करा दिया गया है। आगे की कार्रवाई उनके आदेशानुसार होगा।

खनन परियोजना से प्रभावित महिलाओं को विशेष ट्रेनिंग के लिए भेजा कोयंबटूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : महिला सशक्तिकरण को मजबूती से बढ़ावा देने के उद्देश्य से, त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने पकरी बरवाडीह खनन परियोजना से प्रभावित तीन महिलाओं को इलेक्ट्रिकल ड्रिलिंग ऑपरेशन की ट्रेनिंग के लिए तमिलनाडु के कोयंबटूर भेजा गया है। परियोजना प्रभावित महिलाओं में सोनबरसा की पम्मी देवी, डाड़ीकला की रुक्मणि देवी और आकृति सिंह को इस विशेष ट्रेनिंग के लिए चुना गया था। उक्त कार्य के लिए महिलाओं ने प्रबंधन का धन्यवाद करते हुए इस अवसर को अपने लिए सौभाग्य की बात बताया। यह पहल महिलाओं को खनन और तकनीकी क्षेत्र में प्रोत्साहित और आत्मनिर्भर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस ट्रेनिंग से महिलाओं को विशेष कौशल और तकनीकी ज्ञान मिलेगा, जिससे वे खनन

क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेंगी ट्रेनिंग के दौरान महिलाओं को इलेक्ट्रिकल ड्रिलिंग ऑपरेशन से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी दी जाएगी, जिसमें सुरक्षा उपाय, उपकरणों का संचालन और उसका सफल प्रबंधन शामिल हैं। इस प्रकार की ट्रेनिंग से महिलाओं को नए और चुनौतीपूर्ण कार्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने में मदद मिलेगी। टीएसएमपीएल के डायरेक्टर ऑपरेशन संजय कुमार खटोड़ ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह की तकनीकी ट्रेनिंग महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह ट्रेनिंग महिलाओं को अपने भविष्य के बेहतर निर्माण में प्रवेश का अवसर प्रदान करेगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और भी मजबूत होगी। खनन जैसे पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाकर लैंगिक समानता को बराबर करने के क्षेत्र में यह एक अहम कदम साबित होगा।

सांसद मनीष जायसवाल ने शुरू किया धन्यवाद यात्रा, मतदाताओं का जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से पहली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता ने प्रचंड जनादेश देकर सांसद बनाया। 04 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम घोषित होने के बाद हजारीबाग शहर में विराट विजय जुलूस निकाला गया। जिसके बाद 06 जून को दिल्ली से बुलावा आने पर सांसद बनकर पहली बार दिल्ली के लिए रवाना हुए। जहां वे मोदी सरकार 3.0 के सपथ ग्रहण समारोह में रविवार को शामिल होकर सोमवार को ही कार्यक्षेत्र में लौट गए। मंगलवार को दिनभर

कार्यालय परिसर में लोगों की समस्याओं से अवगत हुए और बुधवार से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना के साथ धन्यवाद यात्रा की शुरूआत बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के केरेडारी प्रखंड से किया । आभार यात्रा के शुरूआत से पूर्व मां अष्टभुजी मंदिर और पेटो माता स्थान में किया पूजा-अर्चना, क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित भाजपा सांसद मनीष जायसवाल ने क्षेत्र में आभार यात्रा शुरू करने से पूर्व केरेडारी प्रखंड के कंडाबेर स्थित मां अष्टभुजी मंदिर और ग्राम पंचायत पेटो स्थित बुढ़िया माता के दरबार पंहुचे और दोनों मंदिरों में विशेष पूजा- अर्चना कर माता रानी से क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। ज्ञात हो की सांसद मनीष जायसवाल ने चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान भी मां अष्टभुजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना किया था । केरेडारी और बड़कागांव में कई जगह हुआ अभूतपूर्व स्वागत, सांसद मनीष जायसवाल ने जताया आभार हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के नव निर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल का बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के केरेडारी और बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के कई जगहों पर जोरदार स्वागत हुआ। केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के कंडाबेर, पेटो और केरेडारी चौक पर मनीष जायसवाल का स्थानीय लोगों ने फूल माला पहनाकर और अंग-वस्त्र भेंटकर भव्य स्वागत किया। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के लंगातु, विश्रामपुर, हरली, बादम में भी उनका शानदार स्वागत स्थानीय लोगों ने गाजे-बाजे के साथ किया । पिपरवार मंडल में आरती की थाल, मांदर पर थाप के साथ सांसद मनीष जायसवाल जिंदाबाद का खूब गूंजा नारा भीषण गर्मी और प्रचंड धूप के बावजूद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल क्षेत्र में जनता के बीच अपने जीत के बाद धन्यवाद यात्रा को लेकर आभार जताने निकले हैं। इस कड़ी में जब हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत चतरा जिले के टंडवा प्रखंड स्थित पिपरवार भाजपा मंडल में उनका पदार्पण हुआ तो यहां फूलों से सजी आरती की थाल के संग महिलाओं ने तिलक- चंदन लगाकर स्वागत किया तो मांदर की थाप पर लोग झूम रहें थे।

संक्षिप्त खबरें

पानी मोटर चोरी के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

बड़कागांव : पानी मोटर चोरी के मामले को लेकर बड़कागाँव नटराज नगर निवासी इंद्रनाथ महतो पिता स्व. चितू महतो के द्वारा बड़कागाँव थाने में आवेदन दिया था। मामले को लेकर बड़कागाँव थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि तत्वरित कार्रवाई करते हुए बड़कागांव थाना कांड संख्या 251/24 के तहत मामला दर्ज किया गया।वही उक्त कांड संख्या पर तत्वारित कार्रवाई करते हुए अरमान अंसारी पिता ग्राम छवनिया निवासी एवं दूसरा अर्जुन महतो उर्फ देव महतो पिता स्व. विनोद महतो नटराज नगर बड़कागांव निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।वहीं मामले को लेकर भुगक्त भोगी ने बताया कि मैं इंद्रनाथ महतो , बुद्धि नाथ महतो एवं खूनी महतो हम तीनों लोग 10 जुन को हुरलंगबागी के नदी में अपने - अपने मोटर पंप को लगाकर खेत में लगे फसलों की सिंचाई कर रहे थे। रात लगभग 10 :00 बजे खाना खाने के लिए घर आ गए। जब खाना खाकर वापस मशीन के पास पहुंचे तो तीनों किसान का मशीन उक्त स्थान पर नहीं था।आस-पास खोजबीन किया पर नहीं मिला।वही 11 जून को लगभग 3 :00 बजे बोरा में बंद कर दो लड़का सूर्य मंदिर की ओर लेकर जा रहा थे। ग्रामीणों को शंक हुआ और जांच किया तो पाया कि पानी मोटर पंप है। हल्ला होने पर हम लोग भी पहुंचे और देखा तो उक्त मशीन हम लोगों का था। मौके पर एक चोर को पकड़ा गया। पर एक चोर भागने में सफल रहा। इसकी सूचना हम लोगों ने बड़कागांव पुलिस को दिया और बड़कागांव पुलिस के द्वारा कार्रवाई करते हुए दोनों चोर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। आगे थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि चोरी करते पकड़े जाते हैं तो किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा निश्चित तौर पर केस कर उसे जेल भेजा जाएगा।

पिछले साल की तुलना में रथयात्रा और भी ऐतिहासिक होगी : डॉ केशवानंद प्रभु

चौपारण : श्री जगन्नाथ रथयात्रा महामहोत्सव को लेकर सियरकोनी बैधनाथ नगर प्रांगण में स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में वृहद धर्मसभा सह बैठक इस्कान के धर्म गुरु तथा भक्ति वेदांत शिक्षालय के संस्थापक डॉ केशवानंद प्रभु की अध्यक्षता में हुई। धर्मसभा में बरही, पदमा, इटखोरी, चौपारण, मयुरहंड से लगभग पांच सौ प्रबुद्ध जनों ने हिस्सा लिया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ केशवानंद प्रभु ने जगन्नाथ रथयात्रा की महता बताते हुए इसके इतिहास पर भी चर्चा की। कहा कि रथयात्रा में भगवान के रथ खींचने मात्र से ही जन्म जन्मांतर के बंधन से मुक्ति मिल जाती है। बताया कि रथ जीवन का प्रतीक है। हर लोग जीवन की यात्रा कर रहे हैं। इससे हर प्राणी को अपने कर्मों से मुक्ति मिलती है। बताया कि चौपारण की यह रथयात्रा एतिहासिक होगी। धर्मसभा में क्षेत्र में गो तस्करी, नशाखोरी पर विशेष चिंता जताई गई। विशेषकर पांच दिवसीय महोत्सव में नशा के खिलाफ विशेष शिविर लगाने की भी चर्चा हुई जिसमें चिकित्सकों की टीम युवाओं को नशा से बचने का उपाय तथा ईलाज करेंगे। धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि डॉ केशवानंद प्रभु तथा इनकी पूरी टीम क्षेत्र में सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए कडी मेहनत कर रहे हैं। गांव गांव घुमकर लोगों को भक्ति का मार्ग बता रहे हैं। रथयात्रा के माध्यम से लोगों को एकजुट कर अध्यात्म की शक्ति का भान करा रहे हैं। इस साल का रथयात्रा विशेष होगा। उन्होंने श्री जगन्नाथ मंदिर स्थापना के लिए भुमिदान करने वाले रामप्रवेश सिंह, संजय सिंह, मुखिया बिनोद सिंह तथा इनके अन्य भाईयों के प्रति आभार जताया तथा कहा कि आनेवाले इतिहास में रथयात्रा से जुड़े लोगों को याद रखा जाएगा। हर साल यह आयोजन बडा रुप लेता जायेगा। प्रमुख आयोजक संजय सिंह तथा अभिषेक सिंह ने पूरे आयोजन की रुप रेखा प्रस्तुत किया। कहा कि पिछले साल से अधिक भव्यता के साथ इस रथयात्रा का आयोजन होगा। इसके लिए सभी लोग मिलकर प्रयास करेंगे।

सेवा सहयोग समिति ने कटकमदाग प्रखंड में स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग स्थित शिव मंदिर पुराना प्रखंड में सेवा सहयोग समिति के द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया पहले चरण में कटकमदाग के विभिन्न पंचायत में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा यह आयोजन 12 जून से प्रारंभ होकर 30 जून तक निरंतर कटकमदाग के विभिन्न पंचायत में लगाया जाएगा दूसरे चरण,तीसरे चरण एवं चौथे चरण में सदर विधानसभा क्षेत्र के अन्य प्रखंडों में आयोजित किया जाएगा। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ सेवा सहयोग समिति के अध्यक्ष व युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने विधिवत रूप से किया शिविर के माध्यम से कई ग्रामीणों ने इसका लाभ लिया शिविर में मुख्य रूप से सुप्रसिद्ध चिकित्सक जनरल फिजिशियन एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ मौजूद रहे शिविर के दौरान मरीज को निशुल्क दवाई उपलब्धि कराई गई, साथ ही ब्लड बीपी शुगर,पल्स एवं वजन निशुल्क जांच किया गया शिविर सुबह 9 :00 बजे से दोपहर करीब 3 :00 बजे तक निरंतर रूप से चलते रहा। इस शिविर में करीब 600 से भी अधिक लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा कर जांच करवाया, शिविर के उद्घाटन समारोह में पंचायत के प्रमुख गण मौजूद रहे सभी को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। सेवा सहयोग समिति के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा का लक्ष्य है समाज में शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार से संपूर्ण विकास करना। स्वास्थ्य शिविर हजारीबाग के आरोग्यम अस्पताल के विशेष सहयोग से लगाया गया था। शिविर के दौरान युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा के द्वारा ग्रामीण बच्चों एवं शिविर में पहुंचे सभी लोगों के बीच बिस्कुट का वितरण किया। मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि ऐसी सुविधा काफी सराहनीय है हम लोगों को काफी मदद मिल रही है मुफ्त में दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई हम विशेष रूप से धन्यवाद देते हैं यह शिविर लगाने वाले हर्ष अजमेरा एवं उनकी पूरी टीम को जिनके बदौलत आज हम अपना स्वास्थ्य जांच कर सके हैं नहीं तो अपने घर से शहर जाने में ही करीब 50 रू का खर्चा हो जायेगा, और जांच करने में अलग पैसा लगेगा यहां पर हम लोगों को निशुल्क जांच भी हुआ और दवाइयां भी मिली। मौके पर युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर के पहले चरण में कटकमदाग के विभिन्न पंचायत में आयोजित किया जा रहा है जिसकी शुरूआत बुधवार को की गई शिविर में करीब 600 से भी अधिक लोगों ने अपना जांच करवाया, मरीज के बीच निशुल्क दवाई का वितरण किया गया, दूसरे चरण, तीसरे चरण एवं चौथे चरण में सदर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड के पंचायत में आयोजित किया जाएगा ताकि स्वास्थ्य शिविर का सभी कोई लाभ ले सके सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता का ध्यान रखना मेरा कर्तव्य है।

एक नजर

हाई कोर्ट के नये भवन के एक वर्ष पूरे होने पर हुआ कार्यक्रम

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन में बुधवार को कामकाज शुरू हुए एक वर्ष पूरा हो गया। कामकाज शुरू होने के पहले वर्षगांठ पर हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस समेत अन्य जस्टिस और बार एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए। पिछले वर्ष 24 मई को नए भवन का उद्घाटन हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड हाई कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की मौजूदगी में हाई कोर्ट के नए भवन का उद्घाटन किया था। इसके बाद हाई कोर्ट का नया भवन राज्य को समर्पित कर दिया गया था। इसके बाद गर्मी छुटियां खत्म होने पर 12 जून को न्यायिक कार्य शुरू हुए थे।

किशोरों में हेल्थ अवेयरनेस कम : आरएन शर्मा

रांची : स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के कोषांग प्रभारी डॉ. आरएन शर्मा ने कहा कि शहरी क्षेत्र के बच्चे-किशोर स्वास्थ्य के मामले में माता-पिता के निकट होते हैं लेकिन ग्रामीण और गरीब परिवेश वाले बच्चों और किशोरों में स्वास्थ्य वार्ता का विषय नहीं है। इसलिए राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएच) में बुधवार को युवा मैत्री केन्द्र के लिए एएनएम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा और अंतिम दिन था। इसमें राज्य के सभी जिलों से आए 36 एएनएम को किशोर स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। शर्मा ने बताया कि पोषण, सेक्सुअल रीप्रोडक्टिव हेल्थ (प्रजनन संबंधित समस्या), नशे का दुष्प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक हिंसा और लैंगिक असमानता से संबंधित जानकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। देश की कुल आबादी का 22 प्रतिशत जनसंख्या 10 से 19 आयु वर्ग की है, जिसमें 10 से 14 आयु वर्ग में 12 प्रतिशत और 15 से 19 आयु वर्ग में 10 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि एक बड़ी आबादी की समस्याओं का निराकरण राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हम कर पाते हैं। शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि युवा मैत्री केन्द्र में आने वाले किशोर-किशोरियों का आत्मविश्वास बढ़ायें। उनकी समस्या सुनकर निदान के बारे में भी बतायें। मैत्री केन्द्र में किशोर-किशोरियां माहवारी से आने वाली परेशानियों और हार्मोनल इम्बैलेंस के कारण किशोर ब्रेस्ट ग्रोथ से संबंधित शिकायतें लेकर आती हैं। इन समस्याओं से घबराने की जरूरत नहीं है। मैत्री केन्द्रों में पूरी गोपनीयता के साथ उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है।

पत्नी के साथ अवैध संबंध में साढ़ू की गोली मारकर की थी हत्या, गिरफ्तार

रांची : राजधानी की राहे थाना पुलिस ने अर्जुन महतो हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी समीर कोईरी को पश्चिम बंगाल के झालदा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक लोडेड देशी कट्टा, एक गोली, एक खोखा, चाकू और घटना में इस्तेमाल किया गया बाइक बरामद हुआ है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि अर्जुन महतो और आरोपित समीर कोईरी दोनों रिश्ते में साढ़ू थे। आरोपी की पत्नी तीन बहनों में सबसे छोटी थी।

रांची के टाना भगत इंडोर स्टेडियम में निपुण भारत समागम चार से छह जुलाई तक

मुख्यमंत्री करेंगे राज्यस्तरीय निपुण भारत समागम का उद्घाटन, देश-विदेश के विशेषज्ञ होंगे शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : निपुण भारत मिशन कार्यक्रम के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चार से छह जुलाई तक राज्यस्तरीय निपुण भारत समागम का आयोजन होगा। इसमें राज्य के सभी जिलों के 2400 शिक्षक टीएलएम की प्रदर्शनी लगाएंगे। साथ ही 20 स्वयंसेवी संगठन प्रदर्श सामग्री प्रस्तुत करेंगे। समागम का उदघाटन मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन करेंगे। समागम में देश-विदेश के प्रख्यात विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

इस प्रदर्शनी में आठ अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ राज्य सरकार के अन्य विभागों को भी प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया जाएगा। निपुण भारत समागम में 8,000 से अधिक विद्यार्थियों को समागम भ्रमण कराया जायेगा। राज्यस्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिले को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस समागम का मुख्य उद्देश्य राज्य में बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता के प्रति शिक्षकों एवं समुदाय को जागरूक करते हुए राज्य के सभी कक्षा एक से पांच के विद्यार्थियों को निपुण बनाना है।

24-25 जून को जिलास्तरीय टीएलएम मेला

निपुण भारत समागम से पहले राज्य के सभी जिलों में 24-25 जून (सुविधानुसार किसी एक दिन) को टीएलएम मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रत्येक प्रखंड के तीन सदस्य टीम शामिल होगी। मेले का उदघाटन जिले के उपायुक्तों द्वारा किया जाएगा। इस मेले में शिक्षकों द्वारा जिलास्तरीय कार्यशाला में बनाये गए सभी टीएलएम के साथ जिले के सभी प्रखंडों में एफएलएन को लेकर किये जा रहे कार्यो का प्रदर्शन किया जायेगा। जिलास्तरीय प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रखंड को पुरस्कृत किया जायेगा। मेले को बाल केंद्रित बनाने के लिए पोस्टर्स, बैनर्स, सेल्फी पॉइंट, गेम्स आदि की व्यवस्था भी की जाएगी।

समागम से पहले सोशल मीडिया महा अभियान

राज्यस्तरीय निपुण भारत समागम से पहले दो जुलाई को सोशल मीडिया महा अभियान चलाया जाएगा। दो जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न दो बजे तक सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर #मेरा विद्यालय निपुण और #निपुण समागम झारखंड हैशटैग पर फोटो वीडियो आदि शेयर कर इस महा अभियान की सफलता सुनिश्चित की जाएगी। इस महा अभियान में राज्य के सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिक्षक, बीआरपी, सीआरपी सदस्य शामिल होंगे। सोशल मीडिया पर किये गए पोस्ट में @jepcjharkhand और @EduMinOfIndia को टैग करना अनिवार्य होगा।

निपुण भारत समागम को लेकर समीक्षा बैठक

समागम की तैयारियों की समीक्षा के लिए झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बुधवार को वर्चुअल बैठक की। इसमें राज्य के सभी डीईओ-डीएसई शामिल हुए। बैठक में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों के साथ जिलास्तरीय कार्यशाला, टीएलएम मेले के सफल संचालन और समागम की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक ने जिला शिक्षा पदाधिकारियों को आयोजन के लिए टास्क भी दिए। बैठक में झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी अभिनव कुमार, आईपीईएल, एफएलएन-पीएमयू की स्टेट लीडर पारोमिता मजूमदार एवं लीप फॉर वर्ड संस्था के प्रतिनिधि के रूप में मुकेश कुमार उपस्थित थे।

रांची के सांसद ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ से औपचारिक मुलाकात की।

ब्राउन शुगर के छह सौदागर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची पुलिस और लखनऊ आर्मी इंटेलीजेंस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते चार महिलाओं सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11.27 ग्राम ब्राऊन शुगर, 90 हजार रुपये, छह मोबाइल, एल्यूमिनियम फॉयल का एक रोल, तीन एटीएम कार्ड और एक आधार कार्ड बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रांची के गोंदा थाना निवासी आरती देवी, शुगन देवी, मुंबई के शांताक्रुज निवासी नीतु नन्द किशोर, नन्द किशोर मिस्त्री, रांची के लालपुर थाना निवासी पृथ्वी कुमार और लोहरदगा के कुडू थाना निवासी प्रियंका कुमारी शामिल हैं।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बारियातू क्षेत्र के रामेश्वरम लेन के पास कुछ लोगों के जरिये ब्राऊन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के बाद सदर डीएसपीसंजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेन्स की ईकाई के साथ उस स्थान का घेराबंदी कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कमरे में मौजूद सभी छह लोग, जिसमें चार महिला और दो पुरुष ब्राऊन शुगर के पाउडर को एल्यूमिनियम फॉयल में लपेट कर छोटी-छोटी पुड़िया बना रहे थे। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी ने बताया कि छापेमारी टीम में बरियातू थाना प्रभारी सुरेश मंडल, भानु कुमार भारती, लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेन्स की ईकाई, रेणुका टुडू, सुषमा कुमारी, शिवानी कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

विहिप ने वैष्णो देवी जा रही बस पर आतंकी हमले को बताया कायराना कृत्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे ने बताया कि जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी कटरा से शिव खोडी जाते समय नौ जून को हिन्दू श्रद्धालुओं की बस पर क्रूर पाकिस्तान पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों का कायराना हमला किया। इसमें 10 निर्दोष हिन्दू तीर्थयात्री मारे गए, संपूर्ण देशवासियों को स्तब्ध करने वाली घटना है। परांडे बुधवार को रांची एयरपोर्ट रोड स्थित एक होटल में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस घटना से पूरा देश आहत है और तीव्र आक्रोश में है। जम्मू काश्मीर लंबे समय से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का दंश झेल रहा है, धारा 370 हटने के बाद एक आशा की ज्योति जगी है, लेकिन लगता है उग्रवादियों का मनोबल अभी कम नहीं हुआ है, हिंदुओं को चिन्हित करके उनकी हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। इन सब के पीछे स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हाथ है।

उन्होंने कहा कि देश के नई सरकार के शपथ के समय इस प्रकार का दुस्साहसिक कृत्य करके इस्लामी आतंकवादियों ने देश के संप्रभुता को चुनौती दी है। सप्तग्रहण के दिन हमला होना और तीन दिन में दो घटना होना निंदनीय हैं। बजरंग दल मारे गए हिन्दू तीर्थयात्रियों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। परंतु इस कायराना कृत्य की तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए, इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए निर्णायक और कठोर कदम उठाने का केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग करता है। इस संदर्भ में सभी ज़िला आयुक्त को पत्र दिया जा रहा, जिसके मध्यम से राष्ट्रपति से आग्रह किया जाएगा तथा इस प्रकार के तत्वों को सरंक्षण देने वाले आंतरिक और विदेशी तत्वों का भी कठोरता से समुचित इलाज हो। ऐसा केन्द्र सरकार से सुनिश्चित कराने का आग्रह करें। प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत प्रचार प्रसार सहप्रमुख प्रकाश रंजन, प्रांत सदस्य अमरनाथ ठाकुर उपस्थित थे।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आईएचएम और पलाश-जेएसएलपीएस के बीच हुआ एमओयू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में खाद्य सेवा में सखी मंडलों की ग्रामीण महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आईएचएम रांची, पलाश और जेएसएलपीसी के बीच बुधवार को एमओयू हुआ। एमओयू पर हस्ताक्षर आईएचएम के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार और राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव अवध नारायण प्रसाद ने किया। एमओयू के तहत आईएचएम रांची ग्रामीण महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी सेवा उपलब्ध कराएगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय कलस्टर विकास परियोजना के तहत पलाश आजीविका दीदी कैफे खाद्य खुदरा श्रृंखला और खानपान सेवाओं के क्रियान्वयन लिए यह एमओयू किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राज्य के लिए अनुमोदित क्षेत्रीय क्लस्टर विकास परियोजना के तहत पलाश आजीविका दीदी कैफे खाद्य खुदरा श्रृंखला और खानपान सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए पलाश-झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), ग्रामीण विकास विभाग, जीओजे द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रीशन (आईएचएम) के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामले विभाग के अंतर्गत (आईएचएम)-रांची के तहत एक स्वायत्त संस्थान है, जो खाद्य सेवा में सखी मंडलों की ग्रामीण महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी सेवा एजेंसी (टीएसए) के रूप में देगा।

हाई कोर्ट में ईडी ने कहा, छापेमारी में मिले सबूतों का हेमंत सोरेन से जुड़ाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में भूमि घोटाले के आरोपित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। ईडी ने बहस के दौरान कहा कि हेमंत सोरेन का जुड़ाव उन सबूतों से है, जो ईडी की अलग-अलग छापेमारी में मिले हैं। ईडी की बहस सुनने के बाद अदालत ने हेमंत सोरेन के अधिवक्ता को लिखित बहस जमा करने का निर्देश दिया। ईडी की बहस गुरुवार को भी होगी।

कोर्ट में ईडी ने कहा कि बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानू प्रताप के ठिकाने से दस्तावेजों से भरा हुआ जो ट्रंक बरामद हुआ था, उसमें कई ऐसे कागजात मिले थे, जो भूमि घोटाला से ही संबंधित थे। विनोद सिंह के मोबाइल से जो चैट और नक्शा बरामद हुआ था, उसके मुताबिक 8.86 एकड़ भूमि पर बैंकवेट हॉल बनाये जाने की तैयारी थी। हेलेरियस कच्छप को इस भूमि की देखरेख के लिए हेमंत सोरेन ने रखा था। भूमि पर हेमंत सोरेन का कब्जा था।

तत्कालीन सीओ मनोज कुमार ने अपने बयान में कहा था कि

अभिषेक प्रसाद पिंटू और सीएमओ में कार्यरत उदय शंकर के कहने पर उन्होंने हल्का कर्मी भानू प्रताप को इस भूमि का सर्वे करने का निर्देश दिया था। अभिषेक प्रसाद ने अपने बयान में कहा है कि उन्होंने उक्त भूमि को लेकर जो भी निर्देश दिए वह हेमंत सोरेन के कहने पर ही दिए। बचाव पक्ष ने सबूतों पर जो सवाल खड़े किए हैं, वो पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। क्योंकि, राज्य सरकार के कर्मचारियों की मौजूदगी में सभी सबूतों को सील किया गया है और जब्ती सूची पर सबके हस्ताक्षर हैं। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट में हेमंत सोरेन के पक्ष में वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा, हाई कोर्ट के अधिवक्ता पीयूष चित्रेश और प्रदीप चंद्रा मौजूद रहे। ईडी के पक्ष में वरीय अधिवक्ता एसवी राजू ने बहस की। हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत हेमंत सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बहस की थी, जिसके बाद बुधवार को ईडी की ओर से बहस की गई।

हेमंत सोरेन को इस मामले में 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया गया था। इसी केस में अफसर अली, जेएमएम नेता अंतू तिर्की, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह और इरशाद समेत अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से झारखंड पैरालम्पिक एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से बुधवार को बूटी रोड, मोरहाबादी रांची स्थित आवास में पैरालम्पिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 13 से 19 जून तक आयोजित होने वाले भारत और थाईलैंड के बीच दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पारा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में राज्य के नौ पैरालम्पिक खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में हुआ है। मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को राज्य सरकार की ओर से राज्य के चयनित खिलाड़ियों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी।

रांची से गुजरने वाली कुछ ट्रेनें जून में की गयी रद

रांची : दक्षिण मध्य रेलवे में रोलिंग कॉरिडॉर ब्लॉक की वजह से रांची रेल मंडल से होकर परिचालित कई ट्रेनें रद रहेंगी। इनमें, ट्रेन संख्या 06065 ताम्बरम धनबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) यात्रा प्रारंभ 16 जून से अगले आदेश तक रद रहेगी। ट्रेन संख्या 06066 धनबाद तांबरम साप्ताहिक स्पेशल 19 जून से अगले आदेश तक रद रहेगी। ट्रेन संख्या 06059 कोयंबतूर बरौनी स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) यात्रा 18 जून से अगले आदेश तक रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 06060 बरौनी - कोयंबत्तूर स्पेशल स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) यात्रा 21 से अगले आदेश तक रद रहेगी। ट्रेन संख्या 06061 तांबरम बरौनी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) 20 जून से अगले आदेश तक रद रहेगी। ट्रेन संख्या 06062 बरौनी तांबरम साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (वाया - रांची) 22 जून से अगले आदेश तक रद रहेगी।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के दोषी सद्दाम को सात साल की सजा

रांची : अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की कोर्ट ने बुधवार को पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दोषी पति मोहम्मद सद्दाम को सात साल की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ने की राशि नहीं देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। मामले में अदालत ने एक आरोपित मोहम्मद असलम को पूर्व में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। उल्लेखनीय है कि यह मामला अनगड़ा थाना क्षेत्र से जुड़ा है। बताया जाता है कि मो. सद्दाम की पत्नी ने वर्ष 2018 में आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मोहम्मद सद्दाम पर पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। इसे लेकर अनगड़ा थाना में कांड संख्या 22/2018 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

विधायक भूषण तिर्की सहित छह आरोपियों के खिलाफ आरोप गठन एक जुलाई को

रांची : रांची के एमएपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत में गुमला विधायक भूषण तिर्की सहित छह आरोपितों से जुड़े मामले में बुधवार को सुनवाई हुई। इनके आरोप गठन पर अदालत अब एक जुलाई को सुनवाई करेगा। मामले में भूषण तिर्की, फ्लोरा मिंज, शीला टोप्पो, शांति मारग्रेट बाड़ा, पुष्पा किस्पोट्टा और रंजीत सरदार के खिलाफ आरोप गठन होना है। मामले में सहायक लोक अभियोजक सिद्धार्थ सिंह ने अभियोजन की ओर से पक्ष रखा। पूर्व में विधायक भुषण तिर्की ने इस मामले में डिस्चार्ज याचिका भी दाखिल की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। मामले में गुमला थाने में दो दिसंबर, 2016 को कांड संख्या 421/2016 दर्ज की गयी थी। इसमें गैरकानूनी मजमा लगाकर सड़क पर जाम लगाने के साथ सरकारी कामकाज में बाधा डालने का आरोप है। इसे लेकर गुमला के तत्कालीन बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी ने प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

नीट यूजी परीक्षा मामले मे प्रधानमंत्री को चुप्पी तोड़नी चाहिए : विजय शंकर नायक

रांची : बुधवार को संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव ने देशभर में छात्रों द्वारा किए जा रहे आंदोलन के समर्थन में कहा कि छात्रों द्वारा नीत यूजी परीक्षा को रद्द करने के लिए जो आंदोलन चलाया जा रहा है अब उसे विराम देने की आवश्यकता है और यह विराम तभी हो सकता है जब देश के प्रधानमंत्री इस संदर्भ में अपनी चुप्पी तोड़ेंगे। श्री नायक में आगे कहा कि एक सेंटर विशेष पर एग्जाम दे रहे 67 स्टूडेंट्स को फुल मार्क्स 720 तक दिया जाना संदेह के घेरे मे हैं। नीट परीक्षा 5 मई को हुई और तभी से कई शिकायतें सामने आई और यहां तक की पेपर लीक की बातें कही गईं। इन्होने यह भी कहा कि रिजल्ट आने के बाद से ही कई दिनों से छात्र देश के कोनों-कोनों में प्रदर्शन कर रहे हैं और दोबारा परीक्षा की मांग की जा रही है तथा परीक्षा के रिजल्ट में धांधली की जांच की भी मांग की जा रही है। श्री नायक ने आगे कहा की जिस तरह एनटीए ने मनमाने तरीके से ग्रेस मार्क दिया है वह जांच का विषय है। नीट यूजी परीक्षा का आयोजन 5 मई को देशभर के 571 और विदेश के 14 शहरों में किया गया था। वहीं, इस परीक्षा का रिजल्ट निर्धारित समय से 10 दिन पहले यानी 14 जून की जगह 4 जून को जारी किया गया। इस वर्ष नीट यूजी में रिकॉर्ड 67 उम्मीदवारों ने AIR-1 हासिल की है, जिसमें से 6 उम्मीदवार हरियाणा के एक ही केंद्र से हैं यह भी जांच का विषय है। इन्होने यह भी कहा की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है, इसलिए एनटीए को जवाब देने की जरूरत है। एनटीए 2016 से नीट का आयोजन कर रहा है। इस साल 2024 की नीट परीक्षा 5 मई को 24 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी। करीब 1500 छात्रों को बढ़ा-चढ़ाकर दिए गए अंक, ग्रेस मार्क्स के आवंटन और नतीजे घोषित होने के बाद अनियमितताओं को लेकर विवाद हुआ है और देशभर में छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ अब समय है छात्रो की बात को सुनकर प्रधानमंत्री इस विवाद को अब पटाक्षेप कर समाप्त करे।

एक नजर

तीस वर्षीय अधेड़ की संदेहास्पद मौत

बोकारो : डीवीसी बोकारो थर्मल सब्जी मार्केट के समीप एक 30 वर्षीय अधेड़ का शव पाये जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। उसकी मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। बताया जाता है कि मृतक आदिवासी युवक पंडरा मांझी बोकारो जिला के हद में नावाडीह प्रखंड ऊपर घाट के नारायणपुर पंचायत गडरु गांव का रहने वाला था। वह 11 जून की दोपहर किसी कार्य से बोकारो थर्मल आया था। भीषण गर्मी में वह सब्जी मार्केट गया था। रहिवासी संदेह व्यक्त कर रहे है कि तेज गर्मी के कारण संभवत: लू लगने से उसकी मृत्यु हो गयी है। उक्त घटना की सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पहुंचे बोकारो थर्मल थाना की पुलिस मृतक अधेड़ के शव को कब्जे में लेकर उसे डीवीसी बोकारो थर्मल अस्पताल ले गई। जहां शवगृह में शव को रख दिया गया। साथ हीं मृतक के परिजनों को दूरभाष पर घटना की सूचना देकर बुलाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद हीं पुलिस कार्रवाई की बात कह रही है।

डीवीसी ने अतिक्रमण हटाओ अभियान बोकारो थर्मल में चलाया

बोकारो : डीवीसी बोकारो थर्मल की जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बनाने वालों के खिलाफ स्थानीय प्रबन्धन की ओर से अभियान चलाया गया।
उक्त अभियान में शामिल असैनिक विभाग के अधिकारी बीके सिंह ने बताया कि बोकारो थर्मल पोस्ट ऑफिस के समीप डीवीसी की जमीन का अतिक्रमण कर रूम बनाया जा रहा था, जिसे तोड़ दिया गया।
इसके अलावे एचएमटी निशनहट कॉलोनी में भी डीवीसी की जमीन का अतिक्रमण कर रूम बनाया जा रहा था जिसे रोका गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह अभियान डीवीसी बोकारो थर्मल के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर चलाई गई है। उक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान में होम गार्ड इंचार्ज धनेश्वर साव, अजय कुमार दास, चंदन कुमार, सोनू कुमार, सरिता कुमारी आदि डीवीसी अधिकारी व होम गार्ड के जवान शामिल थे।

शिवराज सिंह चौहान को अमरेश सिंह ने दी बधाई

धनबाद/ नई दिल्ली : वरिष्ठ भाजपा नेता मध्य प्रदेश के चार बार बने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कृषि एवं विकास कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने पर वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेश सिंह ने कृषि एवं किसानों के उज्जवल भविष्य के लिए पुष्पगुच्छ देकर बधाई देकर शुभकामनाएं दी। अमरेश सिंह ने कहा मंत्री शिवराज सिंह चौहान पीएम नरेंद्र मोदी जिन्होंने सर्वप्रथम मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर ऑफिस में जाकर सबसे पहले किसानों को दी जाने वाली कल्याण निधि की फाइल पर हस्ताक्षर किए उनके सूक्ष्म एवं कुशल नेतृत्व में किसानों के हित में नवीनतम एवं प्रभावशाली योजनाओं को लागू कर एवं विकसित प्रणालियों एवं तकनीकियों को किसानों के लिए धरातल पर लाकर कृषि एवं किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने का अपनी दूरदर्शिता एवं अनुभवों से किसानों के स्थिति में सुधार के लिए मध्य प्रदेश मॉडल को पूरे देश में लागू कर बहुत ही अनुकरणीय प्रयास कार्य कर उन्नति एवं खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेंगे। जिससे कृषि एवं किसानों का विकासशील स्वर्णिम कल्याण होगा।

विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस पर बाल मजदूरी को लेकर निकाली रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बुधवार को विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर पर झरिया स्थित सामाजिक परियोजना ने झरिया के कोयला क्षेत्रों में चल रही बाल मजदूरी जैसा गंभीर समस्या को ले कर एक रैली निकाल कर फिर से ये मुद्दा उठाया है। कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेज ने इस रैली के माध्यम से वृहद समाज से कोयला क्षेत्रों में सदियों पुराने मानवीय संकट को दूर करने के लिए कुछ कदम उठाने की अपील की। झरिया स्थित शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता पिनाकी राय के नेतृत्व में 55-60 बच्चों ने बचपन बचाओ, बाल श्रम हटाओ अभियान में भाग लिया समाज को याद दिलाया। यह रैली दीपुधोरा कोलियरी, कुजामा कोलियरी, लोदना कोलियरी, लिलोरीपथरा के इलाके में घूमकर झरिया के हेटलीबांध में समाप्त हुई। बच्चों के हाथ में तख्तियों थी,जहां पर लिखा था कि रॉकेट साइंस के युग में बच्चों को कोयला खदानों में क्यों मजदूरी करना पड़ता है। ये भी लिखा था कि, बच्चे इस उम्र में सीखने के लिए पैदा होते हैं कमाने के लिए नहीं,'बच्चे देश की संपत्ति हैं, बोझ नहीं' सह 'नियमों का पालन करो और बाल श्रम बंद करो' आदि। उन्होंने नारे लगाते हुए कहें कि'भारत माता क्या चाहती है - बाल मजदूरी बंध करों। रैली में शामिल बच्चों ने हाथ में हाथ डाल कर सभी को बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता पैदा करने का संकल्प लिए रैली के 4-5 किलोमीटर लंबे रास्ते में लगातार नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया। सीआईएसएफ के जवान साथ फोटो भी उठाएं।
आम लोगों ने बाल श्रम बंद करने के मुद्दे का समर्थन किया।कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेज के बच्चों में कुछ बच्चे कोयला क्षेत्रों में भी बाल श्रम करते हैं। जहां कक्षा 10 पास छात्रा सुहानी कुमारी और नंदिनी कुमारी ने बताया कि हमें काम करना पसंद नहीं है, हम पढ़ना चाहते हैं लेकिन हालात ने हमें पैसे के लिए काम करने पर मजबूर कर दिया सरकार की ओर से कोई योजना है तो हम काम नहीं करेंगे। हम रैली में शामिल हुए हैं क्योंकि हम नहीं चाहते कि दूसरे बच्चे कोयले के साथ काम करें।कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेज के संस्थापक पिनाकी रॉय ने कहा की यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि झरिया कोलफील्ड्स में अभी भी हजारों से अधिक बच्चे बाल श्रम के रूप में काम कर रहे हैं,कई प्रतिभाएं आधी-अधूरी अवस्था में ही नष्ट हो रही हैं। समाज से बाल श्रम को हटाना अब हमारे देश का प्रमुख एजेंडा होना चाहिए।एक तरफ हमारे देश अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग में इतना प्रगतिशील है, वहीं हमें आर्थिक और सामाजिक इंजीनियरिंग में भी प्रगति की आवश्यकता है। आज के विश्व बाल मजूदरी निषेध दिवस रैली में कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेस के केंदुआ,लोदना और झरिया शाखाओं से 11 से 23 वर्ष की आयु के बच्चे शामिल हुए हैं। रैली में पिनाकी रॉय और शिक्षक सह कलाकार संजय पंडित के अलावा केंदुआ से सुमन कुमारी, सावित्री कुमारी, सुहानी कुमारी, अंजली कुमारी, दुर्गा कुमारी, राधिका कुमारी, नंदिनी कुमारी, नीलम कुमारी, प्रेम कुमार, आदित्य कुमार आदि तथा झरिया से सोनू कुमार, द रिंकी कुमारी, पंकज कुमार, अभिषेक कुमनार,संजना कुमारी, दीपशिखा कुमारी, रागिनी कुमारी, नंदिनी झा, गायत्री कुमारी, मोनू कुमार,अमन कुमार, जिगर कुमार, रोशनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

आउट सोर्सिंग कंपनी से कोयले की अवैध निकासी का हुआ भंडाफोड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : पुटकी थाना क्षेत्र के करकेंद गोपाली चक स्थित सिंह नेचुरल आउट सोर्सिंग कंपनी से अवैध रूप से कोयला लोड कर रहे दो हाइवा और एक पे लोडर को कोयला भवन सी आई एस एफ की टीम ने पकड़ कर स्थानीय पुटकी थाना को सौंपा । बताया जाता है की रोजाना पिछले कई दिनों से इस माइंस से 25से 30 गाड़ी अवैध रूप से हाइवा के जरिए निकाला जाता है। इस का मास्टर माइंड रितोलिया नामक कोयला तस्कर धंधेबाज के द्वारा इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा था । जिसकी भनक स्थानीय लोगो ने बीसी सी एल सीएमडी समीरन दाता को दिया जिसके बाद कोयला नगर मुख्यालय से सी आई एस एफ की टीम ने छापा मारा और हाइवा पर लोड कोयले के साथ हाइवा और पे लोडर को जब्त किया । जानकर तो यह भी बताते है की कोयला चोरों द्वारा 15लाख रुपए तक का ऑफर सी आई एस एफ टीम को दिया गया लेकिन टीम के अधिकारी टस के मस नहीं हुए ।सी आई एस एफ की टीम ने इस बात की जानकारी धनबाद एसएसपी को दिया जिसके बाद स्थानीय पुलिस रेस हुई और सी आई एस एफ द्वारा जब्त हाइवा और पे लोडर को थाने लाई । थाने आने से पहले थाने के एक जमादार यादव जी खूब प्रयास किया मामला बाहर ही रफा दफा हो जाए लेकिन जैसे ही पता चला की मामला धनबाद एसएसपी एच पी जनार्दन तक पहुंच गया है वैसे ही सभी के हाथ पांव फूलने लगे। प्रभारी तक भी भौचक रह गए । इस मामले को कमजोर करने में स्थानीय पुलिस कसरत करने में अभी भी जुटी है। इधर मामला बढ़ता देख थाना प्रभारी ने मामले की जांच कर करवाई की बात कही है।

बोकारो स्टील सिटी के छात्रों ने ओलंपियाड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2023-24 में बोकारो स्टील सिटी के तीन छात्रों ने इंटरनेशनल रैंक हासिल की है। माउंट सायन स्कूल के दूसरी कक्षा के छात्र सुमित कुमार राज ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड में पहला स्थान हासिल कर अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त किया साथ ही दिल्ली पब्लिक स्कूल की दूसरी कक्षा की छात्रा शैलजा शांवी ने नेशनल साइंस ओलंपियाड में दूसरा स्थान हासिल किया तथा अंतरराष्ट्रीय रजत पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त किया वही दूसरी ओर सेंट जेवियर्स स्कूल के दूसरी कक्षा के छात्र अफ्फान अहमद ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में तीसरा स्थान हासिल किया एवं अंतरराष्ट्रीय कांस्य पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में 70 देशों के लगभग लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें बोकारो स्टील सिटी के 22,393 से अधिक छात्र शामिल थे। बोकारो स्टील सिटी के प्रसिद्ध स्कूल, जिनमें द पेंटेकोस्टल असेंबली स्कूल, चिन्मय विद्यालय, दिल्ली पब्लिक स्कूल शामिल थे। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर दिल्ली में एसओएफ ओलंपियाड विजेताओं 2023-24 की उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए 26 वां सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिसरा और प्रसिद्ध लेखक एवं स्तंभकार चेतन भगत भी मौजूद थे।

बिजली का खंभा गिरने से बिजली व्यवस्था चरमराई, विधायक ने लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कुछ दिन पूर्व आंधी से बास्तेजी के नदी किनारे 33000 की टावर गिरने से बोकारो की बिजली व्यवस्था काफी दयनिय हो गई हैं जिससे जनता में काफी रोष है। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कार्य स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बास्तेजी व बूढ़ी डीह मे दो बिजली के टॉवर विगत आंधी तूफान मे गिर गई थी जिसके कारण बिजली की सप्लाई मे काफी परेशानी हो रही। जिला प्रशासन व बिजली के उच्च अधिकारियों से बात कर जल्द से जल्द सुरक्षा व्यवस्था करा कर कार्य की शुरूआत कर बिजली सुचारू रूप से जनता को दी जाय।
उन्होंने कहा कि कार्यपालक अभियंता ने बताया कि बूढ़ी डीह के ग्रामीणों द्वारा कार्य को रोका गया है जिसके कार्य वहां कार्य करने मे काफी परेशानी हो रही। संवेदक के मजदूरों को ग्रामीणों द्वारा मारा भी गया । चास एसडीओ से वार्ता कर फोर्स देकर जल्द से जल्द कार्य शुरू करने को कहा। बोकारो विधायक ने कहा कि गुरुवार को बोकारो परिसदन मे डीसीसी के अधिकारी, बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक होगी जिसमें नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, धनबाद सांसद दुलु महतो भी मौजूद रहेंगे कार्यपालक अभियंता ने कहा कि अगर बूढ़ी डीह मे जल्द कार्य शुरू होगी तो शनिवार तक बिजली पहले की तरह सुचारू रूप से चलेगी। बास्तेजी का काम तेजी से चल रहा है कल तक बास्तेजी का टावर खड़ा हो जायेगा।

बीसीसीएल ने इस्पात क्षेत्र के उपभोक्ताओं के साथ इंटरेक्टिव सत्र का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड बुधवार होटल ली मेरिडियन, नई दिल्ली में इस्पात क्षेत्र के अपने मूल्यवान उपभोक्ताओं के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस्पात उद्योग के साथ चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यापार करने में आसानी के लिए नवीनतम विकास की जानकारी देना और चर्चा करना था। मौजूदा और/या आने वाली नई कोकिंग कोल वाशरी और किसी अन्य वाशरी उत्पाद उपभोग करने वाले संयंत्र के साथ इस्पात संयंत्रों द्वारा कंसोर्टियम के गठन की अनुमति देकर इस्पात क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए कोकिंग कोयले के संबंध को उदार बनाया गया है। सीपीपी, सीमेंट, कपड़ा, कागज आदि समयरेखा के लचीलेपन के साथ। इसका उद्देश्य आयात प्रतिस्थापन और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है। सत्र में भारत में कोकिंग कौल के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में बीसीसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया, जो देश के कुल उत्पादन में 50% से अधिक का योगदान देता है। इस्पात क्षेत्र में देश की वृद्धि और आत्मनिर्भरता का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, बीसीसीएल ने गुणवत्ता और टिकाऊ प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। आयोजन की मुख्य विशेषताएं आयात प्रतिस्थापन, कोयला गुणवत्ता तुलना और आगामी ट्रेंच- श्क्क स्टील लिकेज नीलामी पर चर्चा थी, जिससे कंपनियों के संघ को लिकेज नीलामी में बोली लगाने की अनुमति मिली, जिससे कंपनियों के बीच सहयोग के लिए अधिक लचीलापन और अवसर प्रदान हुए। कोकिंग कोल वाशरी की स्थापना के लिए समयसीमा। इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एम. नागराजू, कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, सीआईएल के निदेशक विपणन मुकेश चौधरी और बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता की उपस्थिति रही।

जिला टास्क फोर्स ने कार वाशिंग सेंटर से पांच बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

विश्व बाल मजदूरी निषेध दिवस पर की कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त बोकारो के निदार्शुनार गठित जिला धावा दल ने आज श्रम विभाग के नेतृत्व में बोकारो के सेक्टर 9 के कार वाशिंग गैराज से पांच बाल श्रमिको को विमुक्त कराया। जिला धावा दल तथा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शंकर रवानी ने कहा की बाल मजदूरी कराना कानूनन अपराध है, नियोक्ता पर कानूनी कारवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। श्री रवानी ने कहा कि बोकारो जिले में बाल मजदूरी तथा बाल तस्करी बर्दास्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज बाल मजदूरी निषेध दिवस है जिस पर हमें विशेष रूप से बच्चों के अधिकार को लेकर सजग होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बाल शोषण के मामले की जानकारी कोई भी जिला टास्क फोर्स को दे सकता है। उसपर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया की रेस्क्यू किए गए 3 बाल श्रमिक 14 वर्ष से कम उम्र के है जिन्हे पुनर्वासित किया जायेगा। तथा दो का उम्र 16 वर्ष है जिस काउंसलिंग किया जा रहा है। इस दौरान सीडब्ल्यूसी सदस्य प्रीति प्रसाद, जिला बाल संरक्षण इकाई से सरिता कुमारी, चाइल्ड लाइन से जिला कोर्डिनेटर प्रिति कुमारी, श्रम विभाग से सुबल चंद्र गोप, नेपाल मुंडा, महेंद्र महतो सहयोगिनी के फुलेंद्र रविदास, अनिल कुमार हेंब्रम शामिल थे। बाल मजदूरो को बाल कल्याण समिति के सुपुर्द कर दिया गया है। बाल कल्याण समिति विमुक्त किए गए बाल श्रमिकों को तत्काल आश्रय के लिए बाल गृह चास भेज जा रहा है। सहयोगिनी के जिला समन्वयक फुलेंद्र रविदास ने कहा कि संस्था पूरे जिले में बाल मजदूरी, बाल यौन हिंसा तथा बाल विवाह को लेकर सघन रूप से कार्य कर रही है तथा बच्चों के अधिकार को लेकर के संस्था एक्शन मोड पर है। जिले में बाल तस्करी तथा बाल मजदूरी के किसी भी प्रकार के मामले की सूचना टोल फ्री नंबर में या टास्क फोर्स को दिया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात चोरों ने घर से तीन लाख रुपये की आभूषण व नकदी लेकर हुए फरार

धनबाद : बीती रात लगभग 10 बजे अज्ञात चोरों ने निरसा थाना क्षेत्र के डंगापाढा निवासी शंकर बाउरी के घर का ताला तोड़ कर आभूषण सहित नगदी पर हांथ साफ कर दिया । घटनां कि समय शंकर बाउरी परिवार के साथ गांव में हो रहे कीर्तन सुनने गया गया था जिसका लाभ उठा कर चोरों ने घटनां को अंजाम दिया। प्राप्त समाचार के अनुसार भुक्तभोगी शंकर बाउरी ने घटना की लिखित शिकायत निरसा थाने में की है। शिकायत में कहा है कि बीती रात गांव में हो रहे कीर्तन सुनने परिवार के साथ गया हुआ था। वापस आया तो पाया कि घर का ताला टूटा हुआ है। आलमीरा भी टूटा पाया। आलमीरा में रखा सोने का चूड़ी, गले का हार, कान की बाली, मंगटीका पांच भरी चांदी का पायल सहित तीन हजार रुपया गायब है जिसकी कीमत लगभग ढाई से तीन लाख रुपया है । पुलिस मामले की छानबीन कर रही है ।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के बैनर तले एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी का किया चक्का जाम

कतरास (धनबाद): एरिया तीन अंतर्गत चल रही एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी के मजदूरों ने एचपीसी मांग को लेकर कंपनी का चक्का किया जाम एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी के मजदूरों का कहना है कि हम लोग इस कंपनी में सालों से काम कर रहे हैं ना तो हम लोगों का बी फार्म मैं नाम दर्ज हुआ है ना तो एचपीसी दी गई है कंपनी पूरी तरह से हम लोगों पर मनमानी कर रही है वहीं एरिया 3 के एजेंट अवधेश कुमार पहुंचकर मजदूरों को समझने का प्रयास किया मगर मजदूरों का एक ही कहना है कि हम लोगों का बी फॉर्म में नाम दर्ज कराया जाए और सही वेतन दिया जाए तभी हम सब मजदूर धरने पर से उठ जाएंगे कल के दिन किसी मजदूर का मौत हो जाता है तो हम लोगों पर कोई भी प्रमाण नहीं है की जिससे हम लोगों को कंपनी से मुआवजा मिल सके वही एरिया तीन के एजेंट ने बताया कि कंपनी का अपना एक रूल है काम पर रखते समय इन लोगों से क्या बात हुई यह हम लोग नहीं जानते।

बिजली पानी की संकट के निवारण को लेकर हुई बैठक

बोकारो : जिला कमिटी की बैठक बुधवार को सेक्टर 12ए स्थित कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक विधान चंद्र राय ने की तथा संचालन जिला संगठन प्रभारी मो मेहबूब आलम ने किया। बैठक में विशेष रूप से प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश उपस्थित रहे।
बैठक के दौरान सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। प्रस्ताव पारित कर धनबाद और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अनुपमा सिंह और मथुरा प्रसाद महतो के समर्थन में वोट देने के लिए आम आदमी पार्टी के सभी सदस्यों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। दूसरे प्रस्ताव में बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भीषण गर्मी के बीच बिजली-पानी संकट के लिए सांसदों-विधायकों, जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों को दोषी करार देते हुए आम लोगों से खुद अपनी लड़ाई के लिए तैयार रहने की अपील की गई।
बैठक के दौरान नगर निकाय चुनाव में चास और फुसरो के सभी वार्ड व मेयर पद के लिए योग्य प्रत्याशियों को समर्थन देने का निर्णय लिया गया। सर्वप्रथम चास की बिजली-पानी और होल्डिंग टैक्स को लेकर नगर निगम प्रशासक और बिजली विभाग अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। समाधान नहीं होने पर आंदोलन करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में अपने विचार रखते हुए जिला संयोजक विधान चंद्र राय ने कहा कि आम लोगों की समस्या को लेकर संघर्ष का माद्दा सिर्फ आम आदमी पार्टी में ही है। अधिकारी तुरंत बिजली-पानी समस्या का समाधान करें।

अपराधियों ने की ज्वेलरी दुकान में फायरिंग, लोगों में दहशत

बोकारो : एक बार फिर बाइक सवार अपराधियों ने भीड़ भाड़ बजार में गोली चलाकर दहशत फैलाया है अपराधियों ने एक राउंड गोली चलाई है घटना बोकारो जिला स्थित बेरमो थाना क्षेत्र के फुसरो में ज्ञान ज्वेलर्स, मेघदूत मार्केट की है गोली ज्ञान ज्वेलर्स के सामने शीशा में जा लगी। दोनों बाइक सवार फायरिंग करते हुए फुसरो से बैंक मोड़ की तरफ रफूचक्कर हो गए। बीते 17 मई को भी मोती अलंकार ज्वेलर्स फुसरो में अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की थी जिसमें दुकान के अंदर बैठे दुकान के मालिक बाल बाल बच गए थे। इस बात को लेकर युवा व्यवसाय संघ फुसरो के द्वारा आक्रोशित होकर सड़क जाम कर दिया गया था एवं बाजार की सभी दुकानें बंद कर दी गई थी। घटनास्थल पर थाना की पुलिस पहुंच गई है 17 मई को हुई घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे बेरमो डीएसपी वशिष्ठ नारायण सिंह ने दुकानदारों को आस्वस्थ किया था की 48 घंटा के अंदर हम लोग अपराधियों तक पहुंच जाएंगे और उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा इस बात की आश्वासन के बाद दुकानदारों ने सड़क जाम हटाया था। मात्र एक महीने के अंतराल में यह दूसरी बार अपराधियों द्वारा ज्वेलरी के दुकान पर फायरिंग कर अपनी धमक पहुचाने और डर पैदा करने का प्रयास किया है। सूत्रों की माने तो धनबाद के प्रिंस खान गिरोह के लोगों द्वारा फायरिंग की घटना को अंजाम दिया जा रहा है ताकि इस इलाके में उनका दहशत कायम हो सके निशाना भी ज्वेलरी दुकानों को ही बनाया जा रहा है।

प्रशासन व जनप्रतिनिधियों ने चलाया जागरूकता अभियान

डायन बिसाही, नशापान, जैसी कुरीतियों को लेकर लोगों को किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड अंतर्गत कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के बारडीह गांव में बुधवार को प्रखंड प्रशासन एवं प्रखंड के जनप्रतिनिधियों के द्वारा समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इस जागरूकता अभियान में लोगों को संबोधित करते हुए चैनपुर जिला परिषद मेरी लकड़ा ने कहा कि अंधविश्वास समाज के लिए सबसे बड़ा कलंक है। अंधविश्वास के मकर जाल में फंसकर ग्रामीण क्षेत्र में आए दिन डायन बिसाही जैसे मामले सामने आते हैं जिसमें कई बार हत्या जैसी घटना को भी अंजाम दिया जाता है। अंधविश्वास के चक्कर में पड़कर ग्रामीण डायन-बिसाही की बात मान लेते हैं। हत्याएं होती हैं। महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने कहा कि डायन कुप्रथा से न केवल महिलाओं में बल्कि समाज में भी नकारात्मक विचार धारा बन रही है। हम सभी 21 वीं शताब्दी में हैं। हमें जरूरत है विकास की न कि ऐसे कुप्रथा में

फंस कर रहने की। लोगों को इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूक करने की जरूरत है।कमजोर व असहाय महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने की कुप्रथा के कारण कई बार स्थिति भयावह हो जाती है। ऐसी घटनाओं के पीछे किसी न किसी का स्वार्थ भी छुपा रहता है। ऐसे लोगों की पहचान करने की जरूरत है। मौके पर चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने कहा कि लोगों को जागरूक करना जरूरी है। डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित करना एक अशिक्षित समाज को दशार्ता है। वर्तमान समाज में ऐसी कुप्रथाओं के लिए जगह नहीं है। ऐसे कुप्रथाओं में शामिल होने वाले लोगों के लिए विशेष कानून बनाया गया है इस कानून के तहत पकड़े जाने वाले लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है और उसमें बेल तक नहीं मिलता है। आवश्यकता है कि ऐसी कुप्रथाओं से खुद को दूर रखें और अगर इस तरह की कोई भी घटना होती है तो आप सीधे पुलिस से संपर्क कर सूचना दें पुलिस आपकी हर संभव मदद करेगी। आज के जागरूकता कार्यक्रम में बाल विवाह के बारे में बोलते हुए बारडीह पंचायत के मुखिया ईश्वर खेस ने कहा कि बाल विवाह भी अपने आप में बहुत बड़ा अपराध है क्योंकि विवाह का भी एक समय होता है। अकसर देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्र में पढ़ने लिखने वाले बच्चों का कम उम्र में ही विवाह कर दिया जाता है। जिससे बच्चों पर शारीरिक और मानसिक रूप से भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का विवाह सरकार द्वारा तय किये गए उम्र के बाद ही करें बाल उम्र में अपने बच्चों का विवाह न करें बच्चों को स्कूल भेजें और अच्छी शिक्षा दिलाये। उन्होंने बाल मजदूरी के बारे में कहा कि जिस उम्र में बच्चों को किताब लेकर स्कूल जाना चाहिए वही बच्चे आज मजदूरी कर रहे हैं यह भी बहुत बड़ा अपराध है ऐसे अभिभावक जो अपने बच्चों को मजदूरी करने हेतु प्रेरित करते हैं अगर वह पकड़े जाएंगे तो वह भी सजा के हकदार होंगे। कार्यक्रम में नशा पान को लेकर उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार या समाज को दूषित करने का सबसे बड़ा कारण नशा भी है जो कभी भी समाज या परिवार को फलने फूलने नहीं देता है। और साथ ही साथ गंभीर बीमारी का आविष्कार होता है जिससे आर्थिक और शारीरिक दोनों रूप से नुकसान होता है। अकसर आप देखते होंगे कि शराब पीकर वाहन चलाने पर ज्यादातर एक्सीडेंट होती है जिससे लोग गंभीर रूप से घायल होकर विकलांग हो जाते हैं तो कई लोग अपनी जान गंवा देते हैं। जमीन विवाद के बारे में उन्होंने कहा कि अगर जमीन जगह को लेकर विवाद होती है तो आप अंचल अधिकारी और पुलिस का सहयोग लेना चाहिए ना कि आपस में लड़ाई करें इन जैसी सारी समस्याओं का समाधान थाना स्तर में सुलझाने का प्रयास किया जाएगा प्रत्येक बुधवार को थाना में भूमि समाधान दिवस मनाया जाता है जिसमें सिर्फ भूमि संबंधी विवाद का निवारक किया जाता है जरूरत है कि हम जागरूक होकर ग्राम सभा आयोजित करें सारे समस्याओं का समाधान हो सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी शिक्षा की ओर अग्रसर हो अपने बच्चों को शिक्षित करें ताकि इस तरह की कोई भी घटना हमारे क्षेत्र में हमारे समाज में ना हो अगर इस तरह की कोई भी घटना होती है तो आप लोग सीधे पुलिस को सूचना देकर एवं सहयोग करें।

उप विकास आयुक्त ने की विभिन्न मनरेगा योजनाओं की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

गुमला : बुधवार को उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तों की अध्यक्षता में विकाश भवन स्थित सभागार में मनरेगा अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदूवार समीक्षा कर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत सभी मुख्य योजनाओं से योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अब कार्यों में तेजी लाते हुए लंबित कार्यों को अविलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान मौके पर मुख्य रूप से सहायक परियोजना पदाधिकारी, सभी बीपीओ, सहायक अभियंता, कनिया अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा
द्वारा आयोजित
भूमि एवं राजस्व मामलों से संबंधित विशेष लोक अदालत

"आम सूचना"
नि:शुल्क, सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु।

झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रॉची के निर्देश पर, जिला विधिक सेवा प्राधिकार,गढ़वा द्वारा दिनांक 24 जून, 2024 से 28 जून, 2024 तक भूमि एवं राजस्व मामलों से संबंधित वादो (राजस्व मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, विस्थापन मामले, मुआवजे से संबंधि मामले एवं अन्य सहायक मामले) के निश्पादन के लिए पक्षकारों के मध्य बातचीत हेतु प्री–लोक अदालत की बैठक संबंधित विभाग में आयोजित की जायेगी एवं इससे संबंधित वादों के निश्पादन हेतु एक "विशेश लोक अदालत" का आयोजन दिनांक 29.06.2024 सुबह 07:30 बजे से व्यवहार न्यायालय, गढ़वा एवं अनुमण्डलीय व्यवहार न्यायालय, नगर उंटारी में किया जायेगा।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधिक से अधिक संख्या में भूमि एवं राजस्व मामलों से संबंधित अपने मामले को विशेश लोक अदालत में सूचीबद्ध कराकर सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त करें।

इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी हेतु व्यवहार न्यायालय, गढ़वा परिसर, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं अथवा मोबाईल सं0– 9955684686 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

श्री दीपक कुमार पाण्डेय
आरक्षी अधीक्षक–सह–सदस्य
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा।

श्री शेखर जमुआर
उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा।

श्री राजेश शरण सिंह
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश –सह– अध्यक्ष,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा।

निवेदक :–
सचिव,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा।

PR.NO.326145 Law(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची

ई–प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना
Tender Reference No. - DWSD/RW-01/2024-25 Date - 12-06-2024

S.No	Name of the Work	Estimate Cost (in Lac)	Ernest money (in Lac)	BOQ cost (in Rs.)
1	2	6	7	8
1	Shifting of pipe line of Tatisilway RWSS due to Road widening of Ranchi-Purulia road in Namkum Block under D.W. & S. Division, Ranchi West for the year 2024-25 on turnkey basis."	410.709	4.11	10000.00
2	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months		
3	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	15-06-2024 at 05:00 P.M		
4	प्री–बीड बैठक का स्थान एवं तिथि	18-06-2024 /12:30 P.M क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, राँची प्रक्षेत्र, राँची।		
5	निविदा ऑन लाईन बिडींग करने का तिथि एवं समय	20-06-2024 /05:00 P.M		
6	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय (सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस, झारखण्ड मत्रांलय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में)	26-06-2024 up to 05:00 P.M		
7	बीड खोलने की तिथि/समय	27-06-2024 up to 05:00 P.M		
8	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता।	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पश्चिम, राँची।		
9	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651-2491247		

- किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhandtendars.gov.in पर देखा जा सकता है।
- अन्य किसी भी प्रकार की सूचना http://jharkhandtendars.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा में प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि मान्य होगा।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
राँची पश्चिम, राँची।

PR.NO.326206 Drinking Water and Sanitation(24-25):D

आंगनबाड़ी सेविकाओं को दिया गया पोषण ट्रैकर एप के संचालन का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : पीरामल फाउंडेशन आकांक्षी भारत कोलेब्रेटिव टीम खूंटी द्वारा बुधवार को खूंटी प्रखंड सभागार में आंगनबाड़ी सेविकाओं के लिए पोषण ट्रैकर में प्रविष्टियां तथा पोषण ट्रैकर एप की पूर्ण उपयोगिता संबंधित ओरिएंटेशन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सेविकाओं को पोषण ट्रैकर एप के संचालन की प्रक्रिया के विभिन्न बिंदुओं के संबंध में जानकारी दी गई। विशेष रूप से बच्चों के मापदंड पर आधारित प्रविष्टियों में किन-किन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, इस पर व्याख्यात्मक चर्चा की गई। साथ ही सेविकाओं के सामने आने वाली प्रविष्टियां संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उचित मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास

पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने आंगनबाड़ी केंद्र की सेवाओं को देश के विकास की कड़ी के साथ जोड़कर रचनात्मक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भविष्य की विकासात्मक एवं प्रेरणादायक समाज के निर्माण में आंगनबाड़ी सेविकाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खूंटी प्रखंड की सेविकाएं किसी भी काम से घबड़ाती नहीं हैं और लक्ष्य तक पहुंचने में अपनी सेवाएं देने से कभी पीछे भी नहीं हटती। उन्होंने ओरिएंटेशन सह प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए आंगनबाड़ी सेविकाओं से इसका लाभ प्राप्त करने और खूंटी के विकास की गति को तेज करने की अपील की। सीडीपीओ खूंटी ने पोषण ट्रैकर एप के व्यावहारिक ज्ञान की जानकारी देते हुए प्रविष्टियों में होनेवाली गलतियों को यथाशीघ्र सुधारने की बात कही। उन्होंने सेविकाओं को बताया कि जून माह में सारी गलतियों को सुधारा जा सकता है।

गुमला में वज्रपात से 20 गोवंशीय पशुओं की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित अल्बर्ट एक्का, जारी प्रखंड के जरमाना ग्राम और मरियम टोली ग्राम में कल अपराह्न में एकाएक मौसम ने मिजाज बदला और अंधड़, पानी, ओलावृष्टि, और वज्रपात होने लगी। इस क्रम में जरमाना ग्राम में लगभग 20 गोवंशीय पशुओं ने एक आम पेड़ के नीचे पहुंचकर खड़े होकर बचने लगे। इसी क्रम में एकाएक जोरदार आवाज के साथ वज्रपात हुआ और उक्त सभी मवेशियों को अपने चपेट में ले लिया। फलस्वरुप उक्त घटनास्थल पर ही 18 गोवंशीय पशुओं को उक्त घटना-स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक मवेशी गंभीर रूप से घायल हो गया, बाद में इसकी सूचना पशु चिकित्सा पदाधिकारी धर्मरक्षित को दी गई। उक्त सूचना मिलते ही पशु डॉक्टर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त घटनास्थल

पर पहुंचकर उक्त 18 गोवशीय पशुओं को मृत घोषित कर दिया और उक्त सभी गोवंशीय पशुओं का पोस्टमार्टम किया और एक गंभीर रूप से घायल गोवंशीय पशु का इलाज किया जा रहा हैं और उक्त पशु डॉक्टर के देखरेख में इलाज चल रहा हैं। वहीं दूसरी तरफ उसी तरह की घटना मरियम टोली में भी घटी, जहां दो गोवंशीय पशुओं की मौत हो गई हैं। जिसको लेकर उक्त संबंधित ग्रामीणों एवं पीड़ित किसानों ने अल्बर्ट एक्का जारी प्रखंड मुख्यालय प्रशासन से मुआजे और क्षतिपूर्ति की मांग की गुहार लगाई गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष की पहल पर कारो नदी पर बनाया गया बांध

खूंटी : जला बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष और झामुमो के जिलाध्यक्ष तथा बीस सूत्री के सदस्य सुदीप गुड़िया की पहल पर बुधवार को तोरपा की कारो नदी में जलापुर्ति के लिए बांध का निर्माण कराया गया। बुधवार को नेता कारो नदी पहुंचे तथा बांध निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष रूबेन तोपनो, प्रदीप केशरी, मोजीर अंसारी, सुहैल खान आदि उपस्थित थे। ज्ञात हो कि नदी का जलस्तर नीचे चले जाने से तोरपा में विगत 25 दिनों से जलापूर्ति ठप है। तोरपा के दो हजार लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। इसकी जानकारी मिलने पर मंगलवार को जुबैर अहमद कारो नदी का निरीक्षण करने पहुंचे थे।. उन्होंने डीसी लोकेश मिश्रा सहित पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों से इस समस्या के निदान का आग्रह किया था। जुबैर अहमद के आग्रह पर बुधवार को कारो नदी पर बांध बनाया गया। जुबैर अहमद व सुदीप गुड़िया ने कहा कि पानी लोगों की सबसे बड़ी जरूरत है। लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। नदी का जलस्तर नीचे चले जाने से जलापूर्ति ठप हुई है। नदी पर बांध बनाकर पानी जमा करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि लोगों को पानी मिल सके। बांध बनने से पानी जमा होगा: कनीय अभियता पेयजल एवं स्वछता विभाग के कनीय अभियंता रावेल होरो ने कहा कि कारो नदी पर बांध बनाया गया है, ताकि पानी को जमा किया जा सके। पानी जमा होने से जलस्तर बढेगा और पानी का स्तर इंटेक वेल के चैनल तक पहुंचने के बाद पानी इंटेक वेल में स्टोर होगा। इंटेक वेल में पानी पहुंचते ही जलापूर्ति शुरू कर दी जायेगी।

ऊर्जा संरक्षण को लेकर कृषि विज्ञान केंद्र तोरपा में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

खूंटी : विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार एवं झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र तोरपा में बुधवार को कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष सह वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दीपक राय ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बेहतर प्रयास किये हैं और उन्ही प्रयासों के तहत कृषि में सौर पंपों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें ऊर्जा बचत पर ध्यान देते हुए खेती ही नहीं, बल्कि घरेलू उपयोग में भी ऊर्जा बचत पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अधिकांश कृषि मशीनें जीवाश्म ईंधन द्वारा संचालित होती हैं, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान करती हैं। इसके कारण जलवायु परिवर्तन तेजी से होता है। सौर, पवन, बायोमास, ज्वारीय, भू-तापीय, छोटे पैमाने पर जलविद्युत, जैव ईंधन और तरंग-जनित शक्ति जैसे नवीकरणीय संसाधनों को बढ़ावा देकर इस तरह की पर्यावरणीय क्षति को कम किया जा सकता है। प्रमुख रोहित सुरीन ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही। जरेडा रांची के वरिष्ठ कंसल्टेंट प्रभाकर झा ने किसानों को लइव वीडियो दिखाकर इसके विषय मे बताया और ऊर्जा बचत के लिए किसानों से नई तकनीक अपनाकर खेती करने की बात कही।

एएसआई हत्याकांड में सार्जेंट मेजर और डे मुंशी सस्पेंड

लोहरदगा : एएसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह हत्याकांड में रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने कार्रवाई करते हुए लोहरदगा पुलिस के सार्जेंट मेजर शेरू कुमार रंजन को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही जांच में दोषी पाए जाने पर लोहरदगा एसपी हारिश बिन जमां ने डे मुंशी विनोद कुजूर को सस्पेंड कर दिया है। एसपी की जांच में पता चला है कि डे मुंशी को यह बात मालूम थी कि आरोपित कांस्टेबल अनंत सिंह मुंडा मानसिक रोगी है और उसका इलाज रिनपास से चल रहा है। इसके बावजूद उसने विभाग के अधिकारियों को इस बात की जानकारी नहीं दी थी और उसे इंसास राइफल देकर चुनाव ड्यूटी पर दूसरे जिले में भेज दिया। इसी राइफल से उसने एएसआई धर्मेंद्र सिंह की हत्या कर दी थी।

उपायुक्त का कार्यालय,लोहरदगा।
(एन0आर0ई0पी0 शाखा)
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
NIT NO – 01 वर्ष 2024–25

1.विज्ञापनदाता का नाम :–कार्यपालक अभियन्ता, एन0आर0ई0पी0, लोहरदगा।
2.परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि:– :–कार्यालय अवधि में दिनांक 24.06.2024 अप0 1.00 बजे तक।
3.निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 25.06.2024 को 1:30 बजे अपराह्न तक।
4.निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 25.06.2024 को 2:00 बजे अपराह्न में।
5.निविदा प्राप्ति एवं परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान:– कार्यालय कार्यपालक अभियन्ता,एन0आर0ई0पी0,लोहरदगा।

क्र0	प्रखण्ड	पंचायत	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि 2%	परिमाण विपत्र की मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सेन्हा	सेन्हा	Millet and Pulses परियोजना हेतु जिला परिषद डाक बंगला, सेन्हा का भवन मरम्मति, बिजली व्यवस्था एवं जलापूर्ति व्यवस्था एवं जलापूर्ति कार्य	9,90,600.00	20000.00	1250.00	02 (दो) माह

2 ग्रामीण कार्य विभाग में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते है।
3 संवेदक का UCAN में निबंधन अनिवार्य है।

कार्यपालक अभियंता,
एन0आर0ई0पी0,लोहरदगा।

PR 326120 NREP(24-25)D

समाहरणालय, चतरा
(पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
sport.chatra@gmail.com

आम–सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि क्षेत्रीय निदेशक, खेलो इण्डिया, भारतीय खेल प्राधिकरण, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार का पत्रांक 56/KI/SLKIC-SMALL-JHARKHAND/2020-21, दिनांक–10.03.2023 एवं कार्यकारी निदेशक, झारखण्ड खेल प्राधिकरण, झारखण्ड, राँची का पत्रांक–213, दिनांक– 28.06.2023 के आलोक में चतरा जिले में खेलो इंडिया सेंटर के तहत फुटबॉल प्रशिक्षण केन्द्र (गैर आवासीय) संचालित करने का निदेश प्राप्त है। उपरोक्त फुटबॉल प्रशिक्षण केन्द्र हेतु रिक्त खिलाड़ियों जिनकी उम्र 09 से 14 वर्ष हो, तक का चयन किया जाना है, जो चतरा जिला मुख्यालय के 05 कि0मी0 के अंदर के होंगे। चतरा जिला में फुटबॉल प्रशिक्षण केन्द्र में खिलाड़ियों के चयन हेतु प्रस्तावित स्थल एवं तिथि निम्नवत् है :–

प्रस्तावित स्थल :– जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, चतरा।
प्रस्तावित तिथि एवं समय :–15.06.2024 को सुबह 09: बजे से 04:00 बजे तक

इच्छुक खिलाड़ी उपरोक्त प्रस्तावित स्थल एवं तिथि को चयन हेतु भाग लेना सुनिश्चित करेंगे तथा अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र हेतु www.chatra.nic.in अथवा जिला खेल कार्यालय, चतरा में संपर्क कर सकते है। संपर्क नं0– 6207074324, 8083771175, 9304119683

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी,
चतरा।

PR.NO.326071 Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs (24-25):D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, सिमडेगा

रोजगार मेला संबंधी सूचना (मेला की तिथि–14.06.2024)

जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेंटर, सिमडेगा के द्वारा दिनांक–14.06.2024 को जिला नियोजन कार्यालय परिसर, सिमडेगा में पूर्वाह्न 11.00 बजे से 03.00 बजे तक रोजगार मेला का आयोजन किया जाना है, जिसमें निम्न निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों ने उपस्थित रहने की सहमति जताई है, जिनकी रिक्तियाँ निम्नलिखित है :–

Sl. No.	Employer's Name	Name of the post	No. of Vacancies	Qualification	Experience if any	Salary	Age	Job Location
1.	Kampabhai Vocational Training Institute Ltd. Ashok Nagar. Ranchi, Jharkhand	GDA Trainer	3	I,SC/ B.SC Nursing	2 Years	15000-20000	18-35	Gumla
		Assistant Electrician	4	ITI/Diploma	2 Years	15000-20000	18-35	Gumla/Giridih
		DDEO Trainer	4	BCA/CS/IT	2 Years	12000-15000	18-35	Gumla/Simdega
		Beautician Trainer	2	10th+ Beautician	2 Years	12000-15000	18-35	Giridih
		SMO Trainer	6	10th/12th/ Graduation	1 Year	12000-15000	18-35	Gumla/Giridih
		MIS Executive	3	10th/12th/ Graduation	2 Years	12000-15000	18-35	Simdega/ Gumla/Giridih
2.	VR Enterprises, Ranchi	English Language Lab Coordinator	13	Any Degree+one Year PGDCA or BCA, B.SC, Polytechnic in Computers, B.Tec	No	10000-	22-25	Block Level
3.	GraminSikshaAvamPrishichhan Foundation Ahmadabad	Machin Operator	22	10th/12th	No	14220	18-35	Gujarat
		CNC/VMC Operator	14	ITI	No	14820	18-35	Gujarat
		Quality Inspector	35	Diploma & Graduation	No	15220	18-35	Gujarat
4.	Pratham Education Foundation, Ranchi	Master Trainer	30	Graduation	No	10000-12000	21-35	Jharkhand
5.	Atlas Export Enterprises Tamil Nadu	Sewing Machine Operator	200	8th	3 Months	9500	19-35	Karur Tamil Nadu
		Special Machine Operator	50	12th	No	9000	19-25	Karur Tamil Nadu
6.	SPNN Business Service Pvt Ltd New Delhi	Operator	250	12th	No	15200	18-35	Bangalore
7.	Chaitanya India fin Credit Pvt Ltd. Bangalore	CRF	70	12th	No	10890	18-28	Bangalore
8.	WCSF Charityspirit FoundationChatraJharkahnd	TRAINER Tailoring, (Darzi)	04	12TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Brick Mason	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Concrete Mason	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Tile Mason	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Plaster Mason	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		TRAINER Carpenter,	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Sunar(Goldsmith)	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Kumhar (Potter)	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Malakar	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer Hammer and Tool Kite	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Trainer nai (Barber)	04	10TH	1 Years	12000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Customer Care Executive (F)	04	12TH	0	10000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Computer Operator(F)	04	12TH	1 Years	10000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih
		Block Coordinator	07	12TH	0	10000	18-35	Gumla, Simdega, Khunti, Gridih

नोट–मेला में भाग लेने के योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों को झारखण्ड राज्य के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना अनिवार्य है। यदि पूर्व में निबंधित न हो तो रोजगार मेला के पूर्व अपना निबंधन अपने स्थानीय नियोजनालय में निश्चित रूप से करा लें, या नियोजनालय के अधिकृत वेबसाईट-https://rojgar.jharkhand.gov.in पर जाकर स्वंय कर सकते हैं। रोजगार मेला के दिन निबंधन का कार्य स्थगित रहेगा। साथ ही नियोजक/नियोजक प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्र एवं उसकी छायाप्रति तथा बायोडाटा दो कॉपी दो पासपोर्ट साईज फॉटो के साथ एवं आधार कार्ड, स्थानीय निवास प्रमाण–पत्र के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित होंगे। रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है इसलिए रिक्ति के शर्तों के लिए सीधे नियोजक उतरदायी है। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य किया जा रहा हैं। मेला में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

(इच्छुक स्थानीय नियोजक मेला में रिक्ति के साथ भाग लेने हेतु जिला नियोजनालय, सिमडेगा में दिनांक–13.06.2024 को समय 5:00 बजे अपराह्न तक कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है)

ह०/–
जिला नियोजन पदाधिकारी
सिमडेगा।

PR.NO.326128 Labour Employment and Traning(24-25):D

सफल भी एवं सक्षम भी होगी मोदी की तीसरी पारी

ललित गर्ग

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी?

एक और इतिहास रचते हुए नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। यह देश ही नहीं दुनिया के लिए एक अद्भुत एवं विलक्षण राजनीतिक घटना है, क्योंकि दुनिया में बहुत कम शासनाध्यक्षों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोदी के इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें इसलिये भी टिकी हैं कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली गठबंधन सरकारों से अलग होकर भी सशक्त है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली इस सरकार में 71 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के साथ शपथ ली। मोदी के करिश्माई नेतृत्व में पिछले दस साल में देश को विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़े करते हुए दुनिया को चौंकाया है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसक साथ ही सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास इस सरकार का ध्येय है।

प्रधानमंत्री मोदी इस बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते हुए एक नया इतिहास बनायेंगे, उम्मीद की जा रही है कि बिना बाधा एवं गठबंधन की शर्तों के वे देश-विकास के अपने एजेंडे को सफलतापूर्वक एक नई ऊंचाई देंगे। उनकी लोकसभा चुनाव-2024 की उपलब्धि की महत्ता इसलिये भी कम नहीं हो जाती, क्योंकि भाजपा बहुमत से कुछ ही दूर है। चूंकि सहयोगी दल मोदी सरकार को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मंत्रियों का चयन सुगम तरीके से हो गया इसलिए यह आशा की जाती है कि मोदी की तीसरी पारी भी सुगमता एवं त्वरित गति से चलेगी। इसका एक कारण यह भी है कि उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता तथा समन्वय की राजनीति करने का कौशल भी। गठबंधन दलों को भी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण बनाना होगा, इसी में उनका राजनीतिक हित है। वे विपक्षी दलों के बहकावे में न आये, वरना यहां मोदी एवं शाह के पास अन्य विकल्प हैं जो मोदी सरकार को संकट में नहीं जाने देंगे। मोदी की राजनीतिक यात्रा को देखा जाए तो उन्होंने अनेक ऐसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है जिनकी कल्पना नहीं की जाती थी-पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में।

मोदी के सामने चुनौतियां पूर्ण बहुमत के दौर में भी रही है और अब भी कायम है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। गरीब मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य भी सामने हैं। पूर्व के दौ कार्यकाल में मोदी ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी मौलिक सोच एवं दृष्टि से मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि मोदी की तीसरी पारी में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। लेकिन मोदी की कोशिश रहेगी कि वे अपने इन मुद्दों को भी आकार दे सके। इनमें कुछ विलम्ब हो सकता है, लेकिन वे और ऐसे अनेक मुद्दें मोदी की प्राथमिकता बने रहेंगे।

पिछले दस वर्षों का मोदी का कार्यकाल यह बताता है कि जहां उन्होंने देश विकास की एक अमिट गाथा लिखी, वहीं वे देश में सबसे सशक्त और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और विश्व पटल पर अपनी एक गहरी छाप छोड़ते हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। इससे विश्व में भारत का मान बढ़ा और इसे उनके विरोधी भी स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने न केवल साहसिक फैसले लिए, बल्कि विकास और जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जिसने देश की तस्वीर बदली, भारत का विकास हुआ। अब वह विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि गठबंधन सरकार के बावजूद कमान प्रधानमंत्री के हाथ में है और उन्होंने यह कहा है कि वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस एजेंडे के प्रति सहयोगी दलों और विशेष रूप से टीडीपी और जेडीयू ने भी अपनी संकल्पबद्धता जताई है इसलिए मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी निरंतरता, साहसिकता, दृढ़ता का परिचायक ही होगी। राजनीति की लंबी पारी ने मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

मंत्रिमण्डल का गठन करते हुए ऐसा नजर नहीं आया कि भाजपा गठबंधन सहयोगियों के किसी तरह के दबाव में हो। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले भाजपा के सांसद वरिष्ठता क्रम में शपथ लेते नजर आए। मंत्रिमंडल के गठन में गठबंधन के हितों के साथ ही जातीय संतुलन और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। हरियाणा में भले भी पांच सांसद इस बार चुने गए हों, लेकिन इस साल राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कैबिनेट व राव इंद्रजीत सिंह तथा कृष्णपाल सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया। वहीं पंजाब से कोई भाजपा सांसद नहीं चुना गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। झारखंड में इस साल चुनाव होने हैं तो राज्य को तीन मंत्री दिये गए हैं। मोदी का मंत्रिमण्डल देश विकास के साथ राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी एवं सशक्त एक तीर से अनेक निशाने साधते हुए दिखा।

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी? निश्चित ही मोदी उसी अंदाज एवं दबंगता से अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ायेंगे। मोदी के विजन में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होगा, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर होगा। मोदी के नये संकल्पों एवं योजनाओं से देश विकास की दशा एवं दिशा स्पष्ट होगी। आदिवासी समुदाय एवं अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मोदी सरकार मील का पत्थर साबित होगी। साथ-ही-साथ समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। सशक्त होती अर्थव्यवस्था इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाली साबित होगी, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक सरकार के विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

संपादकीय

परिवर्तन एवं निरंतरता

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सहयोगियों के काम-काज का बंटवारा जिस तरह से किया उससे परिवर्तन, निरंतरता और स्थायित्व के सवाल सामने आए हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव में जनादेश का समाजशास्त्रीय अध्ययन किया जाए तो उसके दो निष्कर्ष सामने आते हैं कि इस जनादेश के बाद कुछ चीजें बदलतीं दिखाई देती हैं जबकि अन्य अपेक्षाकृत निरंतर बने रहें। भाजपा अपने बल सर स्पष्ट बहुमत लाने में असफल रही। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में उसे विशेष रूप से सीटों का नुकसान हुआ। लेकिन केंद्र में मोदी के नेतृत्व में ही सरकार बनी और सरकार के स्वरूप में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ। यह बताता है कि पिछली सरकार के कार्यों को ही आगे बढ़ाया जाएगा। एनडीए सरकार में भी राजनाथ सिंह रक्षा, अमित शाह गृह, निर्मला सीतारमण वित्त और एस. जयशंकर विदेश मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगे। ये चारों वरिष्ठ मंत्री प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) का पिछली सरकार की तरह हिस्सा रहेंगे। सीसीएस अति महत्त्वपूर्ण समूह है जिस पर बड़े.फैसले लेने की जिम्मेदारी होती है। प्रधानमंत्री ने सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए आवश्यक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित विभागों में भी निरंतरता बनाए रखी। नितिन गड़करी सड़क परिवहन और हाईवे की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। सवानंद सोनोवाल ने बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग विभाग संभालते रहेंगे। ज्योतिरादित्य सिंधिया से नागरिक उड्डयन मंत्रालय लेकर टीडीपी के राममोहन नायडू को भले दे दिया गया लेकिन सिंधिया को आधारभूत संरचना से जुड़े.विभाग संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्रके विकास का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर जैसे कुछ नये चेहरों को शामिल करके उनके अनुभव का इस्तेमाल करने का प्रयास किया है। हालांकि मोदी ने चिराग पासवान जैसे कुछ युवा नेताओं पर भी भरोसा जताया है। भाजपा के दो सहयोगी दलों शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी ने विभागों के बंटवारे को लेकर नाराजगी जाहिर की है। प्रधानमंत्री मोदी को अटलबिहारी वाजपेयी से राजनीतिक विरासत मिली है। गठबंधन धर्म शब्द का सृजन वाजपेयी ने ही किया था। उन्होंने सहयोगियों के साथहमेशा गठबंधन धर्म का पालन किया था। मोदी भी रूठे हुए सहयोगियों को मनाने में वाजपेयी का अनुसरण करेंगे।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

युवा सपनों में नहीं, परिणाम के साथ जीना चाहते हैं

सनत जैन

पिछले 10 साल में युवाओं को बहुत सारे सपने दिखाए गए। पर अफसोस कि ये सपने साकार नहीं हो सके। पिछले वर्षों में सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स पर युवा और समाज के सभी वर्गों द्वारा जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। अपनी लड़ाई को वह स्वयं लड़ने के लिए जो मंच तलाश रहे थे, सोशल मीडिया के रूप में उन्हें मिल गया है। सोशल मीडिया ने समाज के सभी वर्गों को एक नई चेतना से जोड़ दिया है। जहां वह अपनी बात कहकर सकारात्मक परिणाम के लिए रुचि रख रहे हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर विशेष रूप से युवा जिस आक्रामक और वैचारिक ढंग से अपनी बात रख रहे हैं। एक नई सामाजिक वैचारिक क्रांति को आगे बढ़ा रहे हैं। युवाओं के पास सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म के माध्यम से जो शक्ति आई है। उसको एक नई पहचान मिल रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, कॉरपोरेट, नौकरशाही, अपराधियों और अपराधों को नियंत्रित करने में भी सोशल मीडिया की अहम भूमिका हो गई है। सोशल मीडिया में डिजिटल प्रिंट, वीडियो एवं वॉइस कम्युनिकेशन के माध्यम से नई सामाजिक और वैचारिक क्रांति का असर दिखने लगा है। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में जिस तरह से 17 वर्ष के नाबालिग बेटे को महंगी कार उपहार में देने, लाइसेंस न होने के बाद भी गाड़ी चलाने देने, शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए दो युवकों को गाड़ी से कुचल देने के अपराध की लड़ाई संगठित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से लड़ी गई। अपराध का पदार्फाश किया गया। अपराधी को बचाने के जो प्रयास किए जा रहे थे। सोशल मीडिया की लड़ाई में अपराधी नाबालिग युवक के साथ-साथ उसके माता-पिता और साक्ष्यों को मिटाने के लिए डॉक्टरों द्वारा जिस तरह का अपराध किया जा रहा था। वह सब सोशल मीडिया के माध्यम के दबाव बनाने के बाद उजागर हुआ है। शासन और प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजनीतिक व्यवस्था, ब्यूरोक्रेसी के ऊपर जिस तरह का दबाव सोशल मीडिया के माध्यम से बनाया गया, वह सोशल मीडिया और युवाओं की शक्ति को पहचानने का पर्याप्त कारण बना। जिस तरह से सोशल मीडिया में सबूतों से छेड़छाड़, जालसाजी, अपहरण, धमकी, रिश्वत, परिवारवाद, न्यायपालिका, पुलिस, मेडिकल सेवाओं में जो गिरावट आई है। उसको लेकर जिस तरह की चेतना और लड़ाई सोशल मीडिया में देखने को मिल रही है। वह अपने आप में अनूठी है। विचारों की विविधता भी अब सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर देखने को मिलती है। हर विषय के पक्ष और विपक्ष में लोग अपनी बात तर्क संगत ढंग से रख पा रहे हैं। इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं में न्याय और अधिकार की नई संस्कृति के साथ अधिकारों और कर्तव्यों का बोध हुआ। सही और गलत की पहचान आसान हो गई है। युवाओं को अब ज्यादा समय तक भ्रमित करके नहीं रखा जा सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही का लोकसभा चुनाव है। जिसके परिणाम सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। एक तरह से सोशल मीडिया की चुनौती राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक चैनलों को मिली। जो सामाजिक सरोकारों से दूर होता जा रहा था। उसका स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया। सामाजिक परिपक्वता, व्यक्तिगत अधिकार और कर्तव्यों के साथ भी जोड़ने के लिए मुफीद और सर्व सुलभ माध्यम सोशल मीडिया बन गया है। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव का असर भी समाज पर पड़ रहा है। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के एडिक्शन से पीड़ित होकर निष्क्रिय भी हो रही है वहीं सोशल मीडिया में तथ्यों की प्रमाणिकता को लेकर सदैव संदेह देखने को मिलता है, लेकिन जिस तरीके से सोशल मीडिया में विश्वसनीय और प्रामाणिकता के साथ जो बातें सामने आ रही हैं। उसके साथ सोशल मीडिया में भी विश्वसनीयता के साथ जानकारी उपलब्ध होना सुखद है।

मुद्दा: मधुर संबंधों के गवाह बने पड़ोसी देश

प्रमोद भार्गव

नरेन्द्र मोदी ने जवाहरलाल नेहरू की बराबरी करते हुए तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है। इस बार भाजपा की सरकार राजग गठबंधन पर निर्भर रहेगी क्योंकि भाजपा स्पष्ट बहुमत के 272 के आंकड़े से बहुत पीछे रह गई है। हालांकि शपथ के साथ ही मोदी ने न केवल समझौतावादी जनादेश स्वीकार किया बल्कि पड़ोसी देशों के राष्ट्र प्रमुखों को शपथ के अवसर पर आमंत्रित कर उनके साथ मधुर संबंध बनाए रखने का उदार संदेश भी दे दिया है।

गणतंत्र के इस समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद्र जगननाथ, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जु, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे शामिल हुए। भारत की ओर से यह पहल 'पड़ोसी पहले और सागर दृष्टिकोण' की नीतियों को कारगर बनाने की दृष्टि से की गई है। साफ है, पड़ोसी और समुद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सर्वोच्च प्राथमिकता में रहेंगे। 2014 में मोदी ने सार्क यानी दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन के देशों और 2019 में बिम्सटेक यानी बंगाल की खाड़ी की पहल से जुड़े देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया था। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य बंगाल की खाड़ी के किनारे बसे देशों के बीच परस्पर आर्थिक सहयोग बढ़ाना है। इन देशों में भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड़ शामिल हैं। इन देशों में भारत क्षेत्रफल, आबादी और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है। दस साल पहले मनमोहन सिंह की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व में 11वां स्थान था, जो मोदी के 10 साला कार्यकाल में 3.70 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के आकार के साथ विश्व में पांचवें स्थान पर है। अर्थव्यवस्था के जानकार उम्मीद जता रहे हैं कि 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मन की आर्थिकी से आगे निकल कर वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर होगी और 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था।

भारत ने उदारता दिखाते हुए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जु को आमंत्रित किया जबकि 2023 में जबसे मोइज्जु मालदीव के राष्ट्र प्रमुख बने हैं तभी से मालदीव और भारत के संबंधों में तनाव बना हुआ है। अपने चुनाव अभियान के दौरान मोइज्जु ने भारत के 88 सैनिकों को देश से निकालने का आह्वान किया था। किंतु अब मोइज्जु ने कहा है कि उनके लिए इस ऐतिहासिक अवसर में भागीदारी सम्मान की बात है। उम्मीद है कि अब दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध सकारात्मक दिशा में बढ़ेंगे। दक्षेस मसलन हमारे वे पड़ोसी देश जो हमारी जमीनी अथवा समुद्री सीमा से जुड़े हैं। इन देशों की संख्या 8 है। ये देश हैं पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका। हालांकि चीन भी हमारी सीमा से जुड़ा है, लेकिन दक्षेस का सदस्य नहीं है। इस समूह में यदि मॉरिशस, ईरान, म्यांमार और मध्य एशिया के पांच गणराज्य भी शामिल हो जाएं तो इसकी ताकत वैश्विक मुद्दों में हस्तक्षेप के लायक बन सकती है। दक्षेस देश दुनिया के तीन फीसद भूगोल में फैले हैं। दुनिया की मौजूदा आबादी की 21 प्रतिशत जनसंख्या इन्हीं देशों में है। इन देशों में कुल क्षेत्रफल और जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी 70 फीसद से ज्यादा है। 80 फीसद आर्थिकी पर भी भारत काबिज है। हालांकि वैश्विक कारोबार की तुलना में इन देशों का परस्पर कुल व्यापार 5 फीसद ही है। इस लिहाज से ये देश न तो व्यापार के क्षेत्र में सफल रहे और न ही शांति बरकरार रखने में कामयाब हुए। इस नाते इस संगठन का ज्यादा महत्त्व नहीं रह गया है। पाक नियंत्रित आतंक कालांतर में युद्ध का कारण बनता है तो दक्षेस का भंग होना तय है। मोदी न केवल दक्षेस, बल्कि आसियान देशों के बीच मुक्त व्यापार के पक्षधर हैं लेकिन पाक बाधाएं पैदा करने से बाज नहीं आता।

मोदी आतंकवाद के प्रखर विरोधी रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ उनकी मुखरता के चलते आज भारत समेत दुनिया में आतंकवाद कमजोर हुआ है। गौरतलब है कि दक्षेस के गठन में पाकिस्तान की अहम भूमिका थी। पाक के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने इस परिकल्पना को अंजाम तक पहुंचाया था। 1981 में भारत समेत अन्य दक्षेस देशों के विदेश सचिवों की पहली बैठक बांग्लादेश में हुई थी। बाद में 1983 में विदेश मंत्रियों की बैठक नई दिल्ली में हुई और इसी बैठक में 'दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन' वजूद में आया किंतु अब पाकिस्तान चीन के कर्ज में फंसकर उसके इशारों पर नाचने को मजबूर है। भारत-पाक के संबंध आजादी के बाद से ही नरम-गरम बने रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के 78,000 वर्ग किमी. भूभाग पर पाकिस्तान का अतिक्रमण है। नियंत्रण रेखा के उल्लंघन और सीमा पार से गोलीबारी और आतंकी गतिविधियां जारी हैं। बार-बार इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांगों को पाकिस्तान अनदेखा करता रहा है। जाहिर है, रिश्तों को मधुर बनाने में दिलचस्पी नहीं ले रहा। अतएव पाकिस्तान को छोड़ अन्य पड़ोसियों को शपथ समारोह में आमंत्रित किया जाना साफ संदेश है कि नरेन्द्र मोदी उदार तो हैं, लेकिन आतंकवाद की सरपरस्ती करने वाले देश के प्रति कठोर भी हैं।

एक नजर

ट्रैक्टर ने बाइक को मारी ठोकर, तीन घायल

खूंटी : अड़की थाना क्षेत्र के राजा बाजार गम्हरिया के पास बुधवार को एक ट्रैक्टर ने बाइक को ठोकर मार दी। इससे बाइक पर सवार तीन युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। घायलों में मंदरु टूटी, साद मुंडा और गोपाल मुंडा शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक हूंठ में मंगलवार की रात आयोजित आर्केस्ट्रा देखकर घर लौट रहे थे। राजा बाजार गम्हरिया की करकरी नदी के पास एक ट्रैक्टर ने बाइक को ठोकर मार दी। इससे तीनों गम्भीर रूप से घायल हो गए।

अच्छी सड़कों से गांवों के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है : नीलकंठ सिंह मुडा

खूंटी : राज्य क पर्व ग्रामीण विकास मंत्री और खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि सड़कें ही विकास आ आधार हैं। अच्छी सड़कें ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। विधायक बुधवार को अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा के सेनापति रहे सरदार गया मुंडा की जन्मस्थली मुरहू प्रखंड के एटकेडीह में एक साथ सात सड़कों का शिलान्यास के बाद उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि पूर्व में शहीदों के गांव का विकास नही हुआ था। आज उलिहातू, डोम्बारी बुरू तक जाने के लिए सड़क है। एटकेडीह का भी विकास किया गया। आज सुदूर क्षेत्रों तक सड़क और पुल-पंलियों का निर्माण कराया गया है। कहीं कहीं ट्रांसफार्मर खराब है, लेकिन आज सभी गांवों तक बिजली पहुंची है। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि सड़क बनने से विकास का रास्ता खुलता है। रोजगार अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि लोग कहते है कि नीलकंठ सिंह मुंडा ने क्या किया, लेकिन मैं चुनौती के साथ कहता हूं कि 25 सालों में खूंटी में जितना विकास हुआ, उतना कहीं नहीं हुआ। उन्होंने कहा, मैं दलीय भावना से ऊपर उठकर विकास का काम करता हूं, सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करने से ही विकास होगा। विकास का काम हम सभी को मिलकर करने का प्रयास करना चाहिए। देश को गुलामी से निजात दिलाने के लिए आंदोलन किया। सरदार गया मुंडा ने भी उनका साथ दिया था। उनके बलिदान से हम आजाद हिंदुस्तान में सांस ले रहे हैं। एटकेडीह से पीडिहातू के बीच पुल की जरूरत है। इसका भी निर्माण कराया जायेगा।

मेहमान आई युवती से बकसपुर में दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

खूंटी : पश्चिमी सिंहभूम से अपने रिश्तेदार के साथ बड़का कुटमइत समारोह में शामिल होने जरियागढ थाना क्षेत्र के बकसपुर गांव आई युवती से बलात्कार का मामला बुधवार को सामने आया है। जानकारी के अनुसार सोमवार को पश्चिमी सिंह से बकसपुर गांव पुहची युवती शाम लगभत सात बजे अपनी सहेली के साथ शौच के लिए मैदान के पास गई थी। उसी दौरान बकसपुर के युवक चम्पा बारला 19 उसे घसीटते हुए जंगल की ओर ले गया और मुंह काला किया। इसकी जानकारी साथ में गई युवती ने ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों को जानकारी मिलते ही सभी जंगल की ओर जाकर युवक चम्पा बारला को युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। मुखिया द्वारा इसकी जानकारी जरियागढ थाना को दी गई। युवती के मां द्वारा जरियागढ थाने में मंगलवार को चम्पा बारला के विरुद्ध लिखित शिकायत दर्ज करायी गयी। सूचना मिलते ही जरियागढ पुलिस ने बुधवार कों चम्पा बारला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया और युवती का मेडिकल टेस्ट कराकर न्यायालय में युवती को 164 के तहत बयान दर्ज कराया गया।

डोभा से बरामद महिला की लाश मामले का हुआ खुलासा

फोन कॉल पर प्यार, शादी के लिए दबाव बनाने पर महिला की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के अजनिया अहरा के पास डोभा से बरामद महिला के शव मामले का पुलिस ने घटना के 80 दिनों के बाद उदभेदन किया है। महिला की हत्या हुई थी और वह तीन बच्चों की मां थी। तीन बच्चों के पिता (प्रेमी) पर शादी के लिए दबाव बनाने पर महिला की हत्या की गयी थी। बुधवार को रहस्य से पर्दा उठाते हुए थाना प्रभारी चिंटू कुमार ने आरोपी खोड़ी निवासी इबरार साह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी के अनुसार 22 मार्च को महिला का शव अजनिया अहरा के पास डोभा से बरामद किया गया था। मृत महिला सोहदाग इलाके की रहने वाली थी। पुलिस ने केस के तकनीकी अनुसंधान में पाया कि महिला की हत्या प्रेम प्रसंग में की गयी थी। इसी थाना क्षेत्र के खोड़ी निवासी इबरार साह का उस महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। महिला ने जब शादी के लिए इबरार पर दबाव बनाया तो उसने उसे सिर के बल जमीन पर पटक दिया और जख्मी हालत में उसे डोभा में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार मृत महिला और हत्या के आरोपी इबरार का प्रेम संबंध फोन कॉल पर बातचीत के क्रम में हुआ था। इबरार ओडिशा में शरिया सेटरिंग का काम करता था। वहीं पर महिला का पति भी इबरार के साथ काम करता था, लेकिन अपने पास मोबाइल नहीं रखता था। महिला अपने पति से बात करने के लिए इबरार को कॉल करती थी। इसी कॉल के दौरान महिला और इबरार के बीच प्रेस संबंध स्थापित हुआ। महिला इबरार पर परिवार को छोड़कर उससे शादी के लिए दबाव बना रही थी। महिला का कहना था कि मैं अपने परिवार को छोड़ दूंगी और तूंभी अपने परिवार को छोड़कर उससे शादी कर लो। इबरार महिला की बात से सहमत नहीं था। घटना के दिन दोनों गांव से दूर मिले थे। मुलाकात के दौरान महिला ने शादी का दबाव बनाया तो दोनों के बीच बात बढ गयी। इसी दौरान इबरार ने महिला को सिर के बदल पटक दिया, जिससे महिला जख्मी हो गयी थी। फिर महिला को डोभा में फेंकर इबरारा मौके से फरार हो गया।

किसान ब्रिगेड ने चलाया जनसंपर्क अभियान

चम्पाई सरकार में किसानों का सुध लेने वाला कोई नही : कर्नल संजय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): किसान ब्रिगेड के तत्वावधान में हुसैनाबादअनुमंडल मैदान में होने वाले किसान महापंचायत को लेकर किसान ब्रिगेड की टीम लगातार पंचायत वाइज जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का काम कर रही हैं। उसी क्रम में बुधवार को किसान ब्रिगेड की टीम लोटनिया पंचायत के लोगों से मिलकर अपनी बातों को रखा। ब्रिगेड के संरक्षक कर्नल (डॉ.) संजय कुमार सिंह ने ग्रामीणों से कहा कि यह लड़ाई आम जनों और किसानों की हैं इसलिए आप सभी को हमें सहयोग व समर्थन देने की आवश्यकता है। हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के किसान विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन उनका सुद लेने वाला कोई नहीं है। सरकार द्वारा दी जा रही 100 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ यहां के किसानों को नहीं मिल पा रहा है। किसान सर्वे में भूमि गड़बड़ी, सिंचाई की समस्या एवं सरकारी अस्पताल के लचर व्यवस्था से परेशान है भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है नवजवान बेरोजगार घूम रहे हैं। इसलिए इस गूंगी बहरी सरकार को जगाना जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकताओं को उत्प्रेरित किया कि तन मन धन से लगकर पंचायत में हर घर तक पहुंचने का कोशिश करें और हमारे विचारों को उन तक पहुंचाएं। उन्होंने ग्रामीण जनता व किसानों से 19 जून को हुसैनाबाद अनुमंडल मैदान में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर किसान महापंचायत को सफल बनाने का आग्रह किया। लोटनिया पंचायत के ग्रामीण किसानों ने इस महापंचायत को समर्थन देने की बात कही।

दोस्त ने ही दोस्त की गोली मारकर की हत्या, साक्ष्य मिटाने का किया प्रयास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदूआखोहरी से 8 जून दीन शनिवार को शाहपुर निवासी गोल्डेन राम का पुत्र लक्की कुमार का शव मिली थी। जिसका उद्भेदन चैनपुर थाना पुलीस ने करते हुए डालटनगंज निवासी पवन कुमार व रोहित कुमार को गिरफ्तार किया बुधवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनी भूषण ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि मृतक के माता रेखा देवी के द्वारा अज्ञात के विरुद्ध चैनपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया था। जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदया पलामू के निदेर्शानुसार एक छापेमारी दल का गठन किया गया और दो लोगों को गिरफ्तार किया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने आगे कहा कि शाहपुर निवासी लक्की कुमार अपने 4 साथियों के साथ मोटर साइकिल से घूमने के मकसद से निकला था। वहीं लक्की कुमार ने साथियों के साथ खोहरी सामायुदिक स्वस्थ केन्द्र के नजदीक नसे का सेवन किया सेवन के क्रम में शाहपुर निवासी लक्की और डालटनगंज के कांदू मोहल्ला निवासी रोहित से किसी बात को लेकर तू तू में में होने लगा। इसी बिच डाल्टनगंज रेड़मा निवासी अश्विनी तिवारी का कमर से पिस्टल निकाल कर रोहित ने लक्की को गोली मार दिया। इसी बिच अश्विनी तिवारी और बिक्की कुमार गुप्ता मौके से फरार हो गए और रोहित कुमार व पवन कुमार ने घटना स्थल पर से सबूत को मिटाने का प्रयास किया और गोली का खोखा को सामुदायिक भवन के छत पर फेक दिया और मृतक लक्की कुमार का ही मोटरसाइकल से उसका शव को वहा से उठाकर बंधुआ खोहरी स्कूल के पास लक्की कुमार का चेहरा प्लास्टिक से बांध कर फेक दिया और वहा से मोटर साइकिल से फरार हो गया और हरभोंगा के पास पवन कुमार व रोहित कुमार ने मोटर साइकिल में चाभी लगा हुआ ही छोड़कर चल दिया। जिसका चैनपुर पुलीस काफी खोज बिन किया लेकिन अभि तक मोटर साइकिल का अता पता नहीं चल सका।

निगम क्षेत्र में दर्जनों तालाब एवं कुएं चढ़े अतिक्रमण की भेंट : भाकपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने कचहरी परिसर में प्रेस बयान जारी कर कहा कि आज मेदिनीनगर नगर निगम पानी की समस्याओं से जूझ रहा है और जनप्रतिनिधि भाजपा के विधायक सांसद भाजपा के पूर्व मेयर एवं कांग्रेस झामुमो गठबंधन की सरकार पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे जनता का शुध नहीं ले रही है। मेदनी नगर नगर निगम के अंतर्गत निगम क्षेत्र में 10 से अधिक तालाब थे लेकिन उस 10 तालाब में से आज दो से तीन तालाब बचा हुआ है वहीं पचासों कुआं डाल्टेनगंज शहर में था लेकिन आज उन तालाबों और कुआं का अस्तित्व ही खत्म हो गया और जो बचा हुआ है वह तालाब नदी कुआं अपने अस्तित्व की तलाश में है लेकिन इस ओर पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों विधायक ने कोई ध्यान नहीं दिया बल्कि सिर्फ अपने तिजोरी भरने का काम किया आज पानी के नाम पर भाजपा के पूर्व मेंयर और विधायक सांसद एवं पूर्व मंत्री केंएन त्रिपाठी घड़ियाली आंसू रो रहे हैं लेकिन जनता को पानी कैसे उपलब्ध हो इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं कैसे नदी नाला तालाब अतिक्रमण मुक्त हो इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। भाजपा के रघुवर दास के शासनकाल में फेज 2 के निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ और आज झामुमो कांग्रेस की सरकार में स्लो गति से काम हो रहा है जो चिंता का विषय है इस प्रचंड गर्मी में जनप्रतिनिधि एसी के कमरे में बंद रहकर मौज कर रहे हैं और जनता बूंद बूंद पानी को तरस रही है लेकिन इस बार जनता इन सभी पूर्व एवं वर्तमान को सबक सिखाएगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नगर निगम प्रशासन से मांग करती है कि निगम क्षेत्र के अंतर्गत 35सो वाड में सिर्फ टैक्स वसूली का काम बंद करें बल्कि पानी का निरंतर व्यवस्था काराए। अन्यथा 10 दिन के बाद में नगर निगम कार्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय नौजवान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी उपाध्यक्ष आलोक कुमार तिवारी, नौजवान संघ के जिला सचिव अभय कुमार भूइंया, शैलेश त्रिपाठी, श्रद्धांजलि आदि लोग मौजूद थे।

पानी यात्रा आशीष भारद्वाज के नेतृत्व में हुआ शुरू

मेदिनीनगर (पलामू) : पानी यात्रा का आगाज आशीष भारद्वाज के नेतृत्व में प्रमंडलीय मुख्यालय मेदीनीनगर के वार्ड नंबर 2 में भीषण जल संकट से पीड़ित इलाका बजरहा और पूणार्डीह से किया गया। पानी यात्रा अंतर्गत चलाए जाने वाले हस्ताक्षर सह जन जागरण अभियान प्रथम दिन काफी संख्या युवाओं की टीम पूर्णादिह और बजरहा पहुंचकर पेयजल संकट को जाना और वहा के लोगो से संवाद किया। यात्रा के दौरान आशीष भारद्वाज ने कहा कि इस अभियान के तहत हम एक-एक घर तक जाएंगे और उन्हें होने वाले पेयजल संकट को माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक बदलाव नहीं आएगा तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। इस यात्रा में पलामू के युवा मजबूती के साथ खड़े है और बदलाव को लेकर प्रतिबद्ध दिखे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला प्रतिवाद मार्च व विजय जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया(गिरिडीह) : भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवार की शाम प्रतिवाद मार्च निकल गया इसके पश्चात लोकसभा चुनाव में पूर्णा देवी की जीत पर लोगों ने जश्न मनाते हुए जुलूस भी निकाला। बताते चलें कि सरिया थाना क्षेत्र के बागोडीह पंचायत के जमुनियातरी निवासी सकलदेव यादव सहित उनके चार भाइयों पर प्रखंड क्षेत्र के एक आदिवासी महिला द्वारा गंभीर आरोप लगाये गए हैं। वहीं सरिया थाना में एक मामला भी दर्ज कराया गया है। जिसके खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओ ने मंगलवार की देर शाम प्रतिवाद मार्च निकाला। सरिया थाना के समीप नुक्कड़ सभा भी किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भाकपा माले लोकसभा चुनाव हारने से बौखला गयी है। इस बौखलाहट में माले नेताओं द्वारा क्षेत्र के लोगों पर झूठे मुकदमे करवाये जा रहे हैं। जो इस पार्टी की परंपरा रही है। इसी दौरान एक आदिवासी महिला को बहला फुसलाकर जमुनियातरी के सकलदेव यादव पर झूठा मुकदमा कराया गया। साथ ही इनके द्वारा लगातार प्रशासन पर दबाव बनाकर झूठे मुकदमे को सही साबित करने तथा आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। लेकिन भाजपा इस प्रतिवाद मार्च व नुक्कड़ सभा के माध्यम से यह माँग करता है कि प्रशासन निष्पक्ष होकर मामले की जाँच करे ताकि दूध का दूध तथा पानी का पानी हो। निर्दोष फंसे नहीं और दोषी बचे नहीं। भाकपा माले का फूट डालो और शासन करो की राजनीति अब बगोदर विधानसभा क्षेत्र में नहीं चलने वाला नहीं है। कहा कि दलित आदिवासियों का कोई हितेषी है तो वह सिर्फ भाजपा ही है। इस नुक्कड़ सभा के पश्चात कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में अन्नपूर्णा देवी की जीत पर जश्न मनाया गया। आतिशबाजी की गई। एक दूसरे को गुलाल लगाए तथा पूरे सरिया बाजार में जुलूस निकाला गया। इस दौरान जय श्री राम, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद आदि नारे लगाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय मंडल यादव व संचालन पवन पांडेय ने किया। मौके पर रजनी कौर, हेमलाल उर्फ छोटू मंडल, पंसस अनिल शर्मा, बबलू मंडल, दीपक साव, सकलदेव यादव, सचिंद्र कुमार सिंह, केदार मोदी, नकुल पांडेय, अमित आनंद, चिंतामणि मंडल, सुनील मंडल, अमरनाथ सिंह, प्रमोद मंडल, युधिष्ठिर मंडल, सतीश मंडल, बाल गोविन्द मंडल, केदार सिंह, अनिल शर्मा, नरेश रजक, अशोक राणा, शिवधन मंडल, टिंकू साव, रंजीत मंडल, विपिन शर्मा, फागु पंडित, अमित आनंद,बिनोद ठाकुर, नरेश रजक, मनीष मंडल, अरविंद कुमार, मंजू देवी, पिंटू मोदी, पंकज मंडल, भेखलाल मंडल, सुनील मंडल, रामदेव ठाकुर समेत काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू) : बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की संचालक संजय कुमार ने किया। मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने कहा कि बाल श्रम एक अक्षम अपराधय अपराध है और यह देश के सर्वांगीण विकास में बाधक भी है 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को होटल एट भट्ठा क्रेशर घरेलू नौकर समेतकल कारखाने आदि में काम कराए जाने पर बाल श्रम अधिनियम 1986 के तहत संबंधित मालिक एवं और संचालकों को खिलाफ दनदनात्मक कार्रवाई हो सकती है। बाल श्रम एक सामाजिक समस्या बन गई है और यह तभी रुकेगा जब समाज का हर वर्ग सहयोग करेगा बाल श्रम रोकने के लिए बाल श्रम आयोग एवं बाल श्रम अधिनियम बना है तथा श्रमिक विद्यालय खोला गया था। लेकिन फंड क्या भाव में विद्यालय बंद हो गया। यह सब पूरी तरह मृतप्राय हो गया है मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों के माता-पिता यह दायित्व बनता है कि अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें स्कूल में राज्य सरकार की ओर से भोजन कपड़ा और किताब नि:शुल्क मिलता है । मोर्चा सदस्यों ने राज सरकार एवं पलामू जिला प्रशासन से मांग किया है कि हर हाल में बाल श्रम को रोके शिवनारायणसाव ने बाल श्रम पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि छोटे बच्चों के कल कारखानों में काम करवाने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस अवसर पर जयपाल मोची, अनिल, राम, प्रेम कुमार, अरविंद कुमार, धर्मदेव राम, राम प्रवेश, राम संतोष, विश्वकर्मा, प्रदुमन तिवारी, सतीशदुबे, महेश राम राजूरा, हीरामन मांझी, संजय चौरसिया, कृष्णा राम ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया राम नरेश महतो ने धन्यवाद व्यापित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आस्था का महापर्व मंडा पूजा संपन्न

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के भुलि गांव के चंडी स्थान में मंडप पूजा धूमधाम से संपन्न हो गया। मुख्य रूप से जिला परिषद उपाध्यक्ष बीना देवी एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य सुशील महतो उपस्थित थे।मंडा पूजा कमेटी द्वारा सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया गया। जिसके बाद पूरी रात बंगाल के कलाकारों ने छऊ नृत्य के साथ लोगों के बीच समां बांध दिया। बुधवार को अहले सुबह दहकते अंगारों पर चलकर अनुष्ठान में शामिल भगतियों ने अटूट आस्था का परिचय दिया। इस मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी ने कहा किमंडा पर्व झारखंड के लोकप्रिय सस्कृति एवं भगवान के प्रति एक प्रेम और आस्था का पर्व है। मंडा पर्व वर्षों से हमारे पूर्वजों के द्वारा मनाये जाने वाला मुख्य पर्व है। इस पर्व में गांव भोक्ताओं के द्वारा कई दिनों तक विधिवत पूजा अर्चना कर मंडा पूजा को संपन्न किया जाता है। आसपास के सैकड़ों ग्रामीण इस छऊ नृत्य मेला का आनंद उठाया। इसे सफल बनाने में मेला कमेटी के अध्यक्ष संजय मंडल, सचिव भुनेश्वर बेदिया, कोषाध्यक्ष प्रकेशवर बेदिया, सक्रिय सदस्य नरेश बेदिया, मिथुन बेदिया, ए और बी महावीर बेदिया, अमर बेदिया, राज किशोर बेदिया, सागर बेदिया, आनन्द बेदिया, प्रमोद बेदिया, मधुसूदन बेदिया, कमलेश बेदिया, मुकेश मंडल, नेबा मंडल, गोपाल मंडल, भोजोहरि मंडल, संतोष मंडल का सराहनीय योगदान रहा।

बाल श्रम को खत्म करने और बच्चों को शोषण से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत : डालसा सचिव

खूंटी : नालसा एवं झालसा, रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष खूंटी रषीकेस कुमार के मार्गदर्शन में बुधवार को विश्व बाल मजदूर निषेध दिवस के उपलक्ष्य पर श्रम अधीक्षक खूंटी के कार्यालय के सभागार भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन की थीम है चलो अपनी प्रतिबद्धताओं पर काम करें, बाल श्रम को खत्म करेंह्व। इस दिन बाल श्रम को खत्म करने और बच्चों को शोषण से बचाने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जहां भी छोटे बच्चों से बाल मजदूरी कराई जाती है, उस पर रोक लगाएं। उन्होंने लागों से आग्रह किया कि अपने-अपने क्षेत्र में उक्त विषय पर लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करें और अपने क्षेत्र, अपने गांव और अपने देश को बाल मजदूरी से मुक्त कराएं।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के द्वारा राष्ट्रपति के नाम डीसी को सौंपा ज्ञापन

मेदिनीनगर (पलामू) : जम्मू कश्मीर में वैष्णव देवी, कटरा से शिवखोड़ी जाते समय हिंदू श्रद्धालुओं के बस पर आतंकवादी हमला के विरोध में आज झारखंड विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के एक प्रतिनिधि मंडल के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित एक ज्ञापन उपायुक्त महोदय, पलामू के बाहर रहने के कारण उनके कार्यालय सहायक को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि जम्मू काश्मीर लंबे समय से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का दंश झेल रहा है। धारा 370 के हटने के बाद एक आशा की ज्योति जगी थी। लेकिन लगता है उग्रवादियों का मनोबल अभी भी कम नहीं हुआ है। हिंदुओं को चिन्हित करके उनकी हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सम्मानित सदस्य इस कायराना कृत्य के खिलाफ काफी आक्रोशित हैं। महामहिम राष्ट्रपति महोदया से संगठन के द्वारा निवेदन किया गया कि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए निर्णायक और कठोर कदम उठाने तथा इस प्रकार के तत्वों को सरंक्षण देने वाले आंतरिक व विदेशी तत्वों पर कठोरतम करवाई करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए।

एक नजर

मां ने बेटे पर करवाया हमला, घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत लाल बथानी सिदिक टोला के रहने वाले निवासी अकरामुल हक उम्र 35 को उनके ही चाचा और चचेरे भाई ने मार कर बुरी तरह गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां परिजनों ने घायल को उठाकर सदर अस्पताल साहिबगंज इलाज के लिए लाया। वही डॉक्टर तबरेज आलम स्थिति को देखते हुए तुरंत इलाज में लग गए। वहीं घायल अकरामुल हक के पत्नी बीवी आशा नूर ने बताया कि मेरे पति पशु के चारा काटने के लिए मशीन पर गए थे। जहां मेरी अपनी सास बीबी मुरसीदा ने काटने से मना कर दिया। वही मां बेटे में बहस हो गया।

16 लाभुकों के बीच हुआ बकरियों का वितरण

घाटशिला : मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में 16 लाभुकों के बीच दूसरी किस्त की चार-चार बकरी एवं एक-एक बकरे का वितरण किया गया। मौके पर विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा यह पशुधन विकास योजना के तहत परिवार को छोटे-छोटे कारोबार से जोड़ने के लिए दिया जा रहा है, ताकि इससे अपना रोजगार का साधन बढ़ा सकें। जो पशु दिये जा रहे हैं वे 15 दिनों तक पशु चिकित्सक की देख देख में रहेंगे। किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल पशुपालन पदाधिकारी को सूचना दें। बीच-बीच में अधिकारी जांच करने लाभुक के घर जाएंगे। रोजगार से जोड़ा जा रहा है रामदास सोरेन ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए वाहन भी दिए जा रहे हैं।

हाथियों के आने से गांवों में दहशत

किरीबुरु : सारंडा जंगल स्थित झाड़बेड़ा-टोंटोगड़ा गांव के बीच जंगल में 11 हाथियों के आने से आसपास के गांवों में दहशत है। झाड़बेड़ा गांव निवासी मंगरा ने बताया कि वह टोंटोगड़ा के ग्रामीण जंगल में गया तो हाथियों के झुंड को देखकर वापस गांव आ गया। उसने कहा कि अगर ये हाथी गांवों में घुसेंगे तो भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। उसने बताया कि वन विभाग के पदाधिकारियों से सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। तभी चात्री बस गुजर रही थी उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व यहीं हाथियों का एक झुंड किरीबुरु-हिलटॉप मुख्य मार्ग से सारंडा जंगल में प्रवेश किया था। जब हाथी सड़क पार कर रहे थे, तभी किरीबुरु से भुवनेश्वर जाने वाली बस यात्रियों को लेकर गुजर रही थी। बस में सवार लोगों ने हाथियों को गुजरते देखा तथा बस को भी चालक ने कुछ देर के लिये वहां रोक दिया था।

पंचायत समिति सदस्यों की उपस्थिति कम होने से रद हुई बैठक

घाटशिला : प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को पंचायत समिति सदस्यों की बैठक मार्केट कॉम्पलेक्स की दुकानों के आवंटन को लेकर आयोजित की गई। बैठक में 22 पंचायतों के 24 पंचायत समिति सदस्यों में मात्र 10 सदस्यों की उपस्थिति होने के कारण काफी देर इंतजार के बाद बैठक रद कर दी गई। अगली बैठक अब 19 जून को होगी। सभी पंचायत समिति सदस्यों से इस दिन उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। शुभम संदेश में मंगलवार को आवंटन नहीं होने से बर्बाद हो रहा है प्रखंड कार्यालय का मार्केट कॉम्पलेक्स प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद आननफानन में यह बैठक बुलाई गई थी।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बच्चों के संरक्षण एवं संवर्धन के अधिकार पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया की बाल मजदूरी एक कानूनी अपराध के साथ-साथ एक अभिशाप है, जिसको करने से बच्चों का सर्वांगीण विकास रुक जाता है। उन्होंने कहा कि सभी बालकों को जीने, विकास, संरक्षण एवं भागीदारी का अधिकार है। इन अधिकारों के संरक्षण का दायित्व विधिक सेवा प्राधिकार पर भी है। जिसके लिए किशोर न्याय परिसर एवं कई बाल संस्थाओं का गठन किया गया है। बाल मजदूरी कराने वालों को दो साल की सजा व पचास हजार रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज इस सम्बन्ध में जीरवाबाड़ी क्षेत्र में असिस्टेंट लीगल ऐड कौंसिल अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं ज्योति कुमारी ने भी विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बच्चों के संरक्षण एवं संवर्धन के अधिकार पर जागरूकता किया। इसके अलावा सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में साहेबगंज जिला के प्रत्येक प्रखंडों/ गांवों में नालसा स्कीम के बारे में प्राधिकार के पारा विधिक स्वयंसेवकों द्वारा व्यापक रूप से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिसमें पीएलभी अमरेन्द्र ठाकुर, रंजन कुमार सिंह, कुर्बान अंसारी, सेमी मलतो, शिला बासकी, माधुरी कुमारी, मंजीत हेम्ब्रम, महेश पाण्डेय, दिलनवाज अंसारी, मो० महफूज, सुबिदा देवी, सरिता मुर्मू, प्रेम लता टुडू, आदि ने ग्रामीणों को जानकारी दी।

ग्रामीणों ने आरबीआई प्रबंधक को दिए शिकायत आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहेट : बरहेट के अंतर्गत बरमसिया ग्राम में भारतीय स्टेट बैंक (09238) के अंतर्गत खाता धारक है विगत कई बरसों से नियमित खाता संचालन कर रहे हैं किसी प्रकार की आज तक असुविधा नहीं हुआ है लेकिन (सूत्रों से खबर मिला कि कुछ दिन में बैंक कार्यालय एनएच में रोड किनारे स्थानांतरण कर दिया जाएगा। जिसे हम लोगों को काफी असुविधा दिक्कत का सामना करना पड़ेगा एनएच में रोड किनारे बड़ी-बड़ी गाड़ियां चलती है और हमेशा रोड दुर्घटना होती रहती है चोरी चकारी का भी डर बना रहता है सड़क चौड़ीकरण के बाद तो और भी गाड़ी का ट्रैफिक हो जाएगी हम लोग को पैदल चलने वाले गरीब ग्रामीण है। हम सब ग्रामीणों का कहना है कि अगर बरमसिया में जिस जगह पर पहले से जहां स्टेट बैंक था उसी जगह पर रहे तो बहुत अच्छा होगा ताकि हम सब ग्रामीणों को सुविधा मिले। वहीं मौके पर कुलेश मरांडी, जुलाई पहाड़िया, नूर इस्लाम, नजीर अंसारी, जलील अंसारी, गुलाबसन बीबी, यासमीन खातून, कलेश रजवार, ऐसा खातून, रुखसार खातून, गोल निशा, अब्दुल मोमिन, सद्दाम हुसैन, रुखसार खातून, नूर जहां बीबी, माकूल सोरेन, सुनीता टुडू, शांति पहाड़िया, बिमला पहाड़िया, नासिर अंसारी, नसीरुद्दीन, राजेश कुमार, हरदा, बजरंगी पहाड़िया, सकल टुडू, नसरुल्लाह, अन्य मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर अंचल अधिकारी राम बालक कुमार के नेतृत्व मंथन संस्था एवं बाल संरक्षण पदाधिकारी के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुरूआत दीप प्रज्जवलन कर किया गया। अंचल अधिकारी ने संबोधित करते हुए इसका महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाल मजदूरी बच्चो से स्कूल जाने का अधिकार छीन लेता है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकाल पाते हैं। बाल मजदूरी शिक्षा में बहुत बड़ी रुकावट है। बच्चों की सुरक्षा, उनके स्वास्थ्य एवं शिक्षा का अधिकार जो मिलना चाहिए वो उससे वंचित हो

जाते हैं। वही बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बताया कि बाल श्रम प्रथा बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा है क्योंकि यह उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण चरण उनके बचपन से वंचित कर देती है। बच्चों के व्यक्तित्व, योग्यता व मानसिक एवं शारीरिक क्षमताओं का संपूर्ण विकास है। इसके लिए उनके अधिकार का संरक्षण करना हम सब की जिम्मेदारी है। वही मंथन संस्था के समन्वयक शिव प्रसाद ओझा ने बाल विवाह, बाल मजदूरी के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में बताया। वहीं मौके पर चाइल्डलाइन के कोऑर्डिनेटर मोहम्मद इकबाल, प्रेमलता टुडू,मराठा मरांडी, नाहिद प्रवीण, संजय कुमार गुप्ता, मुस्कान कुमारी, आरती पहाड़न, वसीम रजा, हेमलता अजहर, रंजन कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर नगर आयुक्त ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : देवघर नगर निगम के नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद में श्रावणी मेला को देखते हुए पथ प्रकाश शाखा की समीक्षा बैठक की जिसमें मुख्य रूप से एएरछ के कार्य शैली पर चर्चा किया गया। श्रावणी मेला को देखते हुए एएरछ के प्रतिनिधि को निर्देश दिया गया कि सभी स्ट्रीट लाइट बारकी से जांच कर दुरुस्त करना प्रारंभ करें जहां भी जर्जर तार स्विच या लाइट को चेंज करना हो उसे यथाशीघ्र चेंज करना सुनिश्चित करें साथ ही साथ ये भी निर्देश दिया गया कि एएरछ के सभी लाइट उनके टेक्नीशियन और सुपरवाइजर की देख रेख में रिपेयर किया जाना है। जिसे निगम से सामंजस स्थापित कर और खराब लाइटों का सूची प्राप्त करके रिपेयर करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त निगम के विद्युत प्रभारी एवं सहायक विद्युत प्रभारी को निर्देश दिया गया कि अपनी पूरी टीम को श्रावणी मेला रूट लाइन एवं शहर के मैन रोड गली मोहल्ले वार्ड में सभी एएरछके खराब लाईट का सूची तैयार करें एक सप्ताह के अंदर ताकि सभी लाइटों को चिन्हित कर श्रावणी मेला प्रारंभ होने से पहले एएरछ से दुरुस्त करवाया जा सके निगम के द्वारा लगाए गए लाइटों को भी चिन्हित कर आवश्यकता अनुसार सामग्री लगाकर दुरुस्त करने को निर्देश दिया गया। साथी पूरी विद्युत टीम को यह भी निर्देश दिया गया कि श्रावणी मेला क्षेत्र में सभी खाली पोल को चिन्हित कर सूची तैयार करें ताकि मेला शुरू होने से पहले ही सभी जगह लाइट लगाया जा सके श्रावणी मेला को देखते हुए सभी को युद्ध स्तर से कार्य प्रारंभ करने को आदेश दिया गया जिसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी मौके पर मौजूद सहायक नगर आयुक्त सुरेंद्र किसको सहायक नगर आयुक्त राजीव रंजन सहायक अभियंता विद्युत प्रभारी कमलेश सोरेन सहायक विद्युत प्रभारी कुणाल खवाड़े लीडो दिनेश कामदेव विकास चंदन वर्मा इत्यादि।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने की 24 लाख नीट अभ्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : एनएसयूआई कॉलेज महासचिव सोयेब अख्तर ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 24 लाख नीट अभीर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। आप सबको ज्ञात हो की 4 जुन को नीट यूजी का परीक्षा परिणाम घोषित किया था। इसमें देखा गया की नीट के इतिहास में पहली बार 67 विद्यार्थियों ने 720 में से 720 अंक हासिल किए हैं। पिछले साल 2023 में सिर्फ दो ही विद्यार्थि ने 720 अंक हासिल किया था। 2022 में 4 विद्यार्थियो ने 720 अंक हासिल किया था। लेकिन इस बार 67 विद्यार्थि जो की एक चिन्ता का विषय है। 67 विद्यार्थियो में से 6 विद्यार्थि एक ही परीक्षा केंद्र से है। नेशनल टेस्ट एजेंसी परीक्षा परिणाम 14 जुन को घोषित कराने वाला था। लेकिन जिस दिन चुनाव का परिणाम घोषित हो रहा था। एन टी ए उसी दिन नीट यूजी का परीक्षा परिणाम घोषित किया यानी परीक्षा परिणाम आने से 10 दिन पहले एन टी ए ने सोचा था

की आज सब चुनाव का परिणाम में सब व्यस्त है तो किसी को नीट घोटाला का पता नही चलेगा। लेकिन यह 24 लाख विद्यार्थीयों के भविष्य का सवाल है कोई कैसे चुप रहेंगे। इस घोटाले का और एक उदहारण है दो विद्यार्थि को 719 और 718 मिले है जो की यहां नामुमकिन है। इस परिस्थिति में 715 या 716 अंक आ सकते हैं लेकिन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी घोटाले में इतनी निचले स्तर पर गिर चुके हैं उन्हें अपने रूल्स रेगुलेशन का ही पता नहीं। इस बार नीट यूजी का कटऑफ में काफी वृद्धि की गई है। जिससे इस घोटाले को अच्छा से अंजाम दिया जा सके क्यूट में वृद्धि के कारण बहुत से विद्यार्थियों की रैंक पीछे रह गई ।

पत्थर माफियाओं को संरक्षण दे रहे सरकारी बाबु व कंप्यूटर ऑपरेटर जिला मुख्यालय की दौड़ लगाते नजर आए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोरियो : विगत रविवार को बोरियो अंचल क्षेत्र के बीचपुरा चेकनाका से होने वाले अवैध पत्थर परिवहन से जुड़ी खबर साहब यह बोरियो है, पत्थर माफियाओं का सबसे सुरक्षित ठिकाना प्रकाशित होने के बाद मंगलवार के दिन किंगपिन बन बैठे सरकारी बाबुओं व प्रखंड सह अंचल कार्यालय में पदस्थापित कंप्यूटर ऑपरेटर जिला मुख्यालय स्थित वरीय अधिकारियों के कार्यालय का दौड़ लगाते आए। उधर प्रत्यूष नवबिहार में प्रकाशित खबर का असर यह हुआ कि अंचल कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर

ऑपरेटर और प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट को जिले के परिवहन पदाधिकारी ने नोटिस जारी कर दिया। वही बेचारे कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट वरीय अधिकारियों के कार्यालय चक्कर लगाते रहे और अपनी बात उनके समक्ष सुनाते हुए नजर आए। उधर सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी आई है कि इस दौरान सभी कर्मियों को खूब खरी खोटी सुनाई गई है और सख़्त चेतावनी दी गई है। आलम यह है कि बीते दो दिनों से अवैध पत्थर परिवहन से जुड़े माफियाओं के हाथ कुछ नहीं आया है। वही विगत दिनों सड़क में पत्थर लदे ओवरलोडेड वाहनों को बहुत ही कम देखा गया है। उधर चेकनाका में तैनात अन्य प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट बिल्कुल माफियाओं के साथ सांठगांठ करने के मूड में नहीं दिख रहें हैं। वही सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी सामने आ रही है कि अंचल के अधिकारी और प्रखंड के पदाधिकारी अपनी पैनी नजर इन दिनों चेकनाका होकर गुजरने वाले सभी वाहनों पर कड़ी नजर जमाए हुए हैं और किसी भी सूरत में इस अवैध पत्थर खनन और परिवहन को लगाम लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि देखना दिलचस्प होगा कि यह अवैध पत्थर परिवहन का खेल पूरी तरह से कब तक खत्म हो पाता है या फिर कुछ दिन बाद यह खेल शुरू कर दिया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

हथियार के साथ युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड के पास से एक युवक को पुलिस ने हथियार के साथ दबोचने में सफलता हासिल की है। जिरवाबाड़ी थाना में बुधवार को सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक बस स्टैंड के पास चोरी, छिनतई करने के उद्देश्य से हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय व गश्ती पदाधिकारी एसआई बंटी यादव दलबल के साथ बस स्टैंड पहुंचे। पुलिस को वहां देखते ही संदिग्ध युवक भागने लगा। पुलिस ने युवक को खदेड़ कर दीप हॉस्पिटल के समीप दबोच लिया। तालशी लेने पर युवक की बायीं कमर से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मो अबूबकर उर्फ सोनू व पता गोड़ाबड़ी हटिया बताया। युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जहां छापामारी में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय, पुअनि बंटी यादव, आरक्षी दिनेश कुमार, शिव कुमार, होमगार्ड मनोज कुमार शामिल थे।

आईसीसीओए के द्वारा किसानों को जैविक कृषि का दिया गया प्रशिक्षण

बरहेट : प्रखंड के हरिसचंद्र पुर गांव में आई सी सी ओ ए (इंटरनेशनल कॉम्पिटेंस सेंटर फॉर ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर) के द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आई सी सी ओ ए के फील्ड असिस्टेंट अजय कुमार साह और रंजीत कुमार पंडित ने किसानों को जैविक खेती के बारे में जानकारी दिए और जैविक खेती से होने वाले लाभ के बारे में बताया। प्रोजेक्ट एक्सक्यूटिव बबन कुमार ने किसानों को बताया कि जैविक खेती करने से हम बीमारी से बचेंगे, हमारा जो खेत है वह बंजर होने से बचेगा, हमारा पर्यावरण अच्छा बना रहेगा, जब हम रसायनिक रहित भोजन करेंगे तो हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। ये भी बताया गया की अगर हमलोग इसी प्रकार रसायनिक खाद का प्रयोग करते रहेंगे तो आने वाले दिनों में हमारा भूमि बंजर हो जाएगा। इस कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। जिसमे निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और बीजामृत आदि जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।इस कार्यक्रम में वार्ड सदस्या सुमिना सोरेन, किसान शान्ति किस्कू, छीता हंसदा, पुंगी मुर्मू, छीटा हंसदा, लक्ष्मण तुरी और सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने ईडी के दुरुपयोग पर उठाए सवाल

बरहरवा : संगम गार्डन मोहरबादी मैदान रांची में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यसमिति की समीक्षात्मक बैठक में साहेबगंज जिला की ओर से जिला अध्यक्ष बरकत खान ने अपनी बातों को रखते हुए कहा कि राजमहल लोकसभा के सर्वमान्य नेता मंत्री आलमगीर आलम को विपक्ष ने ईडी का गलत प्रयोग करते हुए उन्हें गलत ढंग से फंसाया। लोकसभा चुनाव के दौरान आलमगीर आलम के निर्देश पर पूरे लोक सभा मे कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण अपने आपको आलमगीर आलम समझ कर गठबंधन के प्रत्याशी विजय कुमार हांसदा को तन मन धन से रिकॉर्ड मतों से जिताने का काम किया। साथ ही बरकत खान ने कहा कि गठबंधन के तहत राजमहल विधानसभा सीट पर कांग्रेस का प्रत्याशी दिया जाय ये सीट कांग्रेस पार्टी की परंपरागत सीट रही है यहाँ से जो भी प्रत्याशी होंगे उसे भारी मतों से जीता कर झारखंड विधानसभा में भेजने का काम करेंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश के अध्यक्ष राजेश ठाकुर जी ने किया मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर जी उपस्थित थे,साथ ही झारखण्ड के सभी मंत्री, विधायक, संसद, सभी जिला अध्यक्षगण एवं प्रभारी गण उपस्थित थे।

युवक का शव पत्थर खदान के समीप से बरामद

मंडरो : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के गड़रा बसाहा मुख्य सड़क के बीच स्थित गोसाईचक मौजा में बंद पत्थर खदान के समीप से बुधवार को मवेशी चरा रहे लोगों ने उक्त सड़क पर एवं सड़क के दोनों तरफ कई स्थानों पर खून का निशान के अलावे खून से लतपत एक बास का डंडा को देखा। इसकी सूचना आसपास फैल गई घटनास्थल की जानकारी मिलते कई गांव के लोग शव को देखने के लिए पहुंचने लगे और घटनास्थल पर सैकड़ो लोगों का भीड़ लग गया। इसकी सूचना मिजाचौकी पुलिस को दी गई सूचना पाकर मिजाचौकी थाना के एएसआई मोहम्मद कासिम पुलिस बल के साथ पहुचें और मामले की जांच में जूट गए है। शव बरामद होने के कई घंटे तक उसकी पहचान नहीं हो सका था। वही मृतक के शरीर पर कपड़ा के पहनावे से उसकी पहचान परिजनों के द्वारा की गई। शव का पहचान ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत भोंडाय गांव निवासी मंगल बास्की उम्र लगभग 50 वर्ष के रूप में हुई है। बताते चले की बरामद शव के चेहरे पर गंभीर जख्म के साथ-साथ मारपीट का कई निशान भी पाया गया है। शव को देखकर जैसा प्रथम दृश्यता प्रतीत हो रहा था कि अज्ञात अपराधियों के द्वारा बेरहमी से मारपीट कर शव को छुपाने के उद्देश्य से बंद पत्थर खदान के समीप एक झाड़ी में फेंक दिया गया था। वही शव के आसपास कई स्थानों पर खून का धंबा भी पाया गया है।

बाहुबली रतन सिंह का निधन

लालू को पहनाया था गोल्ड मुकुट

बेगूसराय। जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष और भूमिहार समाज के कद्दावर बाहुबली नेता रतन सिंह का आज सुबह निधन हो गया। बेगूसराय जिले के बरौनी प्रखंड क्षेत्र स्थित तिलरथ निवासी रतन सिंह पिछले कुछ समय से बीमार थे। आज सुबह करीब 6:00 बजे उठने के बाद अचानक बेचैनी महसूस हुई। आनन-फानन में परिजन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिला ही नहीं, राज्य भर से लोग श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंच रहे हैं। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय

मंत्री गिरिराज सिंह ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि सामाजिक सरोकारों में अग्रणी, बेगूसराय जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष रतन सिंह का असामयिक निधन अत्यंत दुःखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि रतन सिंह न केवल जिला परिषद और भूमिहार समाज के सर्वमान्य नेता थे, बल्कि जलेबार सेवा समिति और बिहार टैंकर एसोशिएशन के भी अध्यक्ष थे। बरौनी रिफाइनरी से जुड़े टैंकर संचालकों के हित के लिए लगातार समर्पित रहे। उनकी सभी जाति धर्म और पार्टी में एक अलग पहचान थी। राजद से जुड़े रतन सिंह के दामाद रजनीश कुमार एमएलसी और भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री भी बने। 21 अक्टूबर 2023 को पटना में आयोजित श्री कृष्ण सिंह जयंती समारोह में राजद अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को सोना का मुकुट पहनाकर बाहुबली नेता रतन सिंह ने बिहार के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी थी। जब रतन सिंह राजनीति में आए उस समय मंत्री श्रीनारायण यादव जिला में राजद के गार्जियन कहे जाते थे। दूसरी तरफ डॉ. भोला सिंह थे। दोनों का समर्थन रतन सिंह को मिला। विरोध में रह गई सीपीआई का साथ भी आगे चलकर मिल गया। 2004 के लोकसभा चुनाव में बलिया लोकसभा सीट के लिए राजद के दो नाम चल रहे थे। उसमें एक नाम मंत्री श्रीनारायण यादव के पुत्र सदानंद संबुद्ध उर्फ ललन यादव का और दूसरा रतन सिंह का था। हालांकि गठबंधन में लालू यादव ने यह सीट रामविलास पासवान को दे दी। जिसमें लोजपा के टिकट पर बाहुबली और अंडरवर्ल्ड में पहुंच रखने वाले सूरजभान सिंह सांसद बने तो विरोधी रतन सिंह से भी मेलजोल हो गया था।अपने समय में काफी चर्चित रहे रतन सिंह को 2000 में जिला बदर घोषित कर दिया गया था।भी कई तरह के केस-मुकदमे हुए और तमाम तरह के आरोप लगे जो कोर्ट में साबित नहीं हो सके।

भोजपुर में सुरक्षाकर्मियों ने स्वास्थ्य कर्मी पर किया हमला

भोजपुर। में सदर अस्पताल के न्यू इमरजेंसी वार्ड के गेट पर चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के साथ सुरक्षाकर्मियों ने मारपीट की, जिससे वह जख्मी हो गए। उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया गया। पीड़ित कर्मचारी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभी डुमरा गांव निवासी परमेश्वर प्रसाद हैं। वह सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम विभाग में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि सदर अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों के द्वारा परमेश्वर प्रसाद की जमकर पिटाई की गई। इसके बाद वह मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने बीच-बचाव किया। घटना के बाद कर्मचारियों ने इमरजेंसी, ओपीडी सहित सभी विभागों के कार्य का बहिष्कार कर दिया। पीड़ित कर्मचारी परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि वह पोस्टमार्टम लिखवाने वाले रजिस्टर को लेकर बाहर जा रहे थे। जब वह इमरजेंसी के गेट के पास पहुंचे, तभी अस्पताल में कार्यरत फिजियोथैरेपी चिकित्सक डॉ. विजय मिश्रा बाइक से इमरजेंसी वार्ड के पोर्टिको के पास पहुंचे और अपनी बाइक को पार्क कर रहे थे। तभी वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों द्वारा उनसे दुर्व्यवहार करते हुए अपनी बाइक को हटाने के लिए कहा गया। बुलाएंगे और उनसे बात करेंगे। मामला गंभीर है और जांच का विषय है। जांच की जाएगी। इसके अलावा इस मामले में जो भी दोषी होंगे उनपर कार्रवाई भी की जाएगी।

सुपौल में गड्ढे से मिले दो बच्चों के शव

सुपौल। में एक गड्ढे से दो बच्चों के शव मिले हैं। परिवार ने हत्या के बाद शव गड्ढे में फेंकने की आशंका जताई है। परिवार का कहना है कि पास ही आम का बगीचा है उसके चौकीदार ने बच्चों को मार के फेंक दिया होगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है। घटना सदर थाना क्षेत्र के सुखपुर गांव में श्रीपोखर के पास की है। नाबालिग की पहचान लक्ष्मण महतो के पुत्र सत्यम कुमार(10) और मकसूदन राम की पुत्री सोनी कुमारी(12) के रूप में हुई है। सत्यम दो भाइयों में सबसे बड़ा था, जो गांव के ही प्राइमरी स्कूल में पहली क्लास का छात्र था। वहीं सोनी कुमारी पांच बहनों में तीसरे स्थान पर थी। दोनों पड़ोसी थे। मृतक सत्यम के चाचा सुरेश महतो ने बताया कि दोनों बच्चे मंगलवार से गायब थे। आम के बगीचे की रखवाली करने वाले चौकीदार ने बुधवार को सुबह दोनों नाबालिग लड़के और लड़की के शव को देखा और गांव में सूचना दी।

सुरेश महतो ने चौकीदार पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमें तो लगता है कि दोनों आम चुनने गए होंगे तो उसने ही दोनों को मारकर गड्ढे में डाल दिया है। मृतका सोनी कुमारी के चाचा राजकुमार ने बताया कि वह पड़ोस में रहने वाले सत्यम की दादी पुनिता देवी के साथ बकरी चराने के लिए मंगलवार की दोपहर को घर से निकली थी। इसके बाद से दोनों सत्यम और सोनी लापता हो गए। उनके देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर काफी खोजबीन की गई, लेकिन वह नहीं मिले। जिसे लेकर सभी चिंतित थे।

थाने को घटना की सूचना दी। परिवार वालों को आशंका है कि दोनों की हत्या कर शव को गड्ढे में फेंक दिया गया है। परिजनों ने बताया कि उनके बच्चों के गले पर निशान बना हुआ है। जिससे लगता है कि उन दोनों की हत्या गला घोंटकर की गई है।

मोतिहारी में व्यवसायी को अपराधियों ने मारी 2 गोली

मोतिहारी। में मंगलवार देर शाम एक व्यवसायी को अपराधियों ने गोली मार दी। साथ ही पैसा से भरा बैग छीन कर मौके से फरार हो गए। व्यवसायी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। वहीं, गोली की आवाज सुन कर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायल व्यवसायी को आनन-फानन में घोड़ासहन PHC में भर्ती कराया। जहां उसका प्रथम इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद सिकरहना SDPO अशोक कुमार घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना घोड़ासहन थाना क्षेत्र के अहमद नगर के पास की है। घायल व्यवसायी की पहचान घोड़ासहन के शंभु जयसवाल के बेटे सुजित जयसवाल(27) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सुनील का घोड़ासहन में अपना दुकान है। दुकान बंद कर अपने बाइक से वो घर जा रहे थे। इसी बीच दुकान से महज 200 मीटर की दूरी पर एक बाइक पर सवार 3 अपराधियों ने उस पर गोली चला दी। इस दौरान सुजित को एक गोली बाह में और दूसरी पेट में लगी। गोली लगने के बाद सुजित वहीं पर गिर गया। इसके बाद अपराधी बाइक से उतर कर दिन भर का बिकरी का पैसा जिस बैग में था, करीब 3 लाख लेकर फरार हो गए। दो अपराधी पैदल फरार हो गया, जबकि एक बाइक लेकर भाग गया। उसके बाद गोली की आवाज सुन कर आसपास के लोग जमा हुए। घायल को इलाज के लिए हॉस्पिटल लेकर आए। जहां से डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया। घायल सुजित ने बताया की वह अपने बाइक से दुकान बंद कर जा रहा था। घटना की सूचना मिलने के बाद सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की जांच में जुट गए हैं। वहीं, अपराधियों की पहचान करने के लिए आसपास में लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है।

15 जून से बंद होगा वीटीआर अब तक 81991 पर्यटक पहुंचे

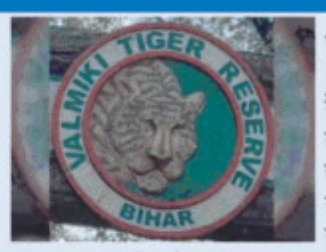

बगहा। के VTR (वाल्मीकि टाइगर रिजर्व) के पर्यटन सत्र का औपचारिक समापन 15 जून को होता है। हालांकि कई दफा मौसम के मिजाज पर इसका समापन किया जाता है। अगर मानसून पहले आ गया और लगातार बारिश हो गई तो फिर पर्यटन सत्र की समाप्ति की जाती है। अगर मानसून बाद में आई तो फिर देर से पर्यटन सत्र की समाप्ति होती है हालांकि अभी औपचारिक समापन के लिए कोई पत्र या फिर आदेश निर्गत नहीं हुआ है। लेकिन जैसे ही बरसात की शुरूआत होगी और लगातार बारिश होगी, वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र की समाप्ति कर दी जाएगी। इसके बाद वीटीआर को पर्यटकों के लिए अक्टूबर माह में खोला जायेगा। जैसे-जैसे पर्यटन सत्र की समाप्ति की तिथि नजदीक आ रही वैसे-वैसे पर्यटकों की भीड़ श्ळफ में पहुंच रहा है। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वाल्मीकि नगर में जून महीने में 1 जून से लेकर 10 जून तक सभी होटलों में नो रूम का बोर्ड लग गया था। वन संरक्षक डॉक्टर नेशामनी के ने बताया कि जून महीने में लगभग 13 हजार पर्यटकों की संख्या हो सकती है। जबकि पूरा जून टाइगर रिजर्व नहीं चलेगा। ऐसे में यह चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। डॉक्टर नेशामनी के ने बताया कि मानसून के सक्रिय होते ही पर्यटन सीजन खत्म हो जाएगा, अभी तक लगातार बारिश नहीं हुई है। इसलिए पर्यटन सीजन मानसून तक जारी रहेगा। अप्रैल से मई तक कुल पर्यटक 81991 पर्यटक पहुंचे हैं। जिसमें भुगतान करने वाले 12069 पर्यटक पहुंचे हैं, जबकि 69923 पर्यटक स्वतंत्र रूप से पहुंचे हैं। पर्यटक सत्र बंद होने के साथ ही वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी, गंडक सफारी के साथ वाल्मीकि आश्रम बंद रहता है। वहीं इसके अलावा अन्य सुविधाएं खुली रहेंगी। दरअसल, बरसात के समय में पहाड़ी नदियों के द्वारा लाई गई रेत मिट्टी और पत्थर जंगली रास्ते को अवरूद्ध कर देता है। इसके साथ ही बरसात में पहाड़ों पर गाड़ियों के चढ़ने में दिक्कत होती है। वही यह समय जानवरों के लिए मीटिंग का सबसे सुरक्षित समय बताया जाता है। इसके ख्याल से भी गाड़ियों के परिचालन पर अंकुश लगाया जाता है। अक्टूबर माह में वीटीआर का गेट पुनः सैलानियों के लिए खुलेगा। हिरणों के कुलाचों को लेकर देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुके वीटीआर 1994 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व स्थापित किया गया था। इसके बाद लगातार वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में विकास की कड़ी एक-एक कर जुड़ती जा रही है।

बच्चों के विवाद में दो समुदाय के बीच तनाव

भागलपुर। में मंगलवार की देर रात आपसी विवाद को लेकर दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। मामला बरारी थाना क्षेत्र के बनिया टोली लेने का है। बताया जा रहा है कि बच्चों के बीच आपसी विवाद हुआ था। जिसके बाद दो समुदाय के बीच तनाव की स्थिति हो गई। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बरारी थाने की पुलिस, दंगा बल, सीआईएटी और डायल-112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित में किया। सूचना के बाद अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। देर रात शांति समिति और दोनों पक्षों के परिजनों के साथ बैठक आयोजित कर मामले को सुलझा दिया गया है। घटनास्थल पर दंडाधिकारी सहित पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। घटनास्थल पर पहुंची। स्थिति को नियंत्रित कर लिया। इधर, एसडीओ, एसडीपीओ भी मौके पर पहुंचे और शांति समिति की बैठक की गई।

नियोजित शिक्षक को नए स्कूल में अनुभव के आधार पर वरीयता मिलें

पटना। आईएएस के के पाठक को शिक्षा विभाग से विदा होते ही शिक्षक संघ एक्टिव हो चुका हैं। सीएम, सीएस और शिक्षा एसीएस को पत्र लिखा जा रहा है। परिवर्तनकारी माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षक संघ ने सरकार से मांग की है की सक्षमता पास नियोजित माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों को नियोजित शिक्षक नियमावली में के प्रावधान के अनुसार प्रोन्नति की मांग किया जा रहा है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार क्रांति ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग को ईमेल के जरिए अपनी मांग रखी है। शिक्षा अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ को भेजें मांग पत्र में कहा गया है कि नियोजित माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों को नियोजित शिक्षक नियमावली में प्रावधान के अनुरूप विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्त करने की कृपा करें। अरुण क्रांति ने मांग की है कि नियोजित शिक्षक के पूर्व की सेवा का लाभ देते हुए विशिष्ट शिक्षक बनने की तिथि से 6 महीने के अंदर प्रोन्नति दें। को अतिशीघ्र पोस्ट किया जाए। हम बता दें कि बिहार सरकार जल्द ही नए स्कूल में पोस्टिंग करने वाली है। लोकसभा चुनाव के पहले सक्षमता पास नियोजित शिक्षकों को जिला आवंटन हो चुका है। माना जा रहा है कि कभी भी किसी भी वक्त इन नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक के तौर पर पोस्टिंग कर दी जाएगी।

22 जुलाई से श्रावणी मेला का शुभारंभ

मुजफ्फरपुर। के प्रसिद्ध बाबा गरीब नाथ मंदिर में श्रावणी मेला में लाखों की संख्या में भक्त जलाभिषेक करने पहुंचते है। श्रद्धालु और भक्तों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने, भीड़ प्रबंधन और विधि व्यवस्था को लेकर जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में मंदिर न्यास समिति, स्वयं सेवी संस्थाओं और प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक की गई।बैठक में न्यास समिति के सदस्यों तथा स्वयं सेवी संस्थाओं से भी आवश्यक सुझाव और फीडबैक प्राप्त किए। श्रावणी मेला का शुभारंभ 22 जुलाई से होगा। मेला का विधिवत उद्घाटन 21 जुलाई शाम 4 बजे किया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने श्रद्धालु भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर के अंदर, मंदिर के बाहर, कांवरिया पथ और ठहराव स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। महत्वपूर्ण जगहों पर सीसीटीवी पर्याप्त मात्रा में लगाने, उसे कार्यरत रखने और प्रभावी मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग को वॉच टावर लगाने, बैरिकेडिंग करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। शहर में नियमित रूप से साफ-सफाई करने, जल जमाव की समस्या को दूर करने, मंदिर में लाइव टेलीकास्ट और पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था करने का निर्देश नगर निगम के अपर नगर आयुक्त को दिया। जिलाधिकारी ने बुडको स्मार्ट सिटी के इंजीनियर, सीजीएम और एनएचएआई के इंजीनियर को अगली बैठक में बुलाने का निर्देश दिया। कांवरिया पथ पर यातायात नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी और डीएसपी ट्रैफिक को दिया। उन्होंने ट्रैफिक प्लान के तहत जगह-जगह साइनेज लगाने का निर्देश दिया। बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को श्रद्धालु भक्तों के रूट लाइन और अन्य जगह पर तार की स्थिति का निरीक्षण करने और जर्जर तार को बदलने का निर्देश दिया। श्रद्धालु भक्तों की सुविधा के लिए जगह-जगह पर बनाए जाने वाले ठहराव स्थल पर स्नानागार, शौचालय, पेयजल, बिजली की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता को विशेष दल का गठन कर शौचालय की नियमित साफ-सफाई का ध्यान रखना और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए पेयजल की उत्तम व्यवस्था करने को कहा। इसके लिए आवश्यकता अनुसार सोख्ता बनाने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त कंट्रोल रूम स्थापित करने और तीन पाली में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर मेला का प्रभावी मॉनिटरिंग करने को कहा । उन्होंने सिविल सर्जन को श्रद्धालु भक्तों की सुविधा के प्रति 3 किलोमीटर पर स्वास्थ्य कैंप लगाने और आवश्यक दवा के साथ डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त डायरी

बेगूसराय के सूरज अब हर महीने कमा रहे डेढ़ लाख रुपए स्टाफ को दे रहे 17 हजार तक की सैलरी

बेगूसराय। के विष्णुपुर मुहल्ला निवासी सूरज कुमार ने 45 हजार रुपए की मुंबई मेट्रो की जॉब छोड़कर अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया। 2022 में उन्होंने नौकरी छोड़ी आज वे 1 से डेढ़ लाख रुपए हर महीने कमा रहे हैं। वे हर माह 1 हजार से 12 सौ शर्ट बना रहे हैं। इसके लिए उन्होंने विभिन्न नामी ब्रांड के कारीगर से संपर्क किया और अपने पास बुलाया। उत्पादन अच्छा हुआ तो अमेजन और फ्लिपकार्ट ने भी इनके ब्रांड को बेचना शुरू कर दिया। अपने 15 स्टाफ को 15 से 17 हजार सैलरी दे रहे हैं। व्यवसाय शुरू करने से पहले स्थानीय बाजार में भी रिसर्च करना शुरू किया। कोलकाता का कपड़ा बाजार और सूरत में जाकर भी इसमें बहुत सारी जानकारी इकट्ठा की। सारी जानकारी लेने के बाद पीएमईजीपी योजना से 5 लाख लोन लिया। पांच ऑटोमेटिक सिलाई मशीन के अलावा काज, बटन, इंटरलॉक, स्टिचिंग के लिए अलग से मशीन लगाई। TWING TAILOR के बाद अब जल्द यह BARBARY LION ब्रांड नाम से प्रीमियम क्वालिटी की शर्ट बाजार में लाने वाले हैं। सूरज का कहना है कि पिताजी देश सेवा कर रहे हैं तो मुझे शुरू से लग रहा था कि अपने जन्मभूमि पर कुछ किया जाए। डेढ़ साल पहले हमने स्टार्ट किया, महीने के लाख से डेढ़ लाख कमा रहा हूं। मुझे इस ब्रांड को पूरे भारत में ले जाना है। आत्म बल और क्षमता हो तो कुछ भी किया जा सकता है। बाजार में जो महंगा कपड़ा आ रहा है, उसमें जो फैब्रिक में दे रहे हैं, 2500 से 3000 में शर्ट देते हैं, सेम वहीं हम 600 से 1200 तक में दे रहे हैं। अहमदाबाद, सूरत, दिल्ली से रॉ मेटेरियल मंगवाते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां ब्रांडिंग पर करोड़ों खर्च कर अधिक कीमत वसूलती है। हमने अपने ब्रांडिंग के लिए कोई बड़े स्टार को नहीं रखा है, बल्कि लोकल मॉडल से ब्रांडिंग करवा कर सस्ते दामों में अच्छे क्वालिटी और अच्छे डिजाइन का कपड़ा लोगों तक पहुंचा रहे हैं। स्थानीय बाजार के अलावा ऑनलाइन से देश के बड़े-बड़े शहरों से भी ऑर्डर आ रहा है। सूरज के पिता कुंदन कुमार भारतीय सेना में नौकरी कर रहे हैं। 10 मई 1997 को बेगूसराय में जन्मे सूरज ने मैट्रिक और इंटर बेगूसराय से की। 2019 में कलिंगा यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री लेते ही मुंबई मेट्रो में नौकरी मिल गई। जहां 45000 रुपए प्रत्येक महीना सैलरी के अलावा अन्य सुविधा भी थी।

गोपालगंज में यहां मिलेगा जंगल जैसा मजा एक पेड़ से निकली हैं 200 शाखाएं

गोपालगंज। के वैकुंठपुर प्रखंड के राजापट्टी स्थित सोनासती देवी मंदिर के पास एक विशाल वट वृक्ष चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण है कि अकेले एक पेड़ ने आज पूरे जंगल का रूप ले लिया है। इसकी 200 शाखा फैली हुई है। बताया जाता है कि कभी यहां अंग्रेज नील की खेती किया करते थे। इसके बाद उसने बरगद का पेड़ लगाया था, जो आज एक जंगल का रूप ले चुका है। दरअसल, पूरा विश्व इन दिनों ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से परेशान है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर सभी विचार कर रहे हैं। इसी बीच जिले के एक पेड़ ने दो सौ तना के साथ पूरे एरिया को एक जंगल का आकार दे दिया है। कल-कारखाने नहीं रहने के कारण यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स भी करीब 240 रहता है। हमीदपुर गांव निवासी 70 वर्षीय विदेश्वरी राय ने बताया कि हम लोगों के जन्म के पहले का यह पेड़ है। अंग्रेजो के जमाने में यह पेड़ लगाया गया था, जो एक बीघा में था। धीरे-धीरे यहां अतिक्रमण होता गया और इसका दायरा कम हो गया। यहां पूजा पाठ होता है। यहां काफी ठंढक महसूस होती है। एक पेड़ से सौ डेढ़ सौ तना हो गया है। बरसात के मौसम में यहां घना जंगल हो जाता है, यहां से निकलने के लिए जगह नहीं मिल पाता है। इस पेड़ की एक अनोखी कहानी और खासियत भी है। जिला मुख्यालय गोपालगंज से 60 किलोमीटर दूर स्थित सोनासती देवी मंदिर के पास मौजूद इस पेड़ के सामने अंग्रेजों की हवेली का खंडहर हुआ करता था, जो अब दूर-दूर तक नहीं दिखाई देता है। लेकिन यह विशाल वट वृक्ष आज भी वैसे ही खड़ा है। कोठी में नीलहे साहब के साथ उनकी पत्नी हेलेन भी रहती थी। आसपास की महिलाएं यहां सोनासती मइया की पूजा करने आती थी। हेलेन ने इस पेड़ को संरक्षित किया था, ताकि पूजा-पाठ हो और मजदूरों को छाया मिल सके। इस पेड़ की खासियत यह है कि इस पेड़ के बीच में और नीचे तापमान अन्य जगहों से 5 से 6 डिग्री कम रहता है। गर्मी के दिनों में चलने वाली लू और गर्म हवाएं भी इसकी छाया में पहुंच कर ठंडी हो जाती है। इस पेड़ की शाखा एक-दूसरे से गूंथकर जमीन में अपनी मोटी जड़ जमा कर चुकी है। जड़ों के लिहाज से यहां सिर्फ एक पेड़ की वजह से जंगल जैसा नजारा दिखता है। जानकारों के अनुसार सामान्य वट वृक्ष की शाखा और मोटी जड़ कार्बन सोखने के लिए फिल्टर का काम करती है। एक सामान्य पेड़ की शाखा 50 से 60 किलोग्राम कार्बन-डाई ऑक्साइड सोखती है। पर्यावरणविद डॉ संजय पांडेय ने बताया कि इस अक्षय वट का बॉटिनिकल नाम- फिक्स रीलिजोसा है, जबकि फैमिली-मोरसिया है। बरगद या पीपल का पेड़ सूर्य की किरणों से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया कर कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। जितनी विशालता इस पेड़ की है, यह एक साल में 260 टन से ज्यादा कार्बन अवशोषित करने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि जब बाहर का तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच हो, तो इसकी छाया में पारा 35 से 36 डिग्री रहता है।

शिल्प और चित्रकलाओं से अटी पड़ी है अजन्ता की गुफाएं

बारिश के दौरान जाएं मालशेज घाट हिल स्टेशन

अगर आप अगस्त और सितंबर माह में घूमने-फिरने का मूड बना रहे हैं तो महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित मालशेज घाट का रुख कर सकते हैं। मालशेज घाट को आप एक पहाड़ी दर्रे की तरह मान सकते हैं जो कि पश्चिमी घाट श्रृंखला की ऊंची और उबड़-खाबड़ पहाड़ियों में स्थित है।

पहाड़ियों से घिरी इस जगह पर अगर आप अगस्त और सितंबर माह के दौरान आते हैं तो समझिए कि यहां आपके पूरे पैसे वसूल हो जाएंगे। इस दौरान यहां के हरे-हरे पुदीने की छाया में लिपटे पहाड़ और मानसून की ठंडक का अहसास आपके आनंद को कई गुना बड़ा देगा। मानसून के चलते यहां के झरनों की सुंदरता और हरियाली इतनी बढ़ जाती है कि पर्यटकों की नजरें उन्हें निहारती ही रहती हैं। इस समय यहां आपको सैकड़ों तरह के फ्लोरा और फौना भी दिखेंगे। बारिश के सीजन में पुणेवासियों के लिए तो ये सबसे पसंदीदा जगह होती है।

बारिश के दिनों में यहां का मौसम इतना निराला होता है कि प्रवासी पक्षी फ्लेमिंगो इस जगह पर सुदूर स्थलों से अपना डेरा डालने के लिए आते हैं।

कैसे पहुंचें मालशेज घाट

नजदीकी एयरपोर्ट मुंबई 154 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप रेल के जरिए मालशेज आना चाहते हैं तो कल्याण पहुंच सकते हैं। कल्याण से मालशेज के लिए राज्य परिवहन की बसें चलती हैं। इस तरह की बसें करजाट और पुणे से ली जा सकती हैं।

प्रमुख स्थलों से दूरी

मुंबई से मुरबाद होते हुए मालशेज घाट की दूरी 154 किलोमीटर है। पुणे से आलेफाटा होते हुए मालशेज घाट की दूरी 164 किलोमीटर है। जबकि आलेफाटा से मालशेज घाट की दूरी महज 39 किलोमीटर है।

कहां ठहरें

यदि संभव हो तो मालशेज घाट आने से पहले ही ठहरने की व्यवस्था कर लें। खासकर अगर आप जुलाई-अगस्त के मानसून सीजन में यहां आ रहे हैं तो पहले से ही बुकिंग करा लें क्योंकि ज्यादातर होटलों के कमरे इस दौरान बुक हो जाते हैं। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम का 'प्लेमिंगो हिल्स' यहां का सबसे बड़ा रिसोर्ट है। इसके आसपास का नजारा भी आखों को सुकून देने वाला है और यहां खाने की भी वेराइटी मिलती है।

अगर किसी होटल या रिसॉर्ट में कोई रूम खाली नहीं मिलता है तो यहां से छह किलोमीटर दूर स्थित मध गांव का भी रुख किया जा सकता है।

दर्शनीय स्थल

मालशेज घाट से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शिवनेरी किला स्थित है। इस किले में शिवाजी का जन्म हुआ था।

मालशेज घाट पर कुछ लोग आपको ट्रैकिंग करते भी दिख जाएंगे। पहाड़ से जंगल और वादियों का बेहद रमणीय नजारा दिखता है। यहां आसपास कई झरने गिरते दिखेंगे। यहां की हरियाली मानसून के दौरान बेहतरीन नजारा प्रस्तुत करती हैं।

शिल्प कला का बेजोड़ नमूना है एलोरा

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं विश्वप्रसिद्ध एलोरा की गुफाएं। ये गुफाएं भारतीय शिल्प कला का बेजोड़ नमूना हैं।

करीब 1400 साल पुराने एलोरा की गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज के रूप में संरक्षित किया जा रहा है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी भारतीय कला की इस उत्कृष्ट कृति को देख सके।

औरंगाबाद से 30 किलोमीटर दूर स्थित एलोरा की गुफाओं में 34 गुफाएं शामिल हैं। ये गुफाएँ बेसाल्टिक की पहाड़ी के किनारे बनी हुई हैं। इन गुफाओं में हिंदू, जैन और बौद्ध तीन धर्मों के प्रति आस्था के त्रिवेणी संगम का प्रभाव देखने को मिलता है।

यदि आप भी दुनिया घुमने के शौकीन हैं तथा कलाप्रेमी हैं तो एलोरा आपके लिए एक अच्छा पर्यटनस्थल है। यहां की गुफाओं में की गई नायाब चित्रकारी व मूर्तिकला अपने आप में अद्भुत हैं। इसके साथ ही यहां की गुफाएं धार्मिक सद्भाव की अनूठी मिसाल हैं।

एलोरा की गुफाओं में स्थित है कैलाश मंदिर, जो दुनिया भर में एक ही पत्थर की शिला से बनी हुई सबसे बड़ी मूर्ति है। इस विशालकाय मंदिर को तैयार करने में करीब 150 साल लगे और करीब 7000 मजदूरों ने लगातार इस पर काम किया।

क्या देखें

एलोरा उत्सव

प्रत्येक वर्ष ठंड के मौसम में महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एलोरा महोत्सव का आयोजन करती है। पहले कैलाश मंदिर का इस्तेमाल एलोरा महोत्सव के लिए किया जाता था। लेकिन अब औरंगाबाद में ही स्थित खूबसूरत सोनेरी महल में एलोरा महोत्सव को मनाया जाता है। सोनेरी महल डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर मराठावाड़ा विश्वविद्यालय में स्थित है। इस महोत्सव में नृत्य और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इस महोत्सव के लिए देशभर से नृत्य और संगीत की दुनिया के मशहूर कलाकारों को आमंत्रित करती है। इस उत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध विरासत भारतीय नृत्य व संगीत कला को उजागर करना है। इस उत्सव में शास्त्रीय और लोक नृत्य और संगीत का आयोजन होता है, जिसे भारत के मशहूर कलाकार प्रस्तुत करते हैं।

अजंता

अगर आप एलोरा जाते हैं तो अजंता की गुफाओं को देखना ना भूलें। यहां बौद्ध धर्म से जुड़ी शिल्पकलाओं और चित्रकलाओं से अटी पड़ी गुफाएं हैं। ये मानवीय इतिहास में कला के उत्कृष्ट अनमोल समय को दर्शाती है।

कैसे पहुंचे एलोरा

औरंगाबाद से एलोरा की दूरी 30 किलोमीटर है। मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, नासिक, इंदौर, धूले, जलगांव, शिरडी आदि शहरों से औरंगाबाद के लिए बस सुविधा उपलब्ध है। सोमवार का दिन छोड़कर आप कभी भी एलोरा जा सकते हैं। औरंगाबाद रेलवे स्टेशन से दिल्ली व मुंबई के लिए ट्रेन सुविधा भी आसानी से मिल जाती है।

कहां ठहरें

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन के पास महाराष्ट्र पर्यटन विभाग का होटल है। इसके अलावा आप शिरडी या नासिक में भी रात्रि विश्राम कर सकते हैं।

बारिश में देखें अंबोली हिल स्टेशन की खूबसूरती

बारिश की फुहारों का मजा अगर किसी हिल स्टेशन पर लिया जाए, तो ये अनुभव जिंदगी में कभी भुलाए नहीं भूलता। कुछ ऐसा ही एहसास दिलाने वाली जगह है अंबोली। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले की सहयाद्री पहाड़ियों की दक्षिणी श्रृंखला में स्थित ये गुमनाम सा हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत है। यहां कई ऐसे जगह हैं जहां से हरे-भरे पर्वत और उपजाऊ धरती के मनोरम दृश्य का भरपूर आनंद लिया जा सकता है। अंबोली फैमिली छुट्टियों के लिए परफेक्ट वीकेंड डेस्टिनेशन है।

कैसे पहुंचें अंबोली

इस हिल स्टेशन से महज 28 किलोमीटर की दूरी पर सावंतवादी रेलवे स्टेशन है। अगर आप हवाई यात्रा करके आ रहे हैं तो यहां का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट बेलगाम है जो कि यहां से 64 किलोमीटर दूर है। यहां पर आने के बाद आप आगे की यात्रा के लिए थ्री व्हीलर रिक्शा या टैक्सी ले सकते हैं जो कि आपको बस स्टैंड के पास से ही मिल जाएगी। राज्य परिवहन की बसें वेंगुरला, सावंतवादी, रत्नागिरी और बेलगाम से रोज अंबोली के लिए चलती हैं।

प्रमुख स्थलों से दूरी

मुंबई से अंबोली की दूरी 549 किलोमीटर है। तो पुणे से यह हिल स्टेशन 390 किलोमीटर दूर स्थित है।

कहां ठहरें

अंबोली में कुछ अच्छे और सस्ते होटल हैं। इनमें होटल व्हिस्लिंग वूड्स, साइलेंट वैली रिसॉर्ट शांति दर्शन और होटल शिव माल्हार प्रमुख हैं। इनके साथ ही महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के रिसॉर्ट भी यहां मौजूद हैं। लगभग सभी में रेस्टोरेंट, रूम सर्विस और कैब सर्विस मौजूद हैं।

दर्शनीय स्थल

अंबोली गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर, जिसे हिरन्याकेशी भी कहा जाता है, से एक जल की धारा निकलकर कृष्णा नदी में मिलती है। ये शिव मंदिर एक गुफा में हैं और यहीं से ये धारा निकलती है। ऐसा माना जाता है कि यहां करीब 108 शिव मंदिर है लेकिन इनमें से अभी तक कुछ ही उजागर हो पाए हैं।

हिरन्याकेशी के अलावा यहां नागत्ता जलप्रपात, महादेवगढ़ और नारायणगढ़ भी जरूर देखें। यहां आप पिकनिक का मजा भी उठा सकते हैं। घने जंगलों और गहरी घाटियों के बीच से कोंकण तट का नजारा भी बहुत संदर दिखता है। इस हिल स्टेशन से 10 किलोमीटर की दूरी पर आप बाक्साइट की खान भी देख सकते है। अगर आप मछली पकड़ने के शौकीन हैं तो हिरन्याकेशी में आप घंटों इसका मजा ले सकते हैं।

आप यहां माधवगढ़ किले के अवशेष देख सकते हैं। यहां की मुख्य सड़क पर एक युद्ध स्मारक भी अवस्थित है। इसके अलावा आप सनसेट पॉइंट, परीक्षित पॉइंट, शिरगांवकर पॉइंट का भी लुत्फ ले सकते हैं। मानसून सीजन में यहां होने वाली अच्छी बारिश से यहां मौजूद झरने और धुंध से यहां की प्राकृतिक छटा की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। बारिश का मजा और कुछ दिनों के एकांत के लिए अंबोली एक शानदार सैरगाह है।

महाराष्ट्र दर्शन में लें डेक्कन ओडिसी में सफर का मजा

रेलवे ने पैलेस ऑन व्हील्स की तर्ज पर बनाई गई डेक्कन ओडिसी ट्रेन। इसका सुकून भरा सफर आपकी महाराष्ट्र यात्रा का मजा दुगना कर देगा। ये ट्रेन मुंबई से चलकर रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, गोवा, बेलगाम, कोल्हापुर, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, अजंता-एलोरा और फिर वापस मुंबई लौटती है।

वैसे तो महाराष्ट्र की सैर करने के लिए आपको कई ट्रेनें मिल जाएंगी लेकिन डेक्कन ओडिसी की बात कुछ अलग है। ये ट्रेन महाराष्ट्र में पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण सभी क्षेत्र कवर करती है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से चलकर ये ट्रेन रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, गोवा, बेलगाम, कोल्हापुर, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, अजंता-एलोरा और फिर वापस मुंबई लौटती है।

डेक्कन ओडिसी दरअसल एक सुपर डीलक्स लग्जरी ट्रेन है जिसे महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड भारत सरकार के रेल मंत्रालय के साथ मिलकर चलाता है। सुख-सुविधाओं के मामले में इस ट्रेन का देश में वही स्थान है जो कि साउथ अफ्रीका में ब्लू ट्रेन और यूरोप में ओरिएंट एक्सप्रेस का है। इस ट्रेन का शानदार इंटीरियर, स्वादिष्ट भोजन और इसकी बेहतरीन साइट्स आपके सफर को यादगार बना देगी। 21 कोचों वाली इस ट्रेन में 12 यात्री कोच हैं। यहां आपको स्पा और बार तक का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। इसके अलावा ट्रेन में टीवी, केबल कनेक्शन, सेल फोन, चैनल म्यूजिक और फॉरेन एक्चेंज जैसी कई सहूलियतें भी मिलेंगी।

सात दिनों में महाराष्ट्र दर्शन कराने वाली इस ट्रेन का सफर सप्ताह में बुधवार के दिन मुंबई से शुरू होता है। सफर के दूसरे दिन ये ट्रेन सिंधुदुर्ग नगरी पहुंचती है। यहां आपको सिंधुदुर्ग का प्रसिद्ध किला, तरकार्ल बीच, धमपुर गांव देखने का मौका मिलेगा। तीसरे दिन यह ट्रेन गोवा पहुंचेगी। यहां आप सेंट ऑगस्टिन चर्च जैसे तमाम मशहूर चर्च और अन्य म्यूजियम देख सकते हैं। चौथे दिन ट्रेन आपको गोवा (वास्को) की सैर कराएगी। यहां आप प्रसिद्ध हिंदू मंदिर मंगेशी, साफा मस्जिद, सहकारी स्पाइस फार्म और चंदोर गांव में स्थित मेनेजेज़ ब्रिगेंजा हाउस का मजा सकते हैं। इसके बाद ट्रेन का सफर आपके लिए और भी रोमांच भरा होता जाएगा। यात्रा के पांचवें दिन ट्रेन कोल्हापुर पहुंचेगी और यहां आप दर्शन करेंगे प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर के। इसके अलावा यहां आपको न्यू पैलेस, म्यूजियम निहारने का मौका भी मिलेगा।

यात्रा के छठे और सातवें दिन आपकी आंखों को वो अनुभव प्राप्त होगा, जिसे आप ताउम्र नहीं भूलेंगे। छठे दिन आपको औरंगाबाद-दौलताबाद में एलौरा की गुफाएं व बिबी का मकबरा देखने का मौका मिलेगा। सातवें दिन विश्व प्रसिद्ध अंजता की गुफाओं में जाने का अवसर मिलेगा। इस दिन आप नासिक भी घूमेंगे। महाराष्ट्र के इन सभी बेहतरीन स्थानों के दर्शन कराने के बाद ये ट्रेन आठवें दिन वापस मुंबई लौट आती है।

टी20 विश्व कप में आज होगा बांग्लादेश और नीदरलैंड में मुकाबला

किंग्सटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में गुरुवार को बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीम बड़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ के लिए अपनी संभावनाएं बनाए रखने उतरेंगी। ग्रुप डी में बांग्लादेश की टीम अभी दूसरे स्थान पर है। इसके साथ ही उसके और डच टीम नीदरलैंड के बराबर दो दो अंक हैं पर बांग्लादेश की टीम बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अभी दूसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल और श्रीलंका के एक-एक अंक हैं पर उनके पास भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में जगह बनाने का अवसर है। बांग्लादेश ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को दो विकेट से हराया था पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। नीदरलैंड की टीम भी पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार गई थी और उसे भी सुपर आठ की दौड़ में बने रहने ये मैच किसी भी हालत में जीतना होगा। इस मैच में बांग्लादेश डच टीम को हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि वह उलटफेर में सक्षम है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

बांग्लादेश = नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तनजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम और तनजीम हसन साकिब।

नीदरलैंड = स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगन वैन बीक, मैक्स ओडॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, सिब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा और वेस्ले बैरेसी।

टी20 विश्व कप में अबतक हावी रहे हैं गेंदबाज

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में पहली बार खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक गेंदबाज हावी रहे हैं। यहां तक कि टीम की जीत भी गेंदबाज ही तय कर रहे हैं। अभी तक केवल ऑस्ट्रेलियाई टीम ही यहां 200 के आंकड़े तक पहुंच पायी है। वहीं अधिकतर टीम 150 रनों के अंदर ही सिमटी हैं। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया है। फिर चाहे सामने कमजोर टीम हो या बराबरी के स्तर वाली।

सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है।

वहीं भारत के जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट लेकर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्टनील बार्टमैन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन बीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

टी-20 विश्वकप इतिहास में कुल सात गेंदबाज ने अब तक सबसे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि हासिल है, जिसमें चार गेंदबाज एशिया से हैं। वर्ष 2007 और 2009 में पाकिस्तान के उमर गुल, साल 2021 और 2022 में श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा दो ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में दो बार सबसे अधिक विकेट हासिल करने की उपब्लब्धि हासिल थी।

टी20 विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। लेग स्पिनर एडम जंपा की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप क्रिकेट के ग्रुप बी में नामीबिया को आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में नामीबिया को 17 ओवर में 72 रन पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले आसान से लक्ष्य को केवल 34 गेंदों पर एक विकेट पर 74 रन बनाकर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 34 और कप्तान मिचेल मार्श ने 18 रन बनाये। वहीं डेविड वार्नर ने आठ गेंद पर 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने एक मैच शेष रहते हुए ही सुपर आठ में जगह बना ली है। वहीं नामीबिया की यह तीन मैच में दूसरी हार है जिससे वह सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गया है।

वहीं स्कॉटलैंड और इंग्लैंड ग्रुप बी से दूसरे स्थान की दौड़ में बने हुए हैं। नामीबिया की टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसकी ओर से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने सबसे अधिक 36 रन बनाए जिससे नामीबिया 43 रन पर आठ विकेट खोने के बाद मुश्किल से 50 रन के ऊपर पहुंच पायी। नामीबिया का ये टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम स्कोर है। जंपा ने बीच के ओवरों में घातक गेंदबाजी कर चार ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए।

जंपा ने इसी के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी हासिल कर ली है। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। वहीं जोश हेज़लवुड ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन (10) और निको डेविन (02) को आउट किया। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने तीन ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए जबकि कप्तान पैट कमिंस और नाथन एलिस ने एक-एक विकेट लिया।

पिच कठिन होने के कारण कनाडा के खिलाफ हासिल नहीं कर पाये नेट रन रेट : बाबर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने आईसीसी टी20 विश्व कप में कनाडा के खिलाफ सात विकेट से मिली जीत पर राहत व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन पिच के कारण उनकी टीम के लिए इस मुकाबले में लक्ष्य हासिल करना कठिन रहा। पाक ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में कनाडा को सात विकेट से हराकर अपनी सुपर आठ की संभावनाएं बनाये रखीं हैं। इस मैच में पाक टीम को बेहतर नेट रन रेट से जीत की जरुरत थी। उसी को लेकर बाबर ने कहा कि नेट रन रेट की बात उनके दिमाग में थी पर कठिन पिच के कारण इसे हासिल नहीं कर पाये। बाबर ने कहा कि हमें इस जीत की सख्त जरूरत थी। हमने अच्छी गेंदबाजी की थी। पाकिस्तान को अपना नेट रन रेट सकारात्मक बनाने के लिए इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल करना था। उसे 0.626 से ज्यादा नेट रन रेट वाले अमेरिका को पीछे छोड़ने के लिए कनाडा के खिलाफ 13.5 ओवर में ही जीत हासिल करनी थी पर पाक ने कनाडा पर ये 15 गेंद रहते जीत हासिल की जिससे अब उसका नेट रन रेट - 0.150 से 0.191 हो गया है। इस प्रकार वह अब भी अमेरिका से पीछे है और अगले दौर में जगह बनाने के लिए उसे आयरलैंड के खिलाफ 16 जून को होने वाले मैच में जीत दर्ज करने के साथ ही उम्मीद करनी होगी कि अमेरिका अपने बचे हुए दोनों ही मैच हार जाए। बाबर ने कहा कि हमारे दिमाग में नेट रन रेट की बात थी पर पिच के कारण उसे हासिल करना कठिन रहा। पाक टीम पर कनाडा के खिलाफ जीत के बाद भी विश्व कप से बाहर होने का खतरा बना हुआ है। पाकिस्तान को कनाडा के खिलाफ वह मुकाबला बड़े अंतर से जीतना था जिससे कि वह अमेरिका से बेहतर रन रेट हासिल कर सके। पाक ने भले ही कनाडा को 106 रन पर रोक दिया पर 18वें ओवर में जीत हासिल की। इससे उन्हें नेट रन रेट में ज्यादा फायदा नहीं मिला।

शार्दुल ठाकुर के पैर की लंदन में सर्जरी, तीन महीने के लिए बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के पैर की बुधवार को यहां सर्जरी हुई और संभावना है कि वह कम से कम तीन महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहेंगे। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की जिसका शीर्षक था, 'ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ।' यह शार्दुल के पैर की दूसरी सर्जरी है। इससे पूर्व पांच साल पहले 2019 में भी उनके पैर की सर्जरी हुई थी। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान चोट फिर से उभर आई थी। हालांकि वह पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी में शानदार वापसी करने में सफल रहे और मुंबई को अपना 42वां खिताब जीतने में मदद की। उन्होंने खिलाड़ियों के उबरने और तैयारी के लिए पर्याप्त समय के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मैचों के बीच लंबे ब्रेक का अनुरोध किया था। इंडियन प्रीमियर लीग के हाल में संपन्न सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलते हुए उन्होंने नौ मैच में 9.75 की इकोनॉमी रेट से केवल पांच विकेट लिए। शार्दुल बीसीसीआई के ग्रेड सी के वार्षिक अनुबंध धारक हैं इसलिए उनके इलाज का खर्च बोर्ड द्वारा उठाया गया।

रिजवान टी20 विश्व कप में सबसे धीमा अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बने

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के नाम कनाडा के खिलाफ टी20 विश्वकप मुकाबले में एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है जिससे वह भूलना चाहेंगे। रिजवान ने इस मैच में सबसे धीमा अर्धशतक लगाया। रिजवान ने इस मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिजवान ने कनाडा के खिलाफ 53 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 53 रन बनाए और इसके बाद अर्धशतक के लिए 52 गेंदें खेली। यह टी20 विश्वकप का अब तक का सबसे धीमा अर्धशतक है। इससे पहले टी20 विश्व कप में सबसे धीमे अर्धशतक का रिकॉर्ड डेविड मिलर के नाम था। वार्नर ने भी इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ 50 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। इसके अलावा डेवोन स्मिथ ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2007 में 49 गेंदों जबकि डेविड हसी ने इंग्लैंड के खिलाफ 49 में शतक लगाया था। इस मैच में जीत से पाक के सुपर आठ में पहुंचने की संभावनाएं बनी हुई हैं।

पोंटिंग ने रोहित की कप्तानी को सराहा

न्यूयॉर्क। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा कि टी20 विश्व कप में जिस प्रकार से रोहित ने कप्तानी की है। उससे पता चलता है कि वह इसमें कितने कुशल हैं। रोहित ने इस मैच में छोटे स्कोर का बचाव करते हए दबाव में आये बिना अपने गेंदबाजों पर भरोसा करते हुए उनका समर्थन किया। पोंटिंग ने एक वीडियो में कहा कि रोहित बहुत अनुभवी कप्तान हैं। मैंने उन्हें जब देखा तो कहा कि आपकी कप्तानी शानदार रही थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह इससे ज्यादा कुछ कर सकता था। आप उनकी टीम में मौजूद कई गेंदबाजों के बारे में सोचिए। उनके पास वास्तव में आईपीएल में भी ऐसे गेंदबाज हैं, सिर्फ भारत के लिए नहीं। पोंटिंग ने कहा कि इसलिए वह उन्हें समझते हैं और जानते हैं कि उन्हें कब इस्तेमाल करना है। साथ ही कहा कि कप्तान के लिए योजना बनाना एक बात है, गेंदबाजों के लिए उसे अमल में लाना अलग बात है। हार्दिक पंड्या ने उस मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय पाक टीम काफी अच्छी स्थिति में थी और 48 गेंदों पर जीत के लिए 48 रन ही बनाने और उसके पास काफी विकेट थे। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, पंड्या और मोहम्मद सिराज ने भारतीय टीमा को मैच में वापसी करायी। पोंटिंग ने कहा कि मुझे लगा कि पंड्या ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

विश्व कप क्वालीफाइंग : भारत ने कतर के विवादास्पद गोल की जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मैच आयुक्त को शिकायत करके दोहा में विश्व कप क्वालीफाइंग के अपने महत्वपूर्ण मुकाबले में कतर को विवादास्पद गोल देने की जांच की मांग की है। एआईएफएफ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने 'गोल की गहन जांच' की मांग है। मंगलवार को जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत की 1-2 की हार के दौरान रैफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी जबकि इससे पहले ही गेंद खेल के मैदान से बाहर जा चुकी थी। इस गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इसने 2026 के टूर्नामेंट के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में प्रवेश से वंचित कर दिया।

एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने मैच आयुक्त को शिकायत की है और पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है।' ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच के आयोजन की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाएगा। मैच के 73वें मिनट में अब्दुल्लाह अलाहरक की फ्री किक पर यूसेफ आयमेन ने हेडर लगाने का प्रयास किया जिसे भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक दिया। गुरप्रीत हालांकि मैदान पर गिर गए और इस दौरान गेंद खेल के मैदान से बाहर चली गई। हाशमी हुसैन किक मारकर गेंद को दोबारा खेल के मैदान में ले आए और आयमेन ने गोल कर दिया।

गेंद के खेल के मैदान से बाहर जाने के कारण खेल रोका जाना चाहिए था और कतर को कॉर्नर किक मिलनी चाहिए थी क्योंकि गुरप्रीत गेंद के बाहर जाने से पहले उससे संपर्क करने वाले आखिरी खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ी हालांकि उस समय हताश हो गए जब रैफरी ने कतर को गोल दे दिया और मेहमान टीम के कड़े विरोध के बावजूद मैदानी अधिकारी अपने फैसले पर बरकरार रहा। नियम के अनुसार अगर गेंद 'गोल लाइन या टचलाइन' से मैदान पर या हवा में पूरी तरह से बाहर निकल जाती है तो उसे खेल से बाहर माना जाएगा। भारत के कोच इगोर स्टिमक ने बाद में निराशा जताते हुए कहा कि इस गोल ने उनकी टीम के सपने को खत्म कर दिया। गुरप्रीत ने भी इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा' करार दिया।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर डैनी वायट ने फुटबॉलर जॉर्जी से शादी रचायी

लंदन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर डैनी वायट ने अपनी दोस्त और पेशेवर महिला फुटबॉलर जॉर्जी हॉज से शादी रचायी है। दोनों ने पिछले साल सगाई की थी और अब शादी कर ली है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में डैनी ने जॉर्जी को प्रपोज किया था, जिसके बाद दोनों ने सगाई की थी। डैनी वायट एक समय कभी भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के पीछे दीवानी थी। साल 2014 में उन्होंने ट्विटर पर विराट को प्रपोज करते हुए लिखा था, विराट मुझसे शादी कर लो। यह ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी चर्चाओं में रहा था। विराट ने इस घटना का जिक्र करते हुए एक शो में कहा था कि उनकी मम्मी ने तक कहा था कि अभी मेरे बेटे की शादी की उम्र नहीं हुई है। विराट ने यह बात मजाक में कही थी और बताया कि उनकी मम्मी ने उन्हें कुछ कहने ही नहीं दिया। वायट और जॉर्जी की शादी की खबर से उनके प्रशंसक उत्साहित है और इन दोनो ही सोशल मीडिया के जरिये बधाई देते हुए दिखे।

पेरिसओलंपिक में भी हार नहीं मानने के जज्बे को बरकरार रखेंगे विष्णु सरवनन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौकाचालक विष्णु सरवनन को तोक्यो में अपने पहले ओलंपिक में निर्भीक रवैये से काफी मदद मिली थी और अब वह अगले महीने पेरिस में भी इसी हार नहीं मानने की मानसिकता को जारी रखने के लिए तैयार हैं। सरवनन ने इस साल की शुरू में आस्ट्रेलिया में आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप से अपने दूसरे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इस 25 साल के नौकाचालक ने कहा, ''तोक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे नतीजे की इतनी परवाह नहीं थी। मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था और मैंने ठीक प्रदर्शन किया था।'' सरवनन ने मंगलवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा करायी गयी वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह अनुभवी नौकाचालकों और उनकी उपलब्धियों से प्रभावित नहीं हुए जिससे उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा मिला। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''उस निडरता ने मुझे सिखाया कि आप खुद को कुछ अनुभवी खिलाड़ियों से कमतर नहीं आंककर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आपको सहजता के उस स्तर तक जाना होगा जहां आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और मुझे लगता है कि मैंने इस सत्र में सुधार किया है।'' उन्होंने कहा, '' मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।'' विश्व में 17वें नंबर के नौकाचालक सरवनन पिछले एक महीने से मार्सेल में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वहां वह ओलंपिक स्थल पर साइप्रस के लंदन 2012 रजत पदक विजेता पावलोस कोंटाइड्स और क्रोएशिया के रियो और तोक्यो रजत पदक विजेता टोन्सी स्टिपनोविच के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं।

अल्कारेज ने एफिल टॉवर का टैटू बनवाया

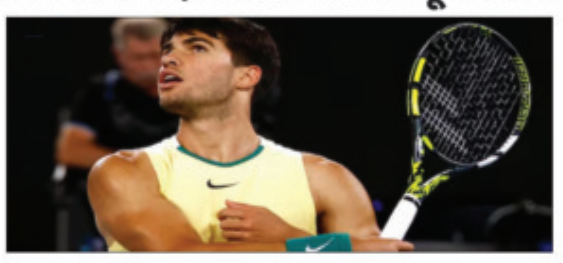

पेरिस। फ्रेंच ओपन खिताब जीतने से उत्साहित स्पेन के कार्लोस अल्कारेज का लक्ष्य अब एक जुलाई से विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करना रहेगा हालांकि अभी वह ग्रैंड स्लैम खिताबों का जश्न मनाने में लगे हैं। इसी के तहत ही उन्होंने अपनी पहली फ्रेंच ओपन चैंपियनशिप जीतने की तारीख और एफिल टॉवर का टैटू बनाया है। रोला गैरा की जीत को याद रखने के लिए अल्कारेज ने ये टैटू बाएं टखने के पास बनवाया है। उनके टखने पर पहले से ही 2023 विंबलडन जीत की तारीख और एक स्ट्रॉबेरी की छवि बनी है। उनके बाएं हाथ पर उनकी पहली ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी की तारीख है जो 2022 अमेरिकी ओपन में आई थी। अल्कारेज जिस गति से आगे बढ़ रहे हैं उससे ऐसा लगा है कि आने वाले समय में उनके पास टूटू के लिए जगह कम पड़ जाएगी। उन्होंने हालांकि कहा है वह अपने करियर के बाकी समय में हर ग्रैंडस्लैम जीत की तारीख अपने शरीर पर नहीं लिखेंगे। इसकी जगह वह सबसे अहम टूर्नामेंट में से प्रत्येक के पहले खिताब की तारीखों तक ही सीमित रहेंगे। इसका मतलब है कि वह अब केवल ऑस्ट्रेलिया ओपन की तारीख अंकित करवाएंगे। 21 साल के अल्कारेज क्ले, ग्रास और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। इसके अलावा वह 19 साल की उम्र में एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने कहा, ''मेरा खेल हर सतह के अनुकूल है क्योंकि मैं उसका अभ्यास करता रहता हूं।'' उन्होंने सबसे पहले क्ले कोर्ट पर खेल सीखा। वह खुद को हार्ड कोर्ट पर सबसे अधिक सहज पाते हैं। उन्होंने वहां उत्कृष्टता हासिल करने की कोशिश की क्योंकि अधिकांश टूर्नामेंटों में इसका उपयोग किया जाता है।

दिल्ली के श्रेयस दास नें जीता खेलो चैस इंडिया फीडे 100 इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट

भोपाल, मध्य प्रदेश(एजेंसी)। विश्व शतरंज के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में चेसबेस इंडिया द्वारा स्थानीय कोलार स्थित सेज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित खेलो चैस इंडिया इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट का खिताब दिल्ली के श्रेयस दास नें अपने नाम कर लिया। श्रेयस नें टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि अंतिम राउंड में उनसे ड्रॉ खेलने वाले मध्य प्रदेश के रेवांश वैद्य 7.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे। तीसरा स्थान मिला मध्य प्रदेश के अनिल कुशवाहा को जिन्होने अंतिम राउंड में प्रदेश के हर्षित डावर को मात देते हुए 7.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरा स्थान हासिल किया। 7 अंक बनाकर राजस्थान के ओजश जोशी बेहतर टाईब्रेक के साथ पर चौथे स्थान पर रहे वहीं सातवे राउंड में उलटफेर का शिकार हुई टॉप सीड कोलंबिया की एंजेला फ्रांको वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर टाईब्रेक के आधार पर 7 अंक बनाकर पांचवें स्थान पर रही, एंजेला टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भी रही। अन्य खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश के हर्षित डावर, दिल्ली के कथन खुराना, मध्य प्रदेश के मीतांश दीक्षित, हरयाणा के मिलिंद पारले 7 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर छठे से नौवे स्थान पर रहे जबकि 6.5 अंक बनाकर मध्य प्रदेश के कामद मिश्रा बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दसवें स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 68 नए खिलाड़ियों को फीडे आईडी मिली तो करीब 20 नए खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग भी प्राप्त हुई।

प्रतियोगिता में भारत के 10 राज्यों और भारत के बाहर से कोलम्बिया से कुल 174 खिलाड़ियों नें भाग लिया।

सागर शाह नें किया पुरूष्कार वितरण

- प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण में भारत के जाने माने और दुनिया के सबसे बड़े शतरंज विश्लेषक में शुमार इंटरनेशनल मास्टर सागर शाह नें सभी खिलाड़ियों को खास तौर पर मुंबई से भोपाल आकर पुरुस्कार वितरित किये।

एंजेला और माधवेन्द्र नें खेला साइमल शतरंज - अंतिम राउंड के बाद पुरूष्कार वितरण के ठीक पहले भोपाल में पहली बार एक साथ दो खिलाड़ियों नें साइमल शतरंज का प्रदर्शन किया। कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला नें और भोपाल के अंडर 10 एशियन चैम्पियन माधवेन्द्र प्रताप शर्मा नें 10 - 10 खिलाड़ियों के साथ एक साथ शतरंज के मुकाबले खेले।

इसके अलावा एक खास कार्यक्रम के तहत सभी खिलाड़ियों और अतिथियों नें भारत के डी गुकेश को आने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में शुभकामनए देने के लिए संदेश भी लिखे।

एक नजर

पाकिस्तान में पश्तो एक्ट्रेस की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में पश्तो अभिनेत्री खुशबू खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के नौशेरा जिले में एक खेत में अभिनेत्री का शव पाया गया। अभिनेत्री की हत्या के आरोप में अकबरपुरा पुलिस ने दो संदिग्धों के विरुद्ध हत्या का मामला पंजीकृत किया है। दोनों संदिग्धों की पहचान शौकत और फलक नियाज के रूप में की गई है। मारी गई अभिनेत्री के भाई ने अपनी शिकायत में इन दोनों को नामजद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार करने के लिए दोनों की खोज शुरू कर दी है। इनमें से एक पहले भी अभिनय उद्योग से संबंधित एक महिला की हत्या मामले में नामजद किया जा चुका है। मृत अभिनेत्री के भाई ने एफआईआर में कहा है कि खुशबू ने दोनों का प्रस्ताव नहीं माना जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। दोनों ने केवल उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में ही काम करने की मांग की थी। खुशबू के नहीं मानने पर उन लोगों ने अपने स्थान पर पार्टी में बुलाया और उसकी हत्या कर दी।

राई विधानसभा की सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 25.68 करोड़ रुपये मंजूर

सोनीपत : हरियाणा सरकार ने राई विधानसभा क्षेत्र की सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 25 करोड़ 68 लाख रुपये की मंजूरी दी है। यह जानकारी राई से विधायक मोहनलाल बड़ौली ने दी है। बडौली ने बुधवार को यहां कहा कि यह मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में राई विधानसभा क्षेत्र की 25 सड़कों का सुदृढ़ीकरण के लिए 25 करोड़ 68 लाख रुपये की मंजूरी देना एक महत्वपूर्ण निर्णय है। सड़कों के निर्माण से लोगों को आवागमन में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि जिन 25 सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जाना है, उनमें बसौदी से बड़ौली रोड के लिए 15.25 लाख, मनौली से खुर्मपुर रोड के लिए 69.27 लाख, मनौली से बैरा बाकीपुर सड़क के लिए 74.05 लाख, जाटी कलां से दहीसरा रोड के लिए 89.26 लाख, जठेड़ी से प्रीत्तमपुरा सड़क के लिए 1.08 करोड़, नाहरी से मल्हा माजरा सड़क के लिए 1.77 करोड़, खेड़ी मनाजात से मुनीरपुर सड़क के लिए 36.92 लाख, छत्तेहरा से रेलवे स्टेशन सड़क के लिए 19.96 लाख, गांव जाजल अप्रोच रोड के लिए 41.34 लाख, ओल्ड बसौदी से मुकीमपुर सड़क के लिए 50.41 लाख, किशोरा से चौहान जोशी सड़क के लिए 1.24 करोड़ रुपये स्वीकृत हो हुए हैं। इनके अलावा मेहंदीपुर से यमुना घाट तक सड़क के लिए 1.94 करोड़, मुरथल से मेहंदीपुर सड़क के लिए 22.21 लाख, जीटी रोड से मीमारपुर यमुना घाट वाया मुरथल सड़क के लिए 7.94 करोड़ रुपये और टांडा अप्रोच रोड के लिए 18.67 लाख रुपये सुदृढ़ीकरण पर खर्च किए जाएंगे।

मोहन चरण माझी बने ओडिशा के मुख्यमंत्री

एजेंसी

भुवनेश्वर : आदिवासी नेता मोहन चरण माझी ने बुधवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोदी मंत्रिपरिषद के कई सदस्यों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित नौ राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजित भुवनेश्वर के प्रसिद्ध जनता मैदान में हुआ। इसके साथ ही माझी ओडिशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले भाजपा के पहले नेता बन गये।राज्यपाल रघुबर दास ने माझी के साथ ही दो उप मुख्यमंत्रियों, आठ कैबिनेट मंत्रियों और पांच राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। भाजपा के कई केंद्रीय नेताओं की मौजूदगी में शपथ ग्रहण समारोह को देखने के लिए राज्य भर से एक लाख से अधिक लोग जनता मैदान में एकत्र हुए। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष नवीन पटनायक भी शपथ ग्रहण समारोह मौजूद रहे। शपथ लेने वाले दो उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव और प्रभाती परिदा हैं। शपथ लेने वाले कैबिनेट मंत्रियों में सुरेश पुजारी, रबी नारायण नायक, नित्यानंद गोंड, कृष्ण चंद्र पात्रा, पृथ्वीराज हरिचंदन, डॉ. मुकेश महालिंग, विभूति भूषण जेना, डॉ. कृष्ण चंद्र महापात्र शामिल हैं। वहीं, पांच राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र) में सर्वश्री गणेश राम सिंगखुंटिया, सूर्यवंशी सूरज, प्रदीप बाला सामंत, गोकुलानंद मल्लिक और संपद चंद्र स्वैन शामिल हैं। भाजपा ने 2024 के विधानसभा चुनाव में कुल 147 विधानसभा सीटों में से 78 पर जीत हासिल की और श्री पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद सरकार के 24 साल के शासन को उखाड़ फेंका। बाद में तीन निर्दलीय विधायक भी भाजपा में शामिल हो गए, जिससे विधानसभा में पार्टी की कुल ताकत 81 हो गई है। ओडिशा के राजनीतिक इतिहास में यह पहली भाजपा सरकार है। गौरतलब है कि 2000 और 2004 में लगातार दो बार बीजद-भाजपा गठबंधन सरकार बनी थी। माझी राज्य में तीसरे आदिवासी मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले, 1989 और 1999 में कांग्रेस के हेमानंद बिस्वाल और गिरिधर गोमांगो ने मुख्यमंत्री के रूप में संक्षिप्त अवधि के लिए राज्य पर शासन किया था। उस समय कांग्रेस आलाकमान की ओर से तत्कालीन मुख्यमंत्री जे बी पटनायक को तीन मौकों पर (एक बार 1989 में और दो बार 1999-2000 के दौरान) पद से हटने के लिए कहा गया था।

चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

विजयवाड़ा : तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में बुधवार को शपथ ली। राज्यपाल सैयद अब्दुल नजीर ने कृष्णा जिले के केसरपल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में टीडीपी से 20, जनसेना पार्टी से पवन कल्याण समेत दो विधायकों और भाजपा से एक विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू एवं चिराग पासवान समेत कई प्रमुख लोग शामिल हुए। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और भाजपा के महामंत्री संगठन बीएल संतोष भी समारोह में मौजूद रहे।

हरदोई सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुख

एजेंसी

हरदोई : उत्तर प्रदेश के जनपद हरदोई में बीती देर रात सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब बालू लदा एक ट्रक मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे सो रहे लोगों पर अनियंत्रित होकर पलट गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख जताया है और अधिकारियों को राहत कार्य के निर्देश दिए हैं। कन्नौज के महेंदी घाट से एक बालू लदा ट्रक बीती देर रात हरदोई की ओर जा रहा था। ट्रक हरदोई जनपद के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के उन्नाव मार्ग से कटरा-बिल्हौर हाइवे पर चुंगी नंबर दो से गुजरते समय बेकाबू होकर सड़क किनारे झोपड़ी में सो रहे लोगों पर पलट गया। ये सभी अवधेश उर्फ बल्ला नट के परिवारीजन थे। हादसा इतना दर्दनाक था कि डंपर में लदे बालू और ट्रक के नीचे पूरा परिवार दब गया। हादसे के बाद इलाके के लोग बालू में दबे लोगों को निकालने में जुट गए। इस बीच सूचना मिलने पर मल्लावां थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा और घटना की जानकारी आलाधिकारियों को देते हुए क्रेन और जेसीबी मंगाकर रेस्क्यू आपरेशन चलाया। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद बालू और ट्रक के नीचे दबे अवधेश उर्फ भल्ला (45), उसकी पत्नी मुन्नी (42), बेटी सुनैना (11), बिलग्राम कासुपेट निवासी दामाद करन (25), उसकी पत्नी हीरो (22), लल्ला (5), बुद्धू (4), कोमल (5) और एक बच्ची बिट्टू को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने आठ लोगों को मृत घोषित कर दिया और बच्ची बिट्टू की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस बीच घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी की। जिलाधिकारी ने बताया कि बालू भरा ट्रक एक झोपड़ी पर पलट गया था। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम कराते हुए घटना के कारणों की जानकारी की जा रही है। हादसे के बाद पुलिस ने छिबरामऊ निवासी ट्रक चालक अवधेश और क्लीनर अनंग बेहटा निवासी रोहित को हिरासत में लिया है।

कुवैत के लेबर कैंप में भीषण आग भारतीयों समेत 45 प्रवासी श्रमिकों की मौत

कुवैत सिटी (हि.स.): दक्षिणी कुवैत के मंगफ शहर में बुधवार तड़के एक कंपनी के श्रमिक शिविर में भीषण आग लगने से 45 प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई और कम से कम 50 लोग झुलस हो गए। अधिकतर भारतीयों में से कुछ की हालत गंभीर है, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बेहतर चिकित्सा मुहैया कराने के लिए आश्वस्त किया है। कुवैत के दक्षिणी अहमदी गवर्नरेट के मंगफ क्षेत्र में स्थित छह मंजिला इमारत की रसोई के अंदर बुधवार सुबह करीब 4:00 बजे आग लग गई। संदेह है कि चौकीदार के कमरे में रखे गैस सिलेंडर से लगी थी। आग लगने के समय एक ही कंपनी के शिविर में लगभग 160 कर्मचारी थे। अधिकारियों को सुबह करीब छह बजे आग लगने की सूचना दी गई, जब ज्यादातर लोग सो रहे थे। गृह मंत्री शेख फहद अल-यूसेफ अल-सबाह ने घटनास्थल का दौरा किया और इमारत के मालिक, चौकीदार और श्रमिकों के लिए जिम्मेदार कंपनी के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। गृह मंत्री ने कुवैत नगर पालिका और मेनपॉवर के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण को इसी तरह के उल्लंघनों के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसमें आवासीय भवनों में भीड़भाड़ रोकने और भविष्य की घटनाओं को रोकने के लिए सभी सुरक्षा आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना शामिल है। मंगफ श्रमिक शिविर में हुई इस दर्दनाक घटना के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने 965-65505246 पर एक आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है। सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी अपडेट के लिए इस हेल्पलाइन का उपयोग करें। कुवैत में भारतीय राजदूत डॉ. आदर्श स्वाइका ने घटनास्थल का दौरा करके पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और कहा कि दूतावास हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली सरकार 900 करोड़ रुपये से गांवों का करेगी कायाकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी गांवों का कायाकल्प करने पर 900 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बुधवार को विकास मंत्री गोपाल राय ने गांवों में विकास कार्य को युद्ध स्तर पर पूरा करने के लिए ग्रामीण विकास बोर्ड और उसकी कार्यकारी एजेंसी एमसीडी और सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने गांवों के विकास के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किया है। गांवों में विभिन्न विकास कार्य के लिए चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले ग्रामीण विकास बोर्ड ने 1387 प्रस्ताव पास किए थे। अब इन कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाएगा। सभी एजेंसियां 15 जून तक अपना एक्शन प्लान तैयार कर लें और 19 जून को सभी विधायकों के साथ बैठक कर विकास कार्यों में आ रही समस्याओं और उसके समाधान पर चर्चा की जाएगी। 27-28 जून को कागजी काम निपटाने और विकास कार्य में तेजी लाने के लिए सभी विभाग सचिवालय में कैंप लगाएंगे। हमारे पास इन विकास कार्यों को पूरा करने के लिए अक्टूबर तक का ही समय है लेकिन हम इसे पूरा कर लेंगे।

डाक विभाग के इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में मात्र 549 रुपये में होगा 10 लाख का दुर्घटना बीमा

एजेंसी

वाराणसी : महंगे प्रीमियम पर बीमा करवाने में असमर्थ लोगों के लिए डाक विभाग का इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक एक विशेष दुर्घटना सुरक्षा बीमा लेकर आया है, जिसमें वर्ष में महज 549 और 749 रुपए के प्रीमियम के साथ लाभार्थी का क्रमशः 10 और 15 लाख रुपए का बीमा होगा। एक साल खत्म होने के बाद अगले साल यह बीमा रिन्यू करवाना होगा। इसके लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में लाभार्थी का खाता होना अनिवार्य है। बुधवार को यह जानकारी वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने दी। उन्होंने बताया कि डाक विभाग इसके लिए 13 जून को वाराणसी परिक्षेत्र के अधीन वाराणसी, भदोही, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया ज़िलों में विशेष अभियान चलायेगा। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक और आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरंस ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट के मध्य हुए एक एग्रीमेंट के तहत 18 से 65 वर्ष आयु के लोगों को यह निजी दुर्घटना बीमा सुरक्षा मिलेगी। इसके तहत, दोनों प्रकार के बीमा कवर में दुर्घटना से मृत्यु, स्थायी या आंशिक पूर्ण अपंगता, अंग विच्छेद या पैरालाइज्ड होने पर क्रमशः 10 और 15 लाख रुपए का कवर मिलेगा। साथ ही साथ इस बीमा में दुर्घटना से हॉस्पिटल में भर्ती रहने के दौरान इलाज हेतु 60,000 रुपए तक का आई.पी.डी खर्च और ओ.पी.डी में 30,000 रुपए तक का क्लेम मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस बीमा में डॉक्टर से पोषण संबंधी सलाह एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए 4 परामर्श की सुविधा होगी। वहीं, दोनों प्रीमियम बीमा में उपरोक्त सभी लाभों के अलावा दो बच्चों की पढ़ाई के लिए एक लाख तक का खर्च, दस दिन अस्पताल में रोजाना का एक हजार खर्च, किसी अन्य शहर में रह रहे परिवार के लिए ट्रांसपोर्ट का 25,000 रूपए तक का खर्च और मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए 5,000 तक का खर्च मिलेगा।

लोकसभा चुनावों के दौरान वायु सेना के हवाई बेड़े ने निभाई अहम भूमिका

एजेंसी

- चुनावी मशीनरी को दूरस्थ स्थानों तक ले जाने के लिए किया एयरलिफ्ट
- सेना और बीएसएफ के हेलीकॉप्टरों को भी उड़ानों में शामिल किया गया

नई दिल्ली : लोकसभा चुनावों के दौरान भारतीय वायु सेना की भी अहम भूमिका रही है। युद्ध और शांति काल में विभिन्न कार्य करने वाले वायु सेना के परिवहन और हेलीकॉप्टर बेड़े को चुनावों के बीच प्रशासनिक मशीनरी को एयरलिफ्ट करने के लिए तैनात किया गया था। वायु सेना के मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टरों (एमआई-17 वेरिएंट), लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों (चेतक) और स्वदेशी रूप से निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव ने इस दौरान पर्याप्त उड़ान भरकर पोलिंग पार्टी को दूरस्थ स्थानों तक पहुंचाने और वापस लाने का कार्य किया है। वायु सेना का हवाई बेड़ा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों के दौरान लड़ाकू सैनिकों को हवाई मार्ग से ले जाने और शांतिकालीन भूमिका के अलावा राष्ट्र निर्माण की दिशा में कई कार्य करता है। नागरिक शक्ति की सहायता में भारतीय वायुसेना विशेष रूप से सबसे आगे रही है। हाल ही में हुए लोकसभा आम चुनाव के दौरान मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टरों (एमआई-17 वेरिएंट), लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों (चेतक) और स्वदेशी रूप से निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव ने पर्याप्त उड़ान भरी हैं। वायु सेना इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को पोलिंग पार्टी के साथ एयरलिफ्ट करने और चुनाव ड्यूटी पर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के कर्मियों को तैनात करने के कार्य में सक्रिय रूप से शामिल रही है। आम चुनावों के दौरान भारतीय वायु सेना ने देश के दूरदराज के इलाकों तक चुनाव कर्मियों की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां सड़क मार्ग से आवाजाही एक सुरक्षा चिंता का विषय थी। यह कार्य समयबद्ध था, क्योंकि मतदान अधिकारियों को चुनाव तिथि से दो दिन पहले प्रत्येक दूरस्थ मतदान केंद्र तक पहुंचाने के साथ ही मतदान के बाद वापस लाना था। भारतीय वायु सेना ने आम चुनाव के सात चरणों में से पांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 1750 से अधिक उड़ानों में 1000 घंटे से अधिक की उड़ान भरी। सुरक्षा, मौसम, सड़क संपर्क आदि को ध्यान में रखते हुए परिसंपत्तियों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए नोडल अधिकारियों के माध्यम से ईसीआई और विभिन्न राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्तों (सीईसी) के साथ घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से यह कठिन कार्य पूरा किया गया। आम चुनाव के सुचारू संचालन की दिशा में समग्र योजना में भारतीय सेना और बीएसएफ की हेलीकॉप्टर परिसंपत्तियों को भी शामिल किया गया।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका ने नहीं दिया वीजा तो नेपाली क्रिकेटर संदीप लामिछाने वेस्टइंडीज पहुंचे

काठमांडू : नेपाली क्रिकेटर संदीप लामिछाने को टी-20 विश्व कप खेलने के लिए अमेरिकी वीजा न मिलने पर उन्हें वेस्टइंडीज में होने वाले विश्वकप के बाकी मैचों के लिए भेज दिया गया है। इस बार हो रहे टी-20 विश्वकप क्रिकेट की मेजबानी अमेरिका के साथ ही वेस्टइंडीज भी कर रहा है। बलात्कार के आरोप में नेपाल की जिला अदालत से सजा पाने के बाद निलंबित रहे संदीप लामिछाने को उच्च अदालत से बरी कर दिया गया था। इसी के बाद क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) ने लामिछाने को विश्वकप में खेलने की अनुमति दे दी थी। इसके बावजूद अमेरिका ने लामिछाने को वीजा देने से इंकार कर दिया। अमेरिकी दूतावास के इस रवैये का नेपाल में जबरदस्त विरोध हुआ था। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल के सचिव पारस खड्का ने बताया कि संदीप को वेस्टइंडीज में होने वाले खेलों में शामिल होने के लिए भेजा गया है। संदीप लामिछाने ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करके हैलो फ्रॉम वेस्टइंडीज कैप्शन दिया था। इसके बाद ही उनके वेस्टइंडीज पहुंचने की जानकारी मिली। सचिव पारस खड्का ने बताया कि टी-20 विश्वकप क्रिकेट के बाकी दो मैच वेस्ट इंडीज में ही होने हैं, जिनमें पहला मैच साउथ अफ्रीका के साथ शनिवार को है। यह मैच एर्नोस वैले स्टेडियम, सैंट विंसेट में खेला जाना है, जबकि लीग चरण का आखिरी मैच 17 जून को बांग्लादेश के साथ इसी स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दोनों ही मैचों में संदीप लामिछाने नेपाल की ओर से खेलेंगे।

नाबार्ड को 383.11 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट तत्काल भेजने के निर्देश

देहरादून : मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण, सिंचाई, पशुपालन, स्कूली शिक्षा, कौशल तथा तकनीकी शिक्षा विभाग को 24 घंटे की डेडलाइन देते हुए अवशेष 383.11 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट तत्काल नाबार्ड को भेजने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने 31 जुलाई की समय सीमा निर्धारित करते हुए सभी विभागों को वित्त विभाग को डीपीआर भेजने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को सचिवालय में नाबार्ड की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक की अध्यक्षता के दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि राज्य के ग्रामीण विकास में नाबार्ड द्वारा प्राप्त होने वाली वित्तीय सहायता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में जानकारी दी गई कि वित्त विभाग द्वारा कुल 360.47 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट प्राप्त किए गए हैं जिनमें सिंचाई विभाग से 77.40 करोड़ के 10 प्रोजेक्ट, लोक निर्माण विभाग से 193.11 करोड़ के 89 प्रोजेक्ट, तकनीकी शिक्षा से 66.96 करोड़ के 4 प्रोजेक्ट, पशुपालन से 9.52 करोड़ का 1 प्रोजेक्ट, ग्रामीण निर्माण विभाग से 13.4811 करोड़ के 5 प्रोजेक्ट हैं। वर्ष 2023-24 में राज्य को नाबार्ड द्वारा कुल अनुमोदित 904.4 करोड़ के सापेक्ष भुगतान 954.9 करोड़ रहा है। वर्ष 2024-25 के लिए आरआईडीएफ के तहत 1200 करोड़ का अनुमोदित लक्ष्य तथा 969 करोड़ रुपए का प्रतिपूर्ति लक्ष्य रखा गया है। बैठक में मुख्य सचिव ने विभागों को भविष्य में नाबार्ड की समय सीमा के अनुसार ही अपने प्रोजेक्ट के बजट बनाकर समयबद्धता से भेजने की सख्त हिदायत दी। राधा रतूड़ी ने विभागों को अपने प्रोजेक्ट के प्रस्ताव, आहरण, प्रोजेक्ट कम्पलीशन सर्टिफिकेट (पीसीसी), प्रोजेक्ट कम्पलीशन रिपोर्ट (पीसीआर) को ऑनलाइन जमा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने विभागों को प्रोजेक्ट पूरे होने पर एक सप्ताह के भीतर प्रोजेक्ट कम्पलीशन सर्टिफिकेट तथा छह माह के भीतर प्रोजेक्ट कम्पलीशन रिपोर्ट जमा करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विभागों को शहरी अवसंरचना विकास निधि (यूआईडीएफ) के तहत पार्किंग, मलिन बस्तियों के पुनर्विकास एवं शहरी वनीकरण के प्रोजेक्ट को शीर्ष प्राथमिकता पर नाबार्ड को भेजने के निर्देश दिए हैं।

बांग्लादेशी सांसद के शव के टुकड़ों को अभी भी ढूंढ रही सीआईडी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मौत के घाट उतारे गए बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार के शव के टुकड़ों को सीआईडी अभी भी ढूंढ रही है। पश्चिम बंगाल सीआईडी के अधिकारी इस मामले में गिरफ्तार दो आरोपितों से लगातार पूछताछ कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि रविवार को बागजोला नहर के किनारे से बरामद की गई हड्डियों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि कुछ और सबूत भी बरामद किए जाएंगे। इसमें समय लग रहा है क्योंकि अपराध लगभग एक महीने पहले हुआ था। हमने कुछ निश्चित स्थानों की पहचान की है, जहां हम शव के अंगों की तलाश कर रहे हैं। राज्य सीआईडी ने रविवार को नेपाल पुलिस द्वारा भारत को प्रत्यर्पित किए गए सियाम से पूछताछ के बाद दक्षिण 24 परगना जिले में एक नहर के पास से मानव की कुछ हड्डियां बरामद की गई थीं। इसके अलावा सीआईडी अधिकारी जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों- मोहम्मद सियाम हुसैन और कसाई से लगातार पूछताछ कर रहे हैं। सीआईडी के एक अधिकारी ने बताया कि हड्डियों और मांस के टुकड़ों की बरामदगी के सिलसिले में डीएनए टेस्ट के लिए बांग्लादेश के सांसद की बेटी इस सप्ताह कोलकाता आ सकती हैं। हुसैन को शनिवार शाम को नेपाल से भारत में प्रत्यार्पण के बाद पश्चिम बंगाल लाया गया था। उत्तर 24 परगना जिले के बारासात की एक स्थानीय अदालत ने उसे 14 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेज दिया है। शुरूआती जांच में पता चला था कि सांसद के करीबी दोस्त अख्तरुज्जमां जो एक अमेरिकी नागरिक हैं, ने अपराध में शामिल लोगों को करीब पांच करोड़ रुपये दिए थे। सीआईडी अधिकारियों ने कहा था कि अख्तरुज्जमां का कोलकाता में एक फ्लैट है और संभवतः वह इस समय अमेरिका में है। पुलिस ने दावा किया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से पता चलता है कि अवामी लीग नेता की पहले गला घोंटकर हत्या की थी। और फिर उसके शव को 80 टुकड़ों में काट दिया गया था। उसके बाद उसे हल्दी में लपेटकर अलग-अलग जगह पर फेंका गया था।

मंडी जिला में इन्दिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के लिए 1500 रुपये देने की प्रक्रिया शुरू

मंडी : इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा आदर्श आचार संहिता से पूर्व 16 मार्च तक योजना के अन्तर्गत प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस स्वीकृति के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही हेतु 1500 रुपये प्रतिमाह की दर से जिलेवार राशि का आवंटन भी कर दिया गया है। उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने बताया कि जिला मंडी में इन्दिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के अर्न्तगत प्रदेश में आदर्श आचार संहिता से पूर्व 6019 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन सभी 6019 आवेदनों को सरकार द्वारा मंजूर कर लिया गया है और इसके लिए कल्याण विभाग को 2,70,85,583 रु की राशि जिला मंडी हेतु प्राप्त भी हो गई है। उन्होंने ने बताया कि आचार संहिता लागू होने से पहले प्राप्त आवेदनों के दस्तावेजों की जांच तहसील कल्याण अधिकारियों द्वारा की जा रही है। जांच उपरांत 3187 मामले तहसील कल्याण अधिकारियों से प्राप्त हो चुके है और इन्हें स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 2832 आवेदनों की जांच तहसील कल्याण अधिकारियों द्वारा आगामी एक दो दिनो मे पूर्ण कर ली जाएगी। जांच उपरांत इन आवेदनों को भी स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह * (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902